■ जबलपुर शुक्रवार 13 जून 2025 ■ वर्ष 30 अंक 343 ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य रु. 3.00 www.swatantramat.com

डाक/नगर संस्करण

स्वतंत्र मत

241 जान ले गई उड़ान

अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश

अहमदाबाद

अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल एक व्यक्ति के बचने की बात सामने आई है। बाकी सभी 241 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है। पुलिस कमिश्नर के हवाले से जानकारी दी गई है कि प्लेन की सीट नंबर 11-ए पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात शामिल हैं। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

हॉस्टल की बिल्डिंग से टकराया

अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन सिविल हॉस्पिटल के हॉस्टल की बिल्डिंग से टकराया था। जिनमें रेजिडेंट डॉक्टर रहते थे। घटना के दौरान हॉस्टल में 50 से 60 इंटर्न डॉक्टर्स मौजूद थे। ज्यादातर मेस में लंच कर रहे थे। धमाके का असर इतना ज्यादा था कि अंदर मौजूद डॉक्टरों के शव भी टुकड़ों में बिखर गए। वहां से छह शव निकाले गए हैं। विमान में आग लगने से उठे धुएं से हॉस्टल की बिल्डिंग पूरी तरह काली पड़ गई है। हॉस्टल खंडहर जैसा हो गया है। करीब 45 डॉक्टर्स घायल हुए हैं।

15 साल में बोइंग 787 का पहला क्रैश

क्रैश हुआ विमान एक मॉडर्न एयरक्राफ्ट है, जिसे दिसंबर 2013 में बोइंग कॉमर्शियल एयरप्लेन्स ने बनाया था। बोइंग के 787 विमान के 15 साल के इतिहास में यह पहला क्रैश है। ये मिड-साइज, ट्विन-इंजन, वाइड-बॉडी जेट है, जो लंबी दूरी की उड़ानों के लिए डिजाइन किया गया है। ये एक बार में 14,000 किमी तक उड़ सकता है।

मृतकों के परिवार को 1 करोड़ देगा टाटा ग्रुप

टाटा ग्रुप ने मुश्किल समय में पीड़ितों के साथ खड़े होने का ऐलान किया है। यह घोषणा टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने की है। उन्होंने कहा, टाटा ग्रुप इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपये देगा। हम घायलों के इलाज का खर्च भी उठाएंगे। यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें हर जरूरी देखभाल और सहायता मिले। इसके अलावा, हम बीजे मेडिकल के हॉस्टल के निर्माण में भी सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा, कंपनी हर संभव मदद करने के लिए तैयार है।

पूर्व सीएम विजय रूपाणी का निधन

अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास हुए प्लेन हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का निधन हो गया। वो पैसेंजर लिस्ट में पैसेंजर नंबर 12 थे। विजय रूपाणी के करीबी नितिन भारद्वाज ने बताया कि रूपाणी लंदन अपनी बेटी से मिलने जा रहे थे। उनकी बेटी की शादी हो चुकी है और वो अपने परिवार के साथ लंदन में रहती हैं। 2016 में भारतीय जनता पार्टी ने आनंदीबेन पटेल की जगह विजय रूपाणी को गुजरात का मुख्यमंत्री चुना था। 2021 में विजय रूपाणी ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था।

मेरा बचना करिश्मे से कम नहीं

गंभीर घायल रमेश ने बताया- टेकऑफ के 30 सेकेंड बाद ही प्लेन जबरदस्त आवाज के साथ क्रैश हो गया। मुझे होश आया तो मेरे अगल-बगल लाशें ही लाशें थी। प्लेन के टुकड़े चारों तरफ बिखरे हुए थे। मुझे किसी ने उठाया और एम्बुलेंस में डाल दिया। मेरा भाई भी मेरे साथ प्लेन में सफर कर रहा था। प्लीज उसे ढूंढने में मेरी मदद कीजिए।

भारत को अमेरिका से 3 बड़े झटके लगे : कांग्रेस

विपक्ष को भरोसे में लेने और सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा- बुधवार को एक ही दिन में भारत की कूटनीति को अमेरिका से तीन बड़े झटके लगे हैं। इनसे भारत की विदेश नीति और भारत-अमेरिका संबंधों पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। जयराम ने कहा- अमेरिका की सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ साझेदार बताया। पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर को अमेरिकी आर्मी डे के लिए न्योता दिया है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने फिर से कहा कि भारत-पाक तनाव ट्रम्प ने खत्म करवाया। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि ये हमारी कूटनीति के लिए बड़े झटके हैं। साथ ही चेतावनी और चुनौती भी हैं। प्रधानमंत्री जो सर्वशक्तिमान और सर्वव्यापी हैं,

उन्हें अब सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। उन्होंने विदेश यात्राओं पर गए सांसदों से मुलाकात की है, अब विपक्षी दलों के नेताओं से भी मिलना चाहिए। जयराम रमेश कहा- अमेरिका के सेंट्रल कमांड चीफ जनरल माइकल कुरिल्ला ने हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सामने पाकिस्तान को एक शानदार आतंकवाद विरोधी साझेदार बताया। क्या यही पाकिस्तान है जहां ओसामा बिन लादेन 10 साल छिपा रहा और 2011 में मारा गया। वही पाकिस्तान अब अमेरिका के लिए आतंकवाद विरोधी साझेदार बन गया। जयराम रमेश ने कहा- अमेरिका ने पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर को 14 जून को अमेरिका सेना की 250वीं वर्षगांठ पर आयोजित परेड में भाग लेने के लिए न्योता भेजा है। यह वही आसिम मुनीर है जिसने पहलगाम आतंकी हमले से ठीक पहले भड़काऊ और उकसावे बयान दिए थे। उनके बयानों से ही आतंकियों को बल मिला। जयराम रमेश ने कहा- अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने दोबारा कहा कि भारत-पाक तनाव को कम करने में डोनाल्ड ट्रम्प और विदेश मंत्री मार्को रुबियो की भूमिका रही है।

शिवसेना यूबीटी-मनसे गठबंधन पर लग सकता है ब्रेक

फडणवीस और राज ठाकरे की डेढ़ घंटे मुलाकात हुई

मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे से मुलाकात की। ये मीटिंग मुंबई के ताज लैंड्स एंड होटल में करीब डेढ़ घंटे तक चली। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री फडणवीस के शेड्यूल में शामिल नहीं था। अचानक हुई इस मीटिंग के बाद राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि पिछले दिनों शिवसेना और मनसे (यूबीटी) के बीच गठबंधन की जो संभावनाएं थीं, उन पर फिलहाल विराम लग

सकता है। हालांकि महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और बीजेपी नेता नितेश राणे ने कहा, ये मुलाकात राजनीतिक नहीं हैं। देवेंद्र जी के हर व्यक्ति के साथ अच्छे संबंध हैं। दरअसल, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 6 जून को अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ गठबंधन के संकेत दिए थे। उद्धव ने कहा था कि महाराष्ट्र की जनता जो चाहेगी, वही होगा। राज ठाकरे ने 2006 में शिवसेना से अलग होकर मनसे बनाई थी। महाराष्ट्र में इस साल सितंबर तक निकाय चुनावों होने की संभावना है। 2024 के विधानसभा चुनावों में शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के खराब प्रदर्शन के चलते दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की चर्चा तेज है। 2024 के चुनावों में उद्धव की पार्टी को जहां सिर्फ 20 सीटें मिलीं थीं। वहीं, मनसे का खाता तक नहीं खुला था।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की कार में लाश मिली

लुधियाना। पंजाब की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कमल कौर भाभी उर्फ कंचन कुमारी की मौत हो गई। उसकी लाश बठिंडा में एक अस्पताल की पार्किंग में कार से मिली। अभी यह सामने नहीं आया है कि कमल कौर की हत्या किसने की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

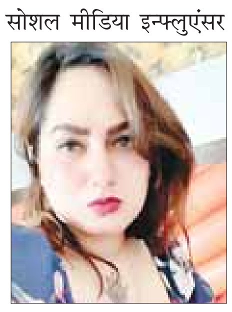

कमल कौर (30) लुधियाना की रहने वाली थीं। वह इंस्टाग्राम पर अक्सर विवादित और अश्लील रील बनाती थी। उसके इंस्टाग्राम पर 3.86 लाख फॉलोअर्स हैं। अश्लील कंटेंट को लेकर 7 महीने पहले आतंकी अर्श डल्ला ने कमल कौर को मारने की धमकी दी थी।

फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने 6 लोगों को कुचला

उज्जैन

उज्जैन के बड़नगर में आग बुझाने जा रही फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने 6 लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। दरअसल, बड़नगर हाईवे पर बरगुंडासेरी रोड पर गुरुवार दोपहर नगर पालिका के फायर स्टेशन को आग लगने की सूचना मिली थी। आग बुझाने जा रही गाड़ी को ड्राइवर तेज गति से चला रहा था।

निजामुद्दीन से गाजियाबाद जा रही ट्रेन डिरेल

नई दिल्ली

दिल्ली में शिवाजी ब्रिज स्टेशन के पास एक ट्रेन गुरुवार को डिरेल हो गई गई। ट्रेन का चौथा डिब्बा पटरी से उतर गया। एक अधिकारी ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट ट्रेन गाजियाबाद से दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी, जब शाम करीब 4.10 बजे यह पटरी से उतर गई।

हादसे में स्टील कारोबारी, पत्नी और बेटी की मौत

झांसी। झांसी में बेकाबू एसयूवी कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में स्टील कारोबारी सिद्धार्थनगर निवासी उबैदुर रहमान, उनकी पत्नी, बेटी और ड्राइवर की मौत हो गई। उनके पिता, दो बेटे और एक बेटी गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा इतना दर्दनाक था कि कार बुरी तरह पिचक गई।

ईडी के सामने पेश हुए एक्टर डिनो मोरिया

मुंबई। मुंबई में एक्टर डिनो मोरिया गुरुवार को मीठी नदी सफाई घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। उन्हें बुधवार को ईडी ऑफिस पहुंचना था, लेकिन निजी कारणों की वजह से जा नहीं पाए थे। पिछले हफ्ते ईडी अफसरों ने डिनो के आवास और अन्य ठिकानों की तलाशी ली थी। मीठी नदी सफाई घोटाला मामले में बीएमसी को लगभग 65 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

'हम भी शादी से डरने लगे हैं'

खजुराहो

छतरपुर के बाबा बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री 17 दिन के विदेश दौरे पर हैं। उन्होंने बुधवार को सिडनी में अपनी कथा के दौरान भारत में हो रही शादियों के बाद मर्डर की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। पं. धीरेंद्र शास्त्री ने इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा कि इस घटना के बाद अविवाहित पुरुषों में डर का माहौल है। हम भी शादी से डरने लगे हैं।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, एक से एक खतरनाक नीले ड्रम वाली देवियां निकल रही हैं। तुमने सुना नहीं भारत की न्यूजों को। अभी हाल ही में एक नई खबर सामने आई सोनम...। देखो तो तुम कहानियां, हमारे जैसे अविवाहित पुरुष डरने लगे हैं। पहले लगता था अरेंज मैरिज सही है, फिर लगता था लव मैरिज सही है। अब दोनों ही बेकार लग रही हैं। जब से यह राजा वाला कांड सुना है, बड़ा बेकार लग रहा है। हमने सुना है लुगाइयों के सामने बुद्धि और शक्ति दोनों नहीं चलती, और यह बात हमको सिडनी के ही प्रभावित पुरुष ने बताई है।

बता दें, धीरेंद्र शास्त्री ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक प्रभावित व्यक्ति का हवाला देते हुए कहा कि महिलाओं के सामने न बुद्धि काम आती है और न ही शक्ति।

नौरादेही अभयारण्य बनेगा चीतों का तीसरा ठिकाना

एनटीसीए ने तय किया क्षेत्र

भोपाल

प्रदेश में चीतों का तीसरा ठिकाना सागर जिले का नौरादेही अभयारण्य बनेगा। कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य के बाद यहां चीतों की बसाहट के लिए वन विभाग की टीम काम में जुट गई है। इसको लेकर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की एक टीम मई में अभयारण्य का विजिट कर चुकी है और इस टीम ने अभयारण्य के दायरे में आने वाले मोहली, झापा और सिंगपुर की तीन श्रेणियों में फैले 30 किलोमीटर के क्षेत्र को चीतों के लिए तैयार करने का फैसला किया है। सागर और दमोह जिलों के पठारी इलाके में स्थित नौरादेही अभयारण्य साल, सागौन, महुआ, बांस और बेल के पेड़ों से भरा एक पर्णपाती जंगल है, यहां घास के मैदान हैं जो शाकाहारी

जानवरों के लिए उत्तम चारागाह है। यहां मृग और जंगली सुअर जैसे अन्य जानवरों सहित पर्याप्त शिकार है। इसके साथ ही वन विभाग पेंच और कान्हा टाइगर रिजर्व से चीतल या चित्तीदार हिरणों के शिफ्टिंग की व्यवस्था में भी जुटा है। नौरादेही वर्ष 2010 में चीतों के लिए प्राथमिकता वाले स्थलों में शामिल था लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया था। अब फिर इसको लेकर कवायद तेज हुई है। चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन शुभरंजन सेन ने इसकी पुष्टि की है।

12 हजार हेल्थ सेंटर्स पर ली गई कमर की माप

मप्र में हर चौथी महिला को फैटी लिवर का खतरा

भोपाल

ग्लोबल फैटी लिवर डे के अवसर पर गुरुवार को पूरे प्रदेश में एक साथ 12,264 हेल्थ सेंटर्स में लोगों की कमर का माप लिया गया। साथ ही, बॉडी मास इंडेक्स चेक किया गया। इसमें डॉक्टर्स, जनप्रतिनिधि, मेडिकल स्टाफ, मरीज और परिजनों की भी इंच टेप से जांच की गई। इसके अलावा, नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज विषय पर रैलियां और पोस्टर प्रतियोगिता जैसे आयोजन हुए। यह आयोजन स्वस्थ यकृत मिशन के तहत किए गए। कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल भी शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि 2 जून 2025 से लेकर आज तक हम लगभग 10 लाख नागरिकों की एनएएफएलडी स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इनमें से 1.27 लाख लोगों का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 23 से अधिक पाया गया। 1 लाख 24 हजार 131 (24 प्रतिशत) महिलाओं की कमर की माप

80 सेंटीमीटर से अधिक और 93 हजार 738 (19 प्रतिशत) पुरुषों की कमर की माप 90 सेंटीमीटर से अधिक पाई गई। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि ये आंकड़े मात्र संख्या नहीं हैं ये एक गंभीर चेतावनी हैं। यह संकेत है कि हम सचेत हो जाएं और भविष्य की चुनौती के प्रति सजग रहें। इंस्टिट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज नई दिल्ली के निदेशक पद्म भूषण डॉ शिव कुमार सरीन भी चर्चा में जुड़े।

साइलेंट किलर का बढ़ रहा खतरा

यह बीमारी, जिसका नाम है नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही लिवर संबंधी बीमारी बन चुकी है। यदि मोटापा (पुरुषों में 90 सेंटीमीटर और महिलाओं में 84 सेंटीमीटर से अधिक का कमर का माप), आलसी दिनचर्या और खराब खानपान में से कोई दो फैक्टर आप से जुड़े हैं तो यह साइलेंट किलर रोग आपको भी हो सकता है। इसके गंभीर होने पर लिवर ट्रांसप्लांट ही एकमात्र विकल्प रह जाता है।

जागरुकता ही सबसे बड़ा उपचार

नेशनल हेल्थ मिशन की एमडी डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि निरोगी काया अभियान हो या स्वस्थ यकृत मिशन, इनका मुख्य उद्देश्य मरीजों की पहचान से ज्यादा जागरुकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे पैरामीटर्स हैं, जिन्हें हर व्यक्ति पहचान कर खुद को और अपनों को जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से सुरक्षित रख सकता है। इस मिशन के तहत कमर का माप, गर्दन के पीछे की त्वचा का निरीक्षण और बीएमआई चेक किया जा रहा है।

सबका साथ सबका विकास के संकल्प के साथ मोदी सरकार के 11 वर्ष भारत के लिए स्वर्णिम हैं : राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल

मोदी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल पर पत्रकार वार्ता

विकास प्रदर्शनी एवं प्रोफेशनल मीट का हुआ आयोजन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। भाजपा कार्यालय अटल निलय शहडोल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष संकल्प से सिद्धी तक के अंतर्गत आयोजित किया जा रहे विभिन्न प्रकार के संगठनात्मक कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रोफेशनल मीट का आयोजन भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रोफेशनल मीटर में मुख्य वक्ता के रूप में मध्यप्रदेश शासन के राज्य मंत्री, दिलीप जायसवाल सहित जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी, जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह ने मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया।

प्रोफेशनल मीट को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि विकसित भारत के लिए मोदी सरकार समर्पित है। आज भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है। विगत 11 वर्षों में मोदी सरकार ने सेवा को संकल्प बनाया, सुशासन को संस्कृति और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। नया भारत नए विश्वास के साथ विश्व पटल पर खड़ा हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकसित भारत के अमृत काल में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है। मोदी सरकार की हर योजना के केंद्र में जनकल्याण और आम नागरिकों के जीवन को आसान करने के साथ-साथ देश को वैश्विक स्तर पर नए आयाम देने की भी दृढ़ इच्छा शक्ति कार्य कर रही है। दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। इसमें युवा, महिला, किसान और सभी की बराबर की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए जनकल्याण के हजारों हजार कार्य कर रहे हैं।

मोदी सरकार के ऐतिहासिक 11 वर्ष भारत को विश्व गुरु बनाने की ओर कदम जयसिंह मरावी, विधायक जैतपुर क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष देश के इतिहास के स्वर्णिम पल हैं। कांग्रेस के शासनकाल में देश 15वी अर्थव्यवस्था के पायदान पर टंगा हुआ था किंतु हमारी सरकार के 11 वर्षों के प्रयास से आज भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनकर खड़ा हुआ है। भारत का मान सम्मान और स्वाभिमान विश्व की महाशक्तियां कर रही हैं।

हमारे छात्रों के लिए युद्ध विराम होता है। रूस और यूक्रेन का युद्ध इसका उदाहरण है। पाकिस्तान के नागरिक भी तिरंगा हाथ में लेकर स्वदेश लौटे थे। जन कल्याणकारी योजनाओं एवं समाज के प्रत्येक वर्ग का विकास जीवन स्तर में बदलाव, यही मोदी सरकार की विशेषताएं हैं।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा, राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल, विधायक जयसिंह मरावी, जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह, पूर्व विधायक प्रमिला सिंह, जिला उपाध्यक्ष भूपेन्द्र मिश्रा, जिला महामंत्री संतोष लोहानी, प्रबुद्ध जन प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राजेश्वर उदानिया, प्रदेश सह संयोजक एनजीओ प्रकोष्ठ अमित मिश्रा, जिला मंत्री प्रकाश नारायण शुक्ला, वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश पाण्डेय मंचासीन रहे।

जेसीबी से कराया जा रहा खेत तालाब का निर्माण, एसडीएम से हुई शिकायत

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)।

जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम पंचायत खरपा अंतर्गत देवराँव मे हितग्राही नंटोरिया पिता रामप्रताप गोंड के यंहा खेत तलाब का निर्माण सरपंच एवं सचिव द्वारा कराया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा आरोप लगाया है कि खेत तलाब का निर्माण मजदूरों की जगह जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर से कराया जा रहा है। इससे न केवल मनरेगा जैसे रोजगार गारंटी योजना की भावनाओं को ठेस पंहुची है बल्कि स्थानीय मजदूरों की आजीविका पर भी संकट खड़ा हो गया है। जिसकी शिकायत रविंद्र कुशवाहा निवासी देवराँव ग्राम पंचायत खरपा द्वारा अनुविभागीय अधिकारी ब्यौहारी से 12 जून को शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है।

मजदूरों को काम नहीं पलायन करने मजबूर

स्थानीय मजदूरों नें बताया गया कि उन्हें निर्माण कार्य मे सामिल नहीं किया गया है जबकी पंचायत स्तर पर यह कार्य ग्रामीण श्रमिको के लिये रोजगार का जरिया हो सकता था। हम रोज काम की तलास मे निकलते है लेकिन मशीनों नें हमारे हाथ का गैती फावड़ा ही छीन लिया है। सरपंच सचिव द्वारा रातो रात जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर लगाकर खेत तलाब का निर्माण करा रहे है और अपने खास लोगों का नाम फर्जी मस्टर रोल मे डाल कर राशि का आहरण किया जा रहा है।

निर्माण स्थल से सूचना बोर्ड गायब

जंहा पर खेत तलाब का निर्माण कराया जा रहा है वंहा स्थल मे किसी प्रकार का सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है जिससे लोगो को योजना की लागत और अन्य विभागी जानकारी नहीं मिल पाती है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार चरम पर है और निर्माण कार्यो मे मानको की अनदेखी आम बात हो गयी है। ग्रामीणों नें जनपद पंचायत, एसडीएम, कलेक्टर और प्रशासन से तुरंत जांच की मांग की है।

क्या कहते है जानकर

जानकारों की माने तो अगर यह कार्य मनरेगा के अंतर्गत हो रहा है तो मशीनरी पूरी तरह नियमों के खिलाफ है। यह मजदूरों के हक को छीनना है। प्रशासन को इसकी जांच करनी चाहिए। ग्रामीण विकास की योजनाएं तभी सफल होंगी जब उनका क्रियान्वयन ईमानदारी और पारदर्शिता से किया जाय।

इनका कहना है

लूजनिंग का प्रावधान है बांकी लेवर भी रहते है। हार्डवर्क मे लेवर काम नहीं कर पाते है इसलिए लूजनिंग का प्रावधान किया गया है।

विजय सिंह
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
ब्यौहारी

नवजात शिशु एवं गर्भवती माताओं की मृत्यु दर कम करने प्रभावी रणनीति पर अमल करें : आयुक्त

शहडोल (स्वतंत्रमत)। आयुक्त संभाग सुरभि गुप्ता ने नवजात शिशु एवं गर्भवती माताओं की मृत्यु दर कम करने हेतु प्रभावी रणनीति बनाकर अमल करने के निर्देश संभाग के तीनों जिलों के कलेक्टरों, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को दिए। आपने निर्देश दिए कि गर्भवती माताओं का पंजीयन अनिवार्य रूप से होना सुनिश्चित किया जाए। इन माताओं की नियमित चार बार जांच हो। दो जांचे चिकित्सों के माध्यम से कराई जाएं। संस्थागत प्रसव को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। प्रत्येक मौत की रिपोर्ट आनी चाहिए साथ ही मौत के कारणों का विश्लेषण भी किया जाना चाहिए। हाई रिस्क माताओं को प्रसव के पूर्व उपयुक्त अस्पतालों में रेफर किया जाए। गर्भवर्ती माताओं में आयरन की कमी को दूर करने के लिए आयरन की गोलियां शुरू से ही सेवन करने को प्रोत्साहित किया जाए। संभाग के सभी कलेक्टर नियमित रूप से बैठक लेकर समीक्षा करें तथा कारणों का विश्लेषण कर कमियों को दूर कराएं।बैठक में कलेक्टर शहडोल डॉ. केदार सिंह, कलेक्टर उमरिया धरणेंद्र जैन, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमरिया अभय सिंह, अनूपपुर तन्मय वशिष्ट, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने नवजात शिशुओं एवं गर्भवती माताओं के मृत्यु के कारणों की जानकारी दी। उन्होंने सुझाव दिया कि गर्भवती माताओं का जल्दी पंजीयन, हीमोग्लोबिन की जांच तथा आवश्यकता पड़ने पर खून की उपलब्धता आवश्यक है।

एक दिवसीय संभागीय लाठी प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले के सोहागपुर स्थित ज्ञानोदय स्कूल में एकदिवसीय संभागीय लाठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए संभागीय लाठी संघ के सचिव प्रमोद विश्वकर्मा ने बताया की एक दिवसीय संभागीय लाठी प्रतियोगिता सोहागपुर के ज्ञानोदय विद्यालय मे सम्पन्न कराई गई जिसमें शहडोल, उमरिया, अनूपपुर के 92 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें अपने अपने आयु वर्ग मे पदक विजेताओं का चयन उज्जैन में आयोजित होने वाली आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया जो की अगले जुलाई माह मे उज्जैन में आयोजित होनी है।ज्ञानोदय स्कूल में ही नाट्य एवं जुम्बा क्लास मे भी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिए गये कार्यक्रम में निशुल्क प्रशिक्षण देने वाले लकी चतुर्वेदी, अभय पासवान, जागृति जी को भी अतिथियों द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक एवं संभागीय अध्यक्ष संजीव निगम ष्पथिकष, संभाग तकनीकी निर्देशक किशोर साकेत द्वारा पूरी प्रतियोगिता की रूप रेखा बनाकर सम्पन्न कराई गईं।

वही कार्यक्रम मे विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि संजीव निगम ष्पथिकष, शाद अहमद, संतोष मिश्रा, देवेंद्र मिश्रा, सुचिता शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गुरुदीप सिंह, संजय कंघीकार, शिवानी नामदेव, आंचल वर्मा आदि की भी सहभागिता रही, वही निर्णायक समिति मे मुख्य रूप से सुचिता दुर्वेदी, मीनाक्षी दुर्वेदी, पूनम प्रजापति, रुक्मिणी प्रजापति, खुशबु चौधरी, प्रियंका प्रजापति, कशिका मंसूरी, कल्पना पाण्डेय रही। अंत में संभागीय लाठी संघ के सचिव एवं प्रमुख आयोजक प्रमोद विश्वकर्मा द्वारा पधारे हुए सभी अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया।

कम्युनिटी यूथ लीडर रिंकी ने किया 10 दिवसीय समर कैंप का सफल समापन

जयसिंहनगर (स्वतंत्रमत)।

जनजातीय कार्य विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से विकासखंड जयसिंहनगर के ग्राम देवरी में सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत कम्युनिटी यूथ लीडर रिंकी ने 10 दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कम्युनिटी यूथ लीडर की प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद रिंकी तिवारी ने अपने गांव देवरी में समर कैंप आयोजित किया। समर कैंप के दौरान बच्चों ने कई रचनात्मक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया कृ जैसे बीज रोपण, पत्तों से आकृतियाँ बनाना, कागज से वस्तुएँ बनाना, मिट्टी से मूर्ति निर्माण, रंगोली और चित्रकला आदि। साथ ही उनको बाल संरक्षण कानून की महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई।

सीवर लाइन कार्य 15 जून तक हर हाल में पूर्ण करें

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) कलेक्ट्रेट सभागार डिंडौरी में आज कलेक्टर नेहा मारव्या की अध्यक्षता में नगर परिषद एवं एमपीयूडीसी (मध्यप्रदेश शहरी विकास कंपनी लिमिटेड) की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में नगर के विभिन्न वार्डों में चल रहे सीवर लाइन कार्यों, नालियों की मरम्मत एवं सड़कों के सुधार कार्यों की गहन समीक्षा की गई।कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शहर की सड़कों, गलियों और मोहल्लों में खुदाई के बाद अधूरे पड़े सीवर लाइन कार्य, टूटी हुई नालियों और सड़कों की मरम्मत कार्यों को हर हाल में 15 जून 2025 तक पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए कार्यों में तेजी लाना अनिवार्य है, ताकि आमजन को कीचड़, ओवरफ्लो और गड्ढों की समस्याओं से जूझना न पड़े।उन्होंने एमपीयूडीसी के डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर जबलपुर अभय कुमार जैन को निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में अभी तक कार्य अधूरे हैं, वहां विशेष निगरानी रखी जाए। सरस्वती शिशु मंदिर से मुख्य मार्ग, नर्मदागंज मोहल्ला, बंधान टोला पुरानी डिंडौरी, झुरकी टोला, वार्ड क्रमांक 1 सुब्खार इमली कुटी जैसे स्थानों में सीवर लाइन से उत्पन्न हो रही समस्याएं, जैसे ओवरफ्लो टैंक, खुदाई के बाद गड्ढे, टूटी सड़कें और नालियों की मरम्मत तत्काल पूर्ण की जाए।

मोदी सरकार के 11 वर्षों को बताया स्वर्णिम युग: प्रोफेशनल मीट संपन्न

अहमदाबाद प्लेन ैश हादसे के चलते प्रेस वार्ता हुई निरस्त, मृतकों को दी श्रद्धांजलि

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर च्संकल्प से सिद्धिज्ञ तक के तहत आयोजित संगठनात्मक कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय डिण्डोरी में प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री व सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते रहे, जबकि अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने की। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि विकसित भारत के लिए मोदी सरकार समर्पित है। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को प्राथमिकता दी गई है, और भारत अब वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ खड़ा हो गया है। उन्होंने आतंकवाद पर की गई सर्जिकल

स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर और रक्षा निर्यात में आए उछाल जैसे कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों का जिक्र किया। सांसद ने जोर देते हुए कहा, च्मोदी है तो मुमकिन है।जिला संगठन प्रभारी गिरीश द्विवेदी ने कहा कि मोदी जी की नेतृत्व क्षमता ने भारत का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने महिलाओं को 33त्न आरक्षण, लखपति दीदी योजना, और महिला सशक्तिकरण के कदमों को ऐतिहासिक बताया। वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक अवधिया ने कहा कि भारत तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

अजजा मोर्चा प्रदेश महामंत्री पंकज सिंह तेकाम ने कहा कि मोदी सरकार की नई शिक्षा नीति से युवाओं का कौशल निखरा है। देश में 23 नए एम्स, 8 आईआईएम, 7 आईआईटी और 490 नई यूनिवर्सिटियां खुली हैं। पीएम कौशल विकास योजना के माध्यम से 2 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण मिला है।

नगर परिषद की अनदेखी से हो रही लाखों की राजस्व हानि

जिला मुख्यालय में अवैध होर्डिंग और विज्ञापन बोर्ड का फैला जाल, कार्रवाई की मांग तेज

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

नगर परिषद क्षेत्र में अवैध रूप से लगे होर्डिंग और विज्ञापन बोर्ड नगर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। नगर में पिछले कई वर्षों से बड़े पैमाने पर अवैध होर्डिंग्स लगे हुए हैं, जिनका न तो नियमितीकरण किया गया है और न ही उनसे कोई राजस्व वसूली की जा रही है। इससे परिषद को अब तक लाखों रुपये की सीधी हानि हो चुकी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर परिषद सीमा के भीतर यदि कोई संस्था, एजेंसी या व्यवसायी विज्ञापन के लिए होर्डिंग्स या बोर्ड लगाता है, तो उसे इसके लिए परिषद को निर्धारित शुल्क अदा करना होता है।

इसी उद्देश्य से कुछ वर्ष पूर्व नगर परिषद द्वारा निविदा प्रक्रिया के तहत एजेंसी चयनित की गई थी, जिसे नगर में विज्ञापन का अधिकार सौंपा गया था। परंतु उसके बाद से अब तक कोई नई टेंडर प्रक्रिया नहीं की गई है।

वर्षों से बिना शुल्क के चल रहा है विज्ञापन कारोबार-बताया जाता है कि पूर्व में चयनित एजेंसी द्वारा लगाए गए होर्डिंग्स अब वर्षों से लगातार उपयोग में लाए जा रहे हैं, परंतु उनसे न तो कोई शुल्क वसूला जा रहा है और न ही परिषद ने उनकी वैधता की पुष्टि की है। इसके अलावा नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, शासकीय भवनों, निजी परिसरों और मार्गों के किनारे भी विज्ञापन बोर्ड अवैध रूप से लगे हुए हैं, जिन पर कोई नियंत्रण नहीं है।

विशेष रूप से नगर के व्यस्ततम चौराहों, मुख्य मार्गों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन के आसपास, और शासकीय भवनों की दीवारों पर बड़े-बड़े विज्ञापन बोर्ड वर्षों से लगे हुए हैं, परंतु उनसे नगर परिषद को एक पैसा भी राजस्व के रूप में प्राप्त नहीं हो रहा है। यह स्थिति केवल राजस्व हानि का ही नहीं, बल्कि नगर की सौंदर्यता और नागरिक व्यवस्था का भी उल्लंघन है।

राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता?- स्थानीय सूत्रों का दावा है कि नगर में इस अवैध कारोबार को कुछ रसूखदारों और राजनीतिक रूप से संरक्षित एजेंसियों का संरक्षण प्राप्त है। यही कारण है कि नगर परिषद द्वारा इन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। न तो वसूली की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है और न ही नई निविदा जारी कर पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है।

नागरिकों में आक्रोश, पारदर्शी जांच और कार्रवाई की मांग-नगरवासियों में इस मामले को लेकर नाराजगी व्याप्त है। जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि नगर परिषद तत्काल अवैध होर्डिंग्स और बोर्ड की जांच कर कार्रवाई करे, साथ ही पारदर्शी टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ कर नगर को मिलने वाला राजस्व सुनिश्चित करे। यह राजस्व नगर की विकास योजनाओं, साफ-सफाई, जल व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत जैसी बुनियादी सुविधाओं पर व्यय हो सकता है।

प्रश्न अब यही है-

क्या नगर परिषद इन अवैध विज्ञापन एजेंसियों से बकाया वसूली करेगी?

क्या दोषियों पर होगी दंडात्मक कार्यवाही?

या फिर यह सारा मामला राजनीतिक दबाव में दबा रह जाएगा?

जब तक नगर परिषद इन सवालों का जवाब नहीं देती और जिम्मेदारी तय नहीं होती, तब तक नगर में अवैध विज्ञापन का यह कारोबार प्रशासनिक मिलीभगत का उदाहरण बना रहेगा। जनता अब कार्रवाई चाहती है, जवाब नहीं।

पुलिस रहती है गायब, रात में इतराते हैं बदमाश

युवक को घेरकर चाकुओं से गोदा

हत्या से लोगों में भड़का आक्रोश, चंडालभाटा शराब दुकान का विरोध

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

गोहलपुर क्षेत्र की चंडालभाटा शराब दुकान के पास बीती रात आधा दर्जन बदमाशों ने एक युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। वारदात के पीछे का कारण मृतक द्वारा आरोपियों से टायलेट करने से मना करना बताया जा रहा है। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को धर दबोचा है। वहीं वारदात से आक्रोशित क्षेत्रीयजनों ने शव रखकर प्रदर्शन करते हुए शराब दुकान को लेकर अपना विरोध जताया। पुलिस अधिकारियों की समझाईश के बाद मामला शांत कराया।

लघुशंका को लेकर उपजा विवाद

पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार चंडालभाटा स्मार्ट सिटी बिल्डिंग के पीछे रहने वाला 24 वर्षीय सागर चौधरी कृषि उपज मंडी में पल्लेदारी करता है। बीती रात करीब साढ़े दस बजे सागर चौधरी अपने दोस्त विशाल व नितिन चौधरी के साथ स्मार्ट सिटी ऑफिस रोड के किनारे बैठा था। वहीं पर मोहल्ले के भीमा उर्फ भीम सेन, प्रिंस रजक, सुमित उर्फ सुम्मी बसोर व उनके दो अन्य साथी पहुंचे और शराब लेकर वहीं समीप पर बैठकर शराब पीने लगे। उसके बाद आरोपियों में से एक लड़का सड़क किनारे वहीं बाथरूम करने लगा, जिसे सागर ने आगे जाकर बाथरूम करने बोला, जिसको लेकर विवाद हो गया और आरोपियों ने सागर से मारपीट शुरु कर दी।

घेरकर किये चाकुओं से दनादन वार

आरोपी सुम्मी ने चाकू से सागर पर दनादन वार करना शुरु कर दिया और उसके साथियों ने भी सागर के साथ मारपीट शुरु कर दी। सागर के साथी विशाल और नितिन ने बीच बचाव किया जिनकी चीख पुकार सागर का भाई भी पहुंच गया और मोहल्ले के अन्य लोग भी पहुंच गये, जिसके बाद आरोपी मौके से भाग निकले। जिसके बाद लहूलुहान हालत में सागर को समीप के निजी अस्पताल ले जाया गया। उक्त वारदात में सागर के साथी विशाल को भी चोटे आई। सागर को निजी अस्पताल से मेडिकल रेफर किया गया। जहां सागर चौधरी की उपचार दौरान मौत हो गई। मृतक सागर के भाई की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी भीमा उर्फ भीम सेन, प्रिंस रजक, सुमित उर्फ सुम्मी बसोर, राधे व सचिन के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उन्हें भागने से पहले ही धर दबोचा।

शव का पीएम के बाद परिजनों ने किया हंगामा

गुरुवार दोपहर परिजन पोस्टमॉर्टम के बाद सागर चौधरी का शव लेकर उस स्थान पर पहुंचेए जहां देर रात उसकी हत्या की गई थी। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं भी मौजूद रहीं। महिलाओं ने कहा कि आज सागर की हत्या हुई है, कल किसी और की होगी और इस सब की वजह है, यह शराब दुकान। ऐसे में चंडाल भाटा की शराब दुकान के सामने धरने पर बैठी महिलाओं ने हत्या की वजह शराब दुकान को बताया है। स्थानीय महिलाओं का कहना है कि देर रात तक शराब दुकान खुली रहती है। दुकान के सामने सड़क किनारे खड़े होकर शराबी शराब पीते हैए और फिर गाली-गलौच करते हुए एक दूसरे के साथ मारपीट करते है। जब तक क्षेत्र में यह शराब दुकान रहेगी, तब तक इसी तरह से विवाद और हत्या होती रहेगी। महिलाओं ने परिजनों के साथ मिलकर पहले तो शराब दुकान को बंद किया और उसके बाद फिर अनिश्चितकालीन धरने पर परिवार के साथ बैठ गई हैं। महिलाओं की मांग है की सबसे पहले तो शराब दुकान को बंद किया जाएए क्योंकि हत्या की वजह यही शराब दुकान है। स्थानीय लोगों ने सागर चौधरी के परिजनों को सरकार से मुआवजा देने की भी मांग की है। लोगों का कहना है कि जब तक पीड़ित परिवार की सरकार मदद नहीं करती है तब तक महिलाओं का धरना जारी रहेगा।

दमोह नाका चौक से वाहनों की आवाजाही बंद

रूट डायवर्ट, शुरु हो गया सड़क-नाली कार्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सड़क, नाली और अन्य निर्माण कार्यों के चलते दमोह नाका चौक को गुरुवार की रात 12 बजे के बाद वाहनों के आवागमन के लिये बंद कर दिया गयाहै। वाहनों के आवागमन को रोकने यहां हार्ड बेरिकेटिंग की जा रही है। इस मार्ग पर आने जाने वाले वाहनों को अब डायवर्टेड रूट से गुजरना होगा।

ट्रेफिक प्रेशर के कारण हो रही दिक्क त

लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री शिवेंद्र सिंह ने बताया कि दमोह नाका चौक पर सड़क, नाली और अन्य निर्माण कार्य प्रगति पर है। अभी तक स्थानीय व्यवस्था के तहत कुछ हिस्से में सड़क और नाली निर्माण का कार्य कर लिया गया है लेकिन ट्रैफिक के अत्यधिक दबाब होने की वजह से मशीनरी का मूवमेंट और आगे का निर्माण कार्य अब संभव नहीं हो सकेगा। दमोह नाका चौक पर वाहनों के आवागमन को बंद करने और यातायात को डायवर्ट करने गुरुवार को प्रशासन, यातायात पुलिस एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि के साथ स्थल का निरीक्षण भी किया गया।

उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान लिये गये निर्णय के मुताबिक आधारताल से दमोह नाका की तरफ आने वाले ट्रैफिक मेट्रो बस, हेवी व्हीकल, कार, ऑटो रिक्शा और ई.रिक्शा आदि को गोहलपुर थाने से अमखेरा रोड से खजरी बायपास की ओर डायवर्ट किया जायेगा। इस ओर आने वाले दो पहिया वाहन शांति नगर चौक से दाहिने और डायवर्ट होते हुए पाटन मार्ग का इस्तेमाल कर सकेंगे।

वाहनों का किया रूट डायवर्ट

इसी प्रकार रानीताल चौक से दमोह नाका की ओर आने वाले ट्रैफिक मेट्रो बस, हैवी व्हीकल, कार, ऑटो रिक्शा एवं ई-रिक्शा आदि को बल्देवबाग चौक से एमआर-4 रोड की तरफ बाएं ओर मार्ग डायवर्ट किया जायेगा। इस मार्ग पर आने वाले दो पहिया वाहनों के लिये गोपाल आर्केड पिलर नम्बर 33 से बाईं ओर रूट डायवर्ट किया गया है। जबकि पाटन एवं आईएसबीटी चौक से दमोह नाका की तरफ आने वाले वाहन मेट्रो बस, हेवी व्हीकल, कार, ऑटो रिक्शा, ई.रिक्शा आदि को आईएसबीटी से खजरी बायपास होते हुये अमखेरा रोड की ओर डायवर्सन रूट दिया गया है। इस मार्ग पर आने वाले दो पहिया वाहन मेट्रो हॉस्पिटल की बायीं ओर के डायवर्टेड रूट का इस्तेमाल कर सकेंगे।

पार्षद के घर में घुसकर वाहनों को फूंका

स्कूटी और कार आई चपेट में, प्रकरण दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहीद गुलाब सिंह वार्ड की पार्षद और नगर निगम की पूर्व एमआईसी सदस्य हेमलता दिनेश सिंह सिंगरौल के घर में घुसकर बुधवार-गुरुवार की दरमियान रात अज्ञात लोगों ने उनके वाहनों को आग लगा दी। इस घटना में स्कूटी और कार चपेट में आ गई। स्कूटी पूरी तरह से खाक हो गई। गुरुवार की सुबह पूर्व पार्षद दिनेश सिंह सिंगरौल ने गढ़ा थाने पहुंचकर केस दर्ज कराया है। उन्होंने आशंका जताई है कि किसी ने उनकी संपत्ति को क्षति पहुंचने के उद्देश्य से इस वारदात को अंजाम दिया है। पूर्वक पार्षद ने कहा कि अगर कार में आग लग जाती और धमाका हो जाता है तो बड़ी जन और धन की हानि हो सकती थी। सिंगरौल ने पुलिस से आरोपियों को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि बुधवार की रात करीब 2:30 बजे इस वारदात को अंजाम दिया गया है। घर के कुत्ते ने भोंका तो बाहर आकर देखा की वाहन में आग लगी हुई है। तब उनके किराएदार सहित आसपास के लोग आए और जैसे तैसे आगे को काबू किया। पूर्व पार्षद ने कहा कि घटना से पूरा परिवार दहशत में है।

नशेड़ी युवक ने संत रविदास की मूर्ति तोड़ी

जबलपुर। मझगवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत अगरिया ग्राम में बीती रात शराब के नशे में चूर होकर एक युवक ने चबूतरे पर रखी शंकर जी की पिंडी को उठाया और चबूतरे पर ही बनी संत रविदास की मूर्ति पर पटक कर उसे तोड़ दिया। इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम का ही रहने वाला 19 वर्षीय संतोष कुम्हार रात को शराब पीकर ग्राम नहीं बरा के पेड़ के नीचे बने चबूतरे पर पहुंचा। जहां पर पूर्व से संत रविदास एवं शंकर जी की पिंडी स्थापित थी । संतोष ने शंकर जी की पिंडी उठाई और संत रविदास की मूर्ति पर पटक दी जिस मूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई। इस पूरे घटनाक्रम से अवगत कराते हुए मूर्ति तोड़ने वाले आरोपी का नाम बताया इसके बाद पुलिस ने उसके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तार कर लिया।

जनेकृविवि में कैम्पस ड्राइव का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय, डॉ धीरेन्द्र खरे एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में बीज उत्पादन में प्रतिष्ठित कंपनी महिको एवं फर्टीलाईजर कंपनी पारिजात इंस्ट्रीज लिमि. द्वारा वि.वि. के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एम. बी. ए.(ए.बी.एम.) छात्र-छात्राओं के लिए कैम्पस साक्षात्कार का आयोजन किया गया। कैम्पस प्रक्रिया में कृषि महाविद्यालय, जबलपुर, रीवा, टीकमगढ़ गंजबसौदा आदि विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

इस पूरी प्रक्रिया के उपरांत महिको कंपनी में 03 छात्र क्रमशः अनुराग घारडे, मोहन अंजना एवं शिवम पाठक एवं फर्टीलाईजर कंपनी पारिजात इंस्ट्रीज लिमि. में 08 विद्यार्थियों क्रमशः अमृता गंगराडे, सोहित शर्मा, शिवम कुर्मी, थानेन्द्र शर्मा, युवराज सिंह चौहान, साईचरण पाटीदार, अंकित पटेल एवं मनीष राजौरिया का चयन किया गया। सभी सफल विद्यार्थियों को विवि परिवार की ओर से बधाईयां प्रेषित की गई हैं।

हाईड्रा की चपेट में आने से श्रमिक घायल

जबलपुर। दमोहनाका के समीप पाटन रोड पर निर्मित हो रहे फ्लाईओवर में काम करने वाला एक मजदूर आज सुबह एक हादसे का शिकार हो गया उसके पैर में गंभीर चोट आने के कारण उसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुल के चल रही प्लास्टर के काम में लगे मिस्त्री को ऊपर मसाला पहुंचाने के काम में लगा था। ऊपर मसाला पहुंचाने के लिए हाइड्रा वाहन के चालक आकाश ने उसे हाइड्रा के बूम पर बैठाया और ऊपर पहुंचा रहा था तभी अचानक लापरवाही के कारण वह चपेट में आ गया जिससे उसके पैर में गंभीर चोटें आई घटना के बाद मौके पर हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई और आनन फानन में कंपनी के लोगों ने उसे गंभीर व्यवस्था में समीप स्थित मेट्रो अस्पताल पहुंचाया जहां उसका इलाज चल रहा है।

साधारण सभा की बैठक में 18 प्रस्ताव पारित

महापौर ने पार्षद साथियों का जताया आभार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। साधारण सभा की बैठक में आज महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने सभी पार्षद साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि जबलपुर में विकास की गति कभी नहीं रूकेगी बल्की और तेज होगी। उन्होंने कहा कि संस्कारधानी के नागरिकों की सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करने के लिए हम सर्वस्व न्यौछावर करने तैयार हैं। सफाई व्यवस्था को लेकर महापौर ने बताया कि ननि की सफाई व्यवस्था पहले से काफी मजबूत हुई है, उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिदिन 350 गाड़ियाँ शहर से 450 टन से अधिक कचरा एकत्रित कर गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन तक पहुँचाती है जिससे सफाई व्यवस्था में काफी सुधार आया है।

बैठक में कुल 18 प्रस्ताव स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किये गए थे, जिसमें सभी प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से निर्णय लेकर मंजूरी दी गई है। इसके लिए महापौर श्री अन्नू ने परिषद के सभी सम्माननीय पार्षद साथियों का आभार जताया है।

ग्लोबल फैटी लिवर डे पर लगाया शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में विश्व उच्च रक्तचाप दिवस एवं स्वस्थ यकृत मिशन एनएएफएलडी से बचाव जांच एवं उपचार हेतु कार्यालय आयुक्त जबलपुर के सभाकक्ष में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों की निःशुल्क बीपी, डायबिटीज़ एवं नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिसीज हेतु स्क्रीनिंग की गई। 69 अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पंजीयन कर स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 22 हाइपरटेंशन, 18 डायबिटीज एवं 12 एनएएफएलडी के लोगों की पहचान हुई।

नियमानुसार आयोजित हों परीक्षा : डीईओ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। इस वर्ष से माशिमं भोपाल द्वारा दसवीं एवं बारहवी की वर्ष मे दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने बताया कि पहली परीक्षा मे फेल बच्चों की द्वितीय अवसर की बोर्ड परीक्षा 17 जून से आयोजित है। जिला जबलपुर में द्वितीय परीक्षा मे कक्षा दसवीं में 8725 परीक्षार्थी, कक्षा बारहवी में 7167 परीक्षार्थी ने परीक्षा फॉर्म भरा है। इस प्रकार जिले से 15892 परीक्षार्थियों के द्वारा परीक्षा फॉर्म भरा गया है, जबलपुर जिले मे परीक्षा हेतु कुल 48 परीक्षा केंद्र बनाये गये है। इस परीक्षा मे सभी केंद्रों मे केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं कलेक्टर प्रतिनिधि कि नियुक्ति कर दी गयी है। बोर्ड परीक्षा में एप के माध्यम से थाने से लेकर परीक्षा केंद्र तक सतत निगरानी होंगी।

मॉडल स्कूल में बोर्ड परीक्षा में नियुक्त केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष की बैठक आयोजित हुई, श्री सोनी के द्वारा उपस्थित सभी को निर्देशित किया गया कि शासन के नियमानुसार ही परीक्षा आयोजित कि जाये।

इस दौरान सहायक संचालक आर के बधान, बीईओ सोनम कटारे, बीईओ सरिता तंतुवाय, केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

नवागत जिला समन्वयक की समीक्षा बैठक संपन्न

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

मप्र जन अभियान परिषद जिला जबलपुर के नवागत जिला समन्वयक घनश्यामेश्वर दयाल रायपुरिया का आगमन विकास खण्ड समन्वयक तृप्ति मिश्रा की उपस्थिति में हुआ। उन्होंने बैचलर ऑफ सोशल वर्क और मास्टर ऑफ सोशल वर्क की वार्षिक परीक्षा का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले मेंटर्स व विकास खण्ड की सभी पांच नवांकुर संस्था प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक के मुख्य बिंदु आदर्श ग्राम में समितियों की भूमिका नवांकुर उपवन की स्थापना,पौध नर्सरी, जनसूचना केंद्र स्थापित करना, वाचनालय स्थापित करने,संस्कार केंद्र, पौधारोपण, जलसंरक्षण, स्वच्छता आदि पर वृहद चर्चा की बैठक में नवांकुर संस्था धनगवां अध्यक्ष डॉ.विमल किशोर यादव,खलरी सुलभ मिश्रा, मनगवां अभिषेक पटेल, पिपरिया सचिन तिवारी, गुरुजी नीरज दुबे, मेंटर सतीष पाठक, मुकेश साहू, मनीष अवस्थी, अंकिता दुबे मौजूद रहे।

उपाध्यक्ष बने कृष्ण कुमार

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रीय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष गिरधारी कुमायूं ने जनपद पंचायत सिहोरा के सेवानिवृत्त लेखपाल एवं पटेल समाज सिहोरा मझौली के समाजसेवी के के पटेल को अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रीय महासभा का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है । उनकी नियुक्ति अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रीय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश कटियार की सहमति महासभा महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रश्मि सिंह की अनुशंसा पर की गई है । इस अवसर पर एड रमेश पटेल, रामगोपाल पटेल छोटे पटेल, नारायण सिंह आदि शामिल रहे।

फार्म के वॉटर टैंक में मिली किशोरी की लाश

एक दिन से गायब थी, हत्या का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भेड़ाघाट थाना अंतर्गत तेवर के समीप त्रिपुर सुंदरी मार्ग पर स्थित एक फार्म हाउस की पानी की टंकी में एक नाबालिगा की लाश मिलने की खबर से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। उक्त लड़की 11 तारीख की रात से गायब थी और उसके लापता होने की शिकायत बुधवार को भेड़ाघाट पुलिस में दर्ज भी कराई गई थी। लाश मिलने की सूचना पर सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्यवाही करने के उपरांत शव को टंकी से बाहर निकलवाकर पंचनामा आदि की कार्यवाही करने के उपरांत पीएम के लिए रवाना कर दिया है। नाबालिग की मौत किन परिस्थितियों में हुई यह तो अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है। मौत का कारण पीएम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

क्षेत्र में घटना से मची सनसनी

परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। जानकारी के मुताबिक त्रिपुर सुंदरी मार्ग पर किन्ही बांसोड़ का फार्म हाउस है जहां पर रामदास केवट और उसका परिवार रहकर काम करता है। 11 तारीख को रामदास ने भेड़ाघाट थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना दी की उसकी बड़ी बेटी जिसकी उम्र 17 साल बताई गई है रात 2.00 बजे से 6 बजे के बीच कहीं चली गई है। रामदास की रिपोर्ट पर पुलिस ने 363 का मामला दर्ज कर पतासाजी शुरू कर दी थी। इसी बीच गुरुवार की सुबह लड़की का शव फार्म हाउस में स्थित पानी की टंकी में उतराता मिला जिससे परिवार और आसपास के लोगों में हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई। तत्काल ही इसकी सूचना भेड़ाघाट पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही भेड़ाघाट पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच पड़ताल के उपरांत आवश्यक कार्यवाही की।

युवक को पीटा, महिला को दांत से काटा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। घमापुर थानातंर्गत सिद्धबाबा क्षेत्र में अपने दोस्त के घर गये रविकांत भगत के साथ मोहल्ले शर्मा परिवार ने मारपीट कर दी। इतना ही नहीं जब रविकांत को बचाने उसके दोस्त की मॉ पहुंची तो आरोपियों ने उन्हें दांत से काट लिया। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस ने बताया कि लालमाटी कछियाना निवासी 37 वर्षीय रविकांत भगत बीती शाम लगभग 6 बजे अपने मित्र अमन सेन निवासी सिद्धबाबा के घर जाकर मोटर सायकल अमन के घर के बाहर खड़ी की। उसी समय आयुष शर्मा एवं पियूष शर्मा आकर उससे शराब पीने के लिये एक हजार रूपये मांगने लगे। रविकांत ने रुपये देने से मना किया तो कमलेश शर्मा व संगीता शर्मा पहुंच गई। जिसके चारों ने रविकांत के साथ मारपीट शुरु कर दी। रविकांत के दोस्त अमन सेन की मॉ बचाव करने पहुंची तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की।

मोदी सरकार के 11 साल बेमिसाल के तहत प्रेस कांफ्रेंस सम्पन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

गुरुवार 12 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत उमरिया जिले के भाजपा कार्यालय कुशाभाव ठाकरे सदन भरौली में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) रामलाल रौतेल सहित भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, विधायक शिवनारायण सिंह सहित काफी संख्या में प्रिंट, इलेक्ट्रानिक, यूट्यूब और वेब पोर्टल के पत्रकार मौजूद रहे। मोदी सरकार की 11 साल बेमिसाल के तहत आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के विकसित भारत का अमृत काल, सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 साल बेमिसाल रहे हैं उन्होंने मोदी सरकार के कार्यकाल में हुए जनहित ऐसी और जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आज का भारत सशक्त, समृद्ध और शक्तिशाली है।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सरकार के द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाया जिसमे भारत की वीर सेना ने पाकिस्तान में पल रहे आतंकवादियों और उनके ठिकानों को मिसाइल और गोला बारूद से ध्वस्त कर दिया। जिससे पाकिस्तान सरकार भारत के सामने घुटने टेक दिए। श्री रौतेल बताया कि आज भारत अर्थव्यवस्था में चौथे पायदान पर हैं मोदी सरकार का प्रयास तीसरे पायदान की ओर अग्रसर है। मोदी सरकार ने जनधन योजना से प्रत्येक गरीबों का बैंक में खाता खुलवाया जिससे आज हर एक गरीब मजदूर का बैंक में खाता है।

पूर्व के कांग्रेस पार्टी के प्रधानमंत्री रहे स्वर्गीय राजीव गांधी कहां करते थे कि हमारी सरकार दिल्ली से 1 रुपये भेजती है लेकिन जमीनी स्तर पर 15 पैसे ही पहुंच पाते हैं, लेकिन आज की मोदी सरकार के द्वारा किसी भी योजना या हितग्राही मूलक योजनाओं से हितग्राहियों को शत प्रतिशत लाभ और पैसा पहुंच रहा है। सरकार ने रेलवे और रेलवे स्टेशनो का कायाकल्प करने के लिए योजना चलाई है, जिसमें आप सभी देख सकते हैं कि रेलवे स्टेशनों को सुसज्जित व व्यवस्थित बना दिया गया है, आवागमन के लिए ट्रेनों को भी बढ़ाया गया है। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने पत्रकारों से रूबरू होते हुए मोदी सरकार की 11 साल बेमिसाल के तहत संकल्प से समृद्धि अभियान के बारे में बताया।

उन्होंने अपने आगामी कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी उन्होंने बताया कि हमारी सरकार 70 वर्ष के आयु वाले बुजुर्गों का भी आयुष्मान कार्ड बनाने जा रही है। श्री अग्रवाल ने भाजपा के द्वारा प्रोफेशनल मीट के आयोजन में भी पत्रकारों की उपस्थिति के लिए आग्रह किया।

अंत में उन्होंने पत्रकार वार्ता में काफी संख्या में पहुंचे पत्रकारों का आभार भी जताया हैं। इस दौरान भाजपा की वरिष्ठ नेता शंभू लाल खट्टर, जिला उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह, सुमित गौतम, विनय मिश्रा सहित भारी संख्या में पत्रकार गण उपस्थित रहे।

सक्षम टीम ने कलेक्टर से भेंट कर गतिविधियों की दी जानकारी

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित सक्षम कार्यक्रम, जो जनजातीय कार्य विभाग के जिलों में चलाया जा रहा है। उमरिया जिला के विकासखंड पाली में सत्र 2024-25 में चल रही गतिविधियों की प्रस्तुति एवं सत्र 2025-26 की योजना के संबंध में सक्षम टीम से जिला प्रबंधक महारन प्रताप सिंह और ब्लॉक प्रबंधक संदीप कुमार शुक्ला ने कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन से भेंट की एवं पाली विकास खंड में चल रही गतिविधियों के बारे में सविस्तार चर्चा की और रिपोर्ट प्रदर्शित की है। इस अवसर पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य डॉक्टर पूजा द्विवेदी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी पाली सरिता जैन और मास्टर ट्रेनर व मंडल संयोजक संजय पांडेय उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री व्दारा अनुग्रह सहायता योजना की राशि अंतरित की जाएगी

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव व्दारा 13 जून को मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना की अनुग्रह सहायता योजना के तहत हितलाभ का वितरण 13 जून को बरगी जिला जबलपुर से किया जाना प्रस्तावित है । इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री अनुग्रह सहायता राशि अंतरित करेंगे।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जनपद, ग्राम पंचायत मुख्यालयों एवं नगरीय निकाय के मुख्यालयों में देखा एवं सुना जा सकेगा। कलेक्ट्रेट भवन के एनआईसी में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा एवं सुना जा सकता है। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने सभी जनपद सीईओ, नगरीय निकाय के सीएमओ को अनुग्रह योजना के सिंगल क्लिक वितरण कार्यक्रम में आवश्यक तैयारिया पूर्ण करनें के निर्देश दिए है।

एक पेड़ मां के नाम अपने घर में लगायें : अर्चना गोतमारे

उमरिया (स्वतंत्रमत)। सर्वोदय महिला समिति के दिशा निर्देशन में मानसी महिला मण्डल द्वारा एसईसीएल के सामुदायिक भवन के विशाल परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया।इस अवसर पर मानसी महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती अर्चना गोतमारे ने औषधीय व फल फूल देने वालें वृक्षों का वृक्षारोपण अपनी टीम की सदस्याओं श्रीमती ममता डोंगरे ,डा. रिचा गुप्ता व मातृ शक्ति टीम के साथ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आप सभी अपने अपने घरों में एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगायें व उसकी पांच वर्ष तक देखभाल परिपक्व होते तक करें व जब भी अवसर मिले अधिक से अधिक पेड़ों को लगाने का प्रयास करें वृक्ष पर्यावरण संतुलन के सबसे प्रमुख कारक है।प्लास्टिक पालीथीन का त्याग करें बाजार जाते समय अपने साथ कपड़ों के थैले का उपयोग करें।उन्होने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण अंसतुलन वैश्विक गर्मी जल संकट हमारे जीवन के आस्तित्व के लिये सबसे बड़ा खतरा हैं।

हमें अपनी आने वाली पीढ़ि के लिये इन खतरों के प्रति सजगता से कार्य करते हुऐ पर्यावरण संरक्षण करना है।श्रीमती ममता डोंगरे व डा. रिचा गुप्ता ने कहा कि हम अपने आस पास के परिसर की साफ सफाई रखें।

सीएमएचओ की अध्यक्षता में स्वास्थ्य कार्यक्रम की बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ व्हीएस चंदेल की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम 10 से 19 वर्ष की आयु किशोरावस्था जीवन में उपलब्धि के अपार संभावनाओं से भरा होता हैं। लगभग प्रदेश की कुल जनसंख्या का 22 प्रतिषत भाग किशोर किशोरियों का है। उन्होंने बताया कि शिक्षा स्वास्थ्य और विकास को प्रगति के अवसर प्राप्त करने में आने वाली बाधाओ को कम करने में किशोर किशोरियों की मदद करने में उमंग स्वास्थ्य केंद्र सकारात्मक नजर आ रहा है समीक्षा के दौरान अप्रैल एवं मइ 2025 दो माह का अवलोकन किया गया।

बैठक में बताया गया कि जिले में तीन उमंग स्वास्थ्य केन्द्रो में कुल 864 किशोर किशोरियों को परामर्श सेवाएं प्रदान की गई जिसमें से 547 किशोरियों एवं 317 किशोर को परामर्श सेवाएं प्रदान की गई एवं उन्हें में से 162 किशोर किशोरियों को आवश्यकता अनुसार चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता द्वारा करवाई गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर व्ही एस चंदेल द्वारा उमंग स्वास्थ्य क्लीनिक में पदस्थ किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाताओं को मानसिक रोग से पीड़ित किशोर किशोरियों को मनकक्ष जिला चिकित्सालय उमरिया में रेफर करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक में उमंग स्वस्थ केंद्र में संधारित रिकॉर्ड का अवलोकन किया गया एवं आगामी समय में स्कूल एवं छात्रावास महाविद्यालय का भ्रमण कर आउट गतिविधि का प्लान बनाकर संपादित करने हेतु एवं उमंग टोल फ्री नंबर 14425 चौट बॉक्स 8657024841 एवं टेली मानस हेल्पलाइन 14416 को प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देशित किया गया।

उन्होंने बताया कि उमंग स्वास्थ्य केंद्र किशोर किशोरियों के परामर्श हेतु अनुकूल वातावरण प्रदान करता है जिसमें किशोर एवं किशोरिया खुलकर अपने प्रश्नो एवं चिताओं को परामर्शदाता से बता सकते हैं जिससे किशोर किशोरियों को उचित सलाह एवं निर्णय लेने में सहायक होता है, उक्त बैठक में जिला समन्वय, ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक मानपुर रेखा वाधवानी, किशोर स्वास्थ्य परामर्शदा पूनम मिश्रा मानपुर, राकेश चौधरी चंदिया, पवन कुमार मेहरा पाली, एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोदी सरकार के 11 साल बेमिसाल के तहत प्रोफेशनल मीट संपन्न

प्लेन क्रैश होने की जानकारी से कार्यक्रम के बीच 2 मिनट का मौन रख कार्यक्रम को 3 दिन के लिए किया गया स्थगित

उमरिया (स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी जिला उमरिया के द्वारा गुरुवार 12 जून को स्थानीय सामुदायिक भवन में प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया गया था जिसमें कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) रामलाल रौतेल के मुख्य आतिथ्य और भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक अग्रवाल की अध्यक्षता और भाजपा के वरिष्ठ नेता मिथिलेश मिश्रा पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा के विशिष्ट अतिथि में कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम

एलईडी के माध्यम से मोदी सरकार की 11 साल बेमिसाल के लिए बनाए गए फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद अतिथियों का उद्बोधन प्रारंभ हुआ जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने मोदी सरकार कि बीते 11 वर्षों में पूरे भारतवर्ष में और प्रतीक वर्गों के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में आज का भारत समृद्ध और शक्तिशाली है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता मिथिलेश मिश्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए मोदी सरकार की उपलब्धियां को विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि 2014 में बीते 30 साल बाद जनता ने लोकसभा के चुनाव में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई तब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने। इसके पूरे 5 साल मोदी सरकार ने हर वर्ग के लोगों और देश के लिए अनगिनत कार्य किया और इसी वजह से जब 2019 के लोकसभा चुनाव हुई है तब भी भारत की आम जनता ने मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत देकर फिर प्रधानमंत्री बना दिया। इसके बाद 2024 के चुनाव में भी जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही चुनाव निश्चित रूप से प्रधानमंत्री के द्वारा पूरे देश की जनता के हर वर्गों और उनके कल्याण के लिए जो काम किए हैं उसी का नतीजा है कि जनता मोदी सरकार के साथ खड़ी है।तभी प्रोफेशनल मीट के कार्यक्रम के बीच में गुजरात राज्य के अहमदाबाद में एक प्लेन क्रैश होने की सूचना मिली जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी सहित प्लेन में सवार 242 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई। यह दुखद जानकारी के बाद कार्यक्रम के आयोजक और अतिथियों ने प्लेन क्रैश में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर कार्यक्रम को बीच में ही रोककर स्थागि कर दिया गया। भाजपा के जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने यह भी जानकारी दी है कि भारत जनता पार्टी के आगामी कार्यक्रम तीन दिनों तक स्थगित रहेंगे, इस कार्यक्रम के संयोजन और संचालन भाजपा नेता सुमित गौतम के द्वारा किया गया।

नवीन पद्धति बीपीएलएएम से टीबी मरीजों का इलाज प्रारंभ

उमरिया (स्वतंत्रमत) - डीटीओ डॉ मुकुल तिवारी ने बताया कि एमडीआरटीबी मरीजों का नवीन पद्धति बीपीएलएएम से पहले मरीज़ का इलाज प्रारम्भ किया गया। उन्होंने बताया कि 2025 में टीबी मुक्त भारत किए जाने के अभियान में यह नई पद्धति बहुत कारगर है जिसमे 6 माह का इलाज लेकर बिगड़ी हुई टीबी के मरीजों का इलाज शुरू किया गया जिससे टीबी के मरीज जल्दी से जल्दी ठीक हो जायेगे तथ उन्हें आर्थिक बोझ भी नही पड़ेगा ।

गर्मी से लोगों का हाल हो रहा बेहाल कूलर, पंखे फेंक रहे गर्म हवा

उमरिया (स्वतंत्रमत)। गर्मी से आम जनों का जीवन बेहाल हो गया है। गर्मी के आगे कूलर, पंखे भी नतमस्तक होकर गर्म हवा फेंक रहे है। विदित हो सुबह से ही सूर्य भगवान की तेज तपन प्रारंभ हो जाती है, जो देर शाम तक चलती रहती है । गर्मी को देखते हुए जहां एक ओर दोपहर के वक्त सड़के सूनी हो जाती है, वहीं काम काजी लोग गर्म हवाओं से बचने के लिए चेहरे को ढककर बाहर निकल रहे है। गर्मी के सीजन में मिलने वाले मौसमी फलों की बहार भी इन दिनों बाजारों में देखी जा सकती है। कूलर, पंखों की बिक्री जोरो पर है ।

गर्मी में श्रमिकों की सुरक्षा कैसे करे

स्वास्थ्य विभाग व्दारा गर्मी के दिनों में कार्यस्थलों पर श्रमिक अपनी सुरक्षा कैसे करें, के संबंध में एडवायजरी जारी की गई है। एडवायजरी के माध्यम से बताया गया है कि कार्यस्थल पर ठंडा पीने का पानी एवं धूप से बचने के लिए छायादार स्थान या ठंडा कमरा उपलब्ध कराएं। अपने क्षेत्र में जारी होने वाले अधिक गर्मी/लू सम्बंधित पूर्वानुमानों पर ध्यान दें। सुबह और शाम के ठंडे समय में ही ज्यादा मेहनत वाले काम करवाएं। अतिरिक्त कर्मचारी लगाकर काम का बोझ बांटें अथवा काम की गति को कम करे। बाहर के कार्य के दौरान विश्राम का समय बढ़ाएं। हर 1 घंटे के काम के बाद कम से कम 5 मिनट का आराम दें। गर्भवती महिलाएं, बीमार व्यक्ति और जो व्यक्ति लंबे समय से दवाइयां ले रहें हैं, वह गर्मी में ज्यादा परिश्रम करने से बचें। बढ़ती गर्मी के साथ श्रमिको को अनुरूप होने का मौका दें। गर्मी की ऋतु की शुरुआत में काम की मात्रा कम रखें और उसे धीरे धीरे बढ़ाएं।

30 प्रशिक्षणार्थियों ने सीखे सेलफोन मरम्मत सेवा के गुण

उमरिया (स्वतंत्रमत)। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, उमरिया में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत उमरिया के अंतर्गत 30 दिवसीय सेलफोन मरम्मत सेवा आवासीय प्रषिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 14.05.2025 से 12.06.2025 तक संचालित किया गया जिसमें 30 पुरूष प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन दिनांक 12.06.2025 को (आरसेटी . निर्देषक) डा. तरूण कुमार सिंह , (अग्रणी बैंक प्रबंधक) श्री सेवकराम सोनवानी, (भारतीय स्टेट बैंक मुख्य प्रबंधक) निषांत वाजयेपी, (आजीविका जिला परियोजना प्रबंधक) चंद्रभान सिंह मरावी, कृष्ण कुमार शुक्ला (पत्रकार), राजबहादुर जायसवाल (संकाय सद्स्य) एवं सेलफोन मरम्मत सेवा प्रषिक्षण, प्रषिक्षक जीतेन्द्र पटेल की उपस्थिती में किया गया।

अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री सेवकराम सोनवानी, ने सभी प्रषिक्षणार्थियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए सभी को सतत रूप से कार्य करने के लिए कहा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक निषांत वाजपेयी जी ने भी सभी प्रषिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए अपनी षुभकामनायें दी। इसके बाद डीपीएम एनआरएलएम चंद्रभान सिंह जी ने भी सभी प्रषिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुये आगे सतत रूप से पूरे लगन व ईमानदारी के साथ अपने कार्य पर फोकस करने एवं बोबाईल रिपेयरिंग क्षेत्र में सफल करियर बनाने हेतु अपनी शुभकामनायें दी। इसके बाद निर्देषक डा. तरूण कुमार सिंह ने सभी प्रषिक्षणार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुये कहा आपने जो यह 30 दिवसीय सेलफोन मरम्मत सेवा आवासीय प्रषिक्षण प्राप्त किया है एवं प्रषिक्षण के दौरान जो भी गुण सीखा है, उसे यहां से जाने के बाद आप को खूब अभ्यास व मेहनत करना है जिससे आप को ज्यादा से ज्यादा लाभ हो और इस क्षेत्र में एक सफल करियरे बना सकें। इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं क्योंकि आज के समय में मोबाईल फोन हमारे जीवन का एक अनिवार्य एवं उपयोगी साधन बन गया है जिसके बिना बहुत सारे काम नहीं हो पायेंगे तो आप लोग पूरे लगन के साथ काम करिये मेरी शुभकामनायें आप के साथ है इसी के साथ ही उन्होंने अपनी वाणीं को विराम दिया। राजबहादुर जायसवाल जी ने भी सभी प्रषिक्षणार्थियों को प्रोत्साहित करते हुये अपनी शुभकामनायें दी।इसके बाद प्रषिक्षण प्रषिक्षक जीतेन्द्र पटेल जी ने भी सभी प्रषिक्षणार्थियों को शुभकामनाएँ प्रदान करते हुये आगे सतत रूप पूरी मेहनत करने का कहा।

अंत में सभी प्रषिक्षणार्थियों को प्रषिक्षण प्रमाण पत्र वितरण कर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ इस प्रषिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। अंत में निर्देषक महोदय जी के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

संकल्प से सिद्धी कार्यक्रम में पहुंची राज्यसभा सांसद, कहा मोदी सरकार के सेवा सुशासन गरीब कल्याण पर 11 वर्ष पूर्ण

मण्डला (स्वतंत्र मत)

केन्द्र में भाजपा सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर संकल्प से सिद्धी तक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी मंडला के द्वारा 12 जून को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर पालिका टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्रीमति सुमित्रा बाल्मीक मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रही। वहीं मंचासीन अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, भाजपा नेता विजय आनंद मरावी, वरिष्ठ भाजपा नेता रोचीराम गुरवानी, पारस असरानी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नैनपुर नरेश चंद्रौल, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित से किया गया। यहां पर राज्यसभा सांसद ने विकसित भारत का अमृतकाल सेवा सुशासन गरीब कल्याण के कामों को लेकर उपस्थित समाजसेवियों को सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि युवाओं को रोजगार दिया गया। नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला। किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान की गई। दलितों, वंचितों, पिछड़ों और आदिवासियों के कल्याण को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने बताया कि इस कार्यकाल में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर से देश की सुरक्षा को मजबूत किया है। वहीं कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने भी संबोधित किया और मोदी सरकार के 11 वर्ष की उपलब्धि को साझा किया। इस दौरान विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ और यहां पर इन 11 वर्षो में भाजपा की केन्द्र सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यो को लेकर प्रदर्शनी के माध्यम से जनमानस को अवगत कराया गया। इस दौरान संत समाज, भाजपा के कार्यकर्ता, पदाधिकारी सहित अधिवक्ता, डॉक्टरर्स, समाजसेवी, उद्यमी, विभिन्न व्यापारी संघ अध्यक्ष, संत समाज सहित पतंजलि योग समिति सदस्य, गुरूकुल आश्रम के शिष्य, गायत्री परिवार के सदस्य सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। वहीं भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में राज्यसभा सांसद श्रीमति सुमित्रा बाल्मीक ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में जहां नारी शक्ति विकास की परिधि से निकलकर केंद्र में आई है मध्यम वर्ग को रोजमर्रा की जिंदगी में सम्मान मिला है और साहसिक सुधारों ने व्यापार को नई उड़ान दी है। वहीं डिजिटल इंडिया ने नए भारत की नींव को मजबूत किया है। सबका साथ सबका विकास की भावना से हर क्षेत्र में आए इस राष्ट्रीय परिवर्तन ने समावेशी विकास का स्पष्ट और सुगम रास्ता तैयार किया है। मोदी सरकार के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ता यह नया भारत अब विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करने बनने को तैयार है। मोदी सरकार की समावेशी नीतियों और व्यापार को आसान बनाने वाली पहलों के परिणाम स्वरूप कभी फैजाइल फाइव कहे जाने वाले देशों में शामिल भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और 2025-26 में 6.8 प्रतिशत विकास दर का अनुमान है। भाजपा की सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि आतंक के खिलाफ सिर्फ बातें नहीं ठोस कदम भी उठाए जाते हैं। अब भारत डरता नहीं है अब भारत डटकर जवाब देता है। यह वही कांग्रेस है जिसने आतंकियों को प्रधानमंत्री कार्यालय में बुलाकर सत्कार किया उपहार भेजे और उनसे संवाद किया। आज देश भाजपा के साथ खड़ा है क्योंकि भाजपा भारत की सुरक्षा, स्वाभिमान और सशक्तिकरण की गारंटी है। नगर पालिका टाऊन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में अहमदाबाद के प्लेन क्रेश में मृत हुए प्रबुद्धजनों को श्रृद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन भाजपा नगर अध्यक्ष रानू राजपूत ने किया। वहीं मंच का संचालन उर्वशी राय ने किया। इस दौरान भाजपा के अनेक कार्यकर्ता व पदाधिकारी व महिला मोर्चा की कार्यकर्ता उपस्थित रही।

आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित चेतना जागरण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। दिव्यता और भक्ति से परिपूर्ण वातावरण उस समय देखने को मिला जब दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान दिल्ली शाखा मंडला के तत्वावधान में महिष्मति घाट स्थित कला दीर्घा भवन में एक दिवसीय आध्यात्मिक चेतना जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में नगर के अनेक श्रृद्धालुजनों ने सहभागिता कर श्रीहरि की अमृत कथा भजनों और सत्संग का रसास्वादन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के साधु-संतों द्वारा वेद मंत्रोच्चार और हरि नाम संकीर्तन से हुआ। इसके पश्चात संस्थान के विद्वान साधु महात्माओं द्वारा हरि कथामृत के माध्यम से श्रीहरि की महिमा का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया। उनके प्रवचनों में जीवन की वास्तविक दिशा आत्मबोध संयम और धर्म की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। साधु-संतों ने बताया कि मानव जीवन का उद्देश्य केवल सांसारिक उपलब्धियाँ नहीं बल्कि आत्मा के वास्तविक स्वरूप को जानकर भगवान से जुड़ना है। भजनों की मधुर स्वर लहरियों ने उपस्थित जनमानस को भावविभोर कर दिया और वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम में नगर के प्रबुद्ध नागरिक, महिलाओं, युवाओं सहित सैकड़ों श्रृद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने साधु महात्माओं के विचारों को आत्मसात करते हुए जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लिया। इस आध्यात्मिक आयोजन ने न केवल चेतना का जागरण किया बल्कि मंडला की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गरिमा को भी और प्रखर कर दिया। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की निरंतरता बनाए रखने का संकल्प लिया।

लापरवाही की हदें पार, समूह की फाइल गायब

मण्डला (स्वतंत्रमत)

भक्ति महिला आजीविका स्व सहायता समूह ग्राम ठोंडा ने जिला पंचायत सीईओ को शिकायत की है। पत्र में कहा गया है कि 9 अक्टूबर 2024 को जनपद पंचायत द्वारा आजीविका ऑफिस में दिया गया जिसमे ग्राम ठोंडा के माध्यमिक शाला ठोंडा में मध्यान भोजन हेतु आवेदन किया गया एंव जनपद पंचायत में समूह द्वारा फाइल जमा की गई जिसमे सात दिवस का टाइम दिया गया था और हमारे द्वारा 11/10/2024 को जनपद पंचायत में फाइल जमा की गई जिसमे दूसरे दिन जनपद अधिकारी द्वारा फाइल पूर्ण नहीं है कहकर वापस की गई उसके बाद हमारे समूह द्वारा दो दिन बाद फाइल पूर्ण कर जमा किया जब एक सप्ताह बाद जनपद से पूछा गया तो अधिकारी द्वारा बोला गया पंचायत द्वारा सहमती पत्र नही लगा है करके फ़ाइल वापिस कर दी गई फिर हमारे समूह द्वारा सहमती पत्र लगाकर जमा किया गया उसके बाद भी बिना कारण बताये जनपद द्वारा फाइल जिला कार्यालय जमा नहीं किया गया जबकि वही जनपद अधिकारी एंव बीआरसी द्वारा स्कूल की मध्यान भोजन रसोई कक्ष की चाबी भी हमें सौंपी गई थी लेकिन जनपद द्वारा हमारी फाइल में कही न कही कमी निकालकर जमा नहीं किया गया फिर हमारे समूह द्वारा फिर जनपद पंचायत से पूछा गया तो जनपद पंचायत द्वारा फिर बोला गया की समूह के अध्यक्ष की बीपीएल कार्ड नहीं करके फिर वापिस कर दिया गया फिर से फाइल पूर्ण कर जनपद के अधिकारी श्री पुसाम को दिया गया एंव पत्र रिसीव ली गई उसके बाद भी जनवरी 25 तक फाइल की कुछ भी पता नहीं चला उसके बाद हम लोग जनसुनवाई में गए जहां पर पूछे जाने पर जनपद द्वारा फाइल गुम गई बोला गया फिर जनपद को 5 घंटे का समय दिया गया की फाइल खोजों या दूसरी फाइल बनाकर जमा करो फिर जनपद सीईओ द्वारा बोला गया की जितने भी पैसे खर्च हुए है आप लोग ले लो और ये यही खत्म करो हमारे समूह द्वारा मना कर दिया गया फिर से हमारे समूह द्वारा दूसरे सप्ताह जनसुनवाई में गए तो वहा बोला गया की फाइल मिल गई है और जिला में जमा हो गई है फिर हमारे समूह द्वारा जनपद पंचायत से बार बार पूछने पर यही बोला जा रहा था फिर हमारे समूह के अध्यक्ष एंव सचिव दोनों 19 मई 2025 को जिला पंचायत ऑफिस में जाकर पता किये तो यहां पता चला की फाइल जमा ही नहीं हुई फिर तुरंत हमारे द्वारा पुसाम सर से फोन पर बात की गई जब जाकर पता चला की समूह की फाइल जिला कार्यालय तक पहुंचा ही नहीं जबकि जनपद द्वारा शिवम् समूह को मध्यान भोजन का काम दिला दिया गया।

सदगुरु कबीर का मनाया गया प्राकट्य दिवस

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सदगुरु कबीर पंथ महासभा के अध्यक्ष गणेश झारिया की अध्यक्षता, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम के मुख्य आतिथ्य सेवानिवृत सहायक आयुक्त एमएल पनरिया सेवानिवृत सहायक कोषालय अधिकारी एसडी सोनवानी अधिवक्ता लखन झारिया एवं महासभा के संरक्षक विनोद सुरेश्वर के विशिष्ट आतिथ्य में निराकार परमब्रम्ह के साधक व उपासक दुनिया के महान संत कबीर का प्राकट्य दिवस कबीर मंदिर में बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सैकड़ो कबीरपंथियों ने मंदिर पहुंचकर अपना माथा टेका और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। प्रात: 10:30 बजे निशान पूजा के पूजन-अर्चन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। दोपहर में महंत मानदास के द्वारा चौका आरती की गई। संध्या काल में शिक्षा-गौरव सम्मान के तहत इसी वर्ष कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले कुल 20 विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र दिया गया। 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को विशेष सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम का संचालन श्याम बैरागी एवं सुनील पनेरिया द्वारा किया गया। संस्था के संरक्षक एवं मार्गदर्शक विनोद सुरेश्वर ने आयोजन के उद्देश्य पर संक्षिप्त प्रकाश डाला तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय कुशराम ने सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि कबीर भले ही सैकड़ो वर्ष पूर्व जो बातें कही है लेकिन आज भी उनकी प्रासंगिकता है। उनके बताएं मार्गों का अनुसरण करके एक स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि बसंत झरिया ने कबीर के दोहे और भजनों को उद्धृत करते हुए कहा कि वे एक महान दार्शनिक, चिंतक, विचारक और अद्भुत कवि थे। उन्होंने दुनिया की परवाह किए बिना सच कहने से नहीं चूके उनसे शिक्षा लेते हुए हमें सदा सच के साथ खड़ा रहना चाहिए सभा को रमेश झारिया सेवानिवृत्ति प्राचार्य विशिष्ट अतिथि एमएल पनेरिया एसडी सोनवानी महासभा के पूर्व अध्यक्ष विजय सोनवानी ने संबोधित किया। गीतकार श्याम बैरागी ने सुरीले अंदाज में कबीर का एक भजन संतो देखत जग बौराना सुनाया। मध्यप्रदेश की तीजन बाई के नाम से मशहूर लोक गायिका श्रीमती नीतू झारिया ने पांडवानी के तर्ज पर कबीर वाणी पेश कर कबीरपंथियों जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष पीसी टांडेश्वर, महिला मंडल अध्यक्ष उर्मिला सोनवानी, विष्णु सोनवानी, होमन दास मोंगरे, बलराम झारिया रवि सोनवानी,धरम पड़वार, मुन्नालाल बैरागी, सुरेश बैरागी, मोहन झरिया, सुखलाल कांत, वीरेंद्र बघेल, अजय बैरागी, कुलदीप बैरागी, अर्जुनदास आदि का सहयोग रहा।

शिविर में आंखों की कराई जांच

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)

मंगलवार को नि:शुल्क अंधत्व निवारण शिविर का आयोजन ग्राम मंगली में दादा वीरेन्द्र पूरी देवजी नेत्रालय के द्वारा किया गया जिसमें 68 मरीजों ने अपनी आंखों की जांच करवाई है। जांच उपरांत 15 मरीजों को चयनित कर मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु देवजी नेत्रालय जबलपुर भेजा गया। इस शिविर में अनंतसिंह राठौर जनपद सदस्य एवं अक्षय परते समाजसेवी एवं करन मरावी सरपंच, श्रीमति रेखा धुर्वे सरपंच की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं मरीजों को लेकर जा रही बस को हरि झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस कार्यक्रम में शिवम राठौर, मयंक चौहान, मयूर चौहान मनसुख धार्या, अजय दास भाषत, मूलदास भाषत का योगदान रहा।

इंटेन्सिव एप्रोच में काम करें अधिकारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जबलपुर संभाग आयुक्त धनंजय सिंह भदौरिया ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संभाग के सभी जिलों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी प्रकरणों पर विशेष फोकस करें। सभी राजस्व अधिकारी इंटेन्सिव एप्रोच में कार्य करें, जिससे नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती, कब्जा आदि के प्रकरणों को समय-सीमा में निराकृत कराया जा सके। इसके लिए सभी तहसीलदार, नायब तहसीलदार स्तर के राजस्व अधिकारी, पटवारी तथा आरआई की आवश्यकतानुसार टीमें गठित करें, तदानुसार कार्य की गति बढ़ाएं। बैठक में आरसीएमएस, साईबर तहसील, सीपी ग्राम, सीएम मॉनिट/सीएस मॉनिट, बाढ़ राहत अतिवृष्टि से निपटने की तैयारी, अप्रारंभ निर्माण कार्य, एनआरसी सेंटर, कुपोषित बच्चों का फॉलोअप, टीएचआर का वितरण, पोषण ट्रेकर के माध्यम से मॉनिटरिंग, समग्र ईकेवाईसी, मनरेगा लेवर बजट, जल जीवन मिशन, सीएम हेल्पलाईन, ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से फाईलों के मूवमेंट, जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत अमृत सरोवर, डगवेल, खेत तालाब, माय भारत पंजीयन तथा रबी उपार्जन के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये।

नवागत सीएमएचओ ने पदभार संभाला

मण्डला(स्वतंत्र मत)

10 जून 2025 को नवागत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहंती ने पदभार संभाला। डॉ. मोहन्ती ने सभी विभागीय चिकित्सकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निर्धारित समय पर उपस्थित रहकर कार्य करने एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों में शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने निर्देशित किया गया। साथ ही स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समस्त आमजन को सुलभता से प्राप्त हो सके यह भी विभाग के प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी का लक्ष्य होना चाहिए। समस्त चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टॉफ आने वाले मरीजों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करें एवं उनको चिकित्सकीय सुविधाएं प्रदान करें। समस्त विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी एवं समस्त अधिकारी, कर्मचारी सीएम हेल्पलाईन पर विशेष ध्यान देते हुए शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराना सुनिश्चित करें। पदभार ग्रहण करने के साथ ही डॉ. मोहन्ती द्वारा जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया। उन्होंने जिला चिकित्सालय के ओपीडी एरिया की व्यवस्था सिकिलसेल एनीमिया की जांच राष्ट्रीय कार्यक्रमों अभियानों की समय पर रिपोर्टिंग तथा एमएलसी रिपोर्ट ऑनलाईन करने के संबंध में संबंधितों को निर्देशित किया। इसी प्रकार गुरूवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बीजाडांडी का सीएमएचओ ने आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वीएचएनडी सेशन समय पर लगें यदि किसी कारणवश समय पर नहीं लग पाए हैं तो उन्हें भी लगाना सुनिश्चित करें।

खेतों को तैयार करने में जुटे किसान

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

इन दिनों किसान खेतों को तैयार करने में व्यस्त हैं। नौतपा में नौ दिनों तक पडने् वाली तेज धूप के बाद रोहणी मे खेतों की मिट्टी को तपाकर उर्वरक क्षमता को बढ़ाती है। इससे किसान अच्छी पैदावार लेते हैं। इन दिनों खेतों में जुताई का काम चल रहा है। अब किसान खेती के परंपरागत साधनों को छोड़कर तेजी से आधुनिक साधनों की ओर बढ़ रहे हैं। इन साधनों में ट्रैक्टर, पानी की मोटर, आधुनिक बीज व कृषि उपकरण शामिल हैं। इन दिनों खेत जुताई के कारण ट्रैक्टर की मांग भी तेज हो गई है। वे कृषक जिनके घर में ट्रैक्टर हैं, पहले अपने खेतों की जुताई कर आसपास के खेतों व कस्बों में किराए से ट्रैक्टर दे रहे हैं। इन दिनों जुताई का काम तेजी से चल रहा है। खेतों में जुताई के लिए ट्रैक्टर का रेट 600 रुपए प्रति घंटा चल रहा है। ऐसे में किसानों को ज्यादा कीमत पर ट्रैक्टर किराए पर लेना पड़ रहा है। कई किसानों का मानना है कि नौतपा के पहले खेत जोतने की परंपरा है। इसके लिए ज्योतिषी से मुहूर्त निकलवाकर कई खेतों को तैयार किया जा चुका है। नौतपा में पडने् वाली तेज धूप और गर्मी से मिट्टी के वे कीटाणु नष्ट हो जाते हैं, जिनसे आगामी फसल का नुकसान होने की संभावना रहती है। इसके साथ ही इस प्रक्रिया में मिट्टी की उर्वरक क्षमता भी बढ़ती है। मक्का की बोनी के लिए पेड बनाए जा रहे हैं धान की बोनी रोपा लगाने बाले कृषक भी रोपा डालने में जुटे है।

भुगतान के लिए समूह परेशान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। आशा महिला आजीविका स्व सहायता समूह की अध्यक्ष ,सचिव प्रेमवती एवं नीता बाई ने जिला पंचायत सीईओं को शिकायत कर भुगतान कराए जाने मांग की है। पत्र में कहा गया कि मनरेगा अतर्गत ग्राम पंचायत देई में सामुदायिक पोषण वाटिका निर्माण हेतु कार्य जनपद पंचायत द्वारा दिया गया था। जिसका निर्माण समूह द्वारा किया गया है। जिसके भुगतान हेतु राशि 65 हजार 1880 का बिल बाउचर संबंधित कार्यालय में जमा किया जा चुका है परंतु आज दिनांक तक सामुदायिक पोषण वाटिका का भुगतान प्राप्त नही हुआ है। एवं भुगतान हेतु जानकारी पंचायत में सम्पर्क समूह द्वारा किये जाने पर पंचायत द्वारा बोला जाता है की हमें समझ में नही आ रहा है उक्त हेतु जनपद पंचायत में भी बोला जाता है की भुगतान हो जायेगा परंतु आज तक भुगतान नहीं हुआ है।

आयोजित होगें जागरूकता कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर मद्यपान, मादक पदार्थ एवं उनके द्रव्यों के सेवन से होने वालें दुष्परिणामों से युवा छात्र-छात्राओं और आमजन में जागरूकता लाने हेतु जिले में शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। नशामुक्त भारत अभियान अंतर्गत 1 जून से 26 जून निरंतर मद्यपान, मादक पदार्थ एवं उनके द्रव्यों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से युवा, छात्र-छात्राओं आमजन को अवगत कराकर उनमें जागरूकता लाने हेतु एनएमबीए गतिविधि कलेण्डर एवं सुझावात्मक गतिविधि सूची जारी कर निर्देश दिए थे।

शिक्षक सदन समिति की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शिक्षक सदन समिति की बैठक समिति पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति में 12 जून को विभिन्न विषयों में कार्यवाही किये जाने शिक्षक सदन के भवन में आयोजित की गई। समिति के एजेण्डा अनुसार दुकानों के किराये में वृद्धि, भवन की अति आवश्यक मरम्मत, प्रबंध कारिणी समिति के पुर्नगठन एवं अन्य बिन्दुओं में विस्तृत चर्चा की जाकर तत्सम्बंध में निर्णय लिये गये। बैठक में अपर कलेक्टर अरविन्द सिंह, डिप्टी कलेक्टर क्षमा सराफ, जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी बरकडे, सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता, प्रभारी महेन्द्र श्रीवास समिति के पदाधिकारी असीम गौतम, शैल कुमार दुबे, महेश नामदेव, विवेक शुक्ला, राजीव वर्मा, घनश्याम ज्योतिषी, दिलीप दुबे, निर्मल पटैल, दिनेश शंकर उपाध्याय, रामकुमार पटैल, योगेश चैरसिया, रविशंकर यादव, सुरेन्द्र जैन, हाजी एसएन अली, डीके सुरेश्वर, प्रवीण वर्मा, अनिल वर्मा, राकेश शुक्ला सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

निषेध दिवस पर कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। अंर्तराष्ट्रीय विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय बालश्रम टास्कफोर्स समिति के सदस्यों की उपस्थिति में जिले के विभिन्न चिन्हित स्थानों पर जन-जागरण अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थानों में पम्पलेट चस्पा किये गये तथा हिदायत दी गई कि बाल श्रमिकों से कार्य न कराया जावे। बाल श्रमिक नियोजित पाये जाने पर उक्त अधिनियम की धारा 14 के अंतर्गत जुर्माना 20,000 रूपये से 50,000 रूपये तक अथवा 6 माह से 2 वर्ष तक कारावास अथवा दोनों से दण्डित किये जाने का प्रावधान है।

पीएचई ने किया क्लोरिनेशन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंडला द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्ता पूर्ण शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु पेयजल स्त्रोतों में जर्मेक्स डालकर क्लोरिनेशन कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को ब्लॉक स्तर पर गठित टीम द्वारा ब्लॉक बीजाडांडी के जमुनिया, मोइयानाला, धनवाही ब्लॉक नैनपुर के बंधा, सगोनिया, मक्के ब्लॉक मंडला के गुरारखेड़ा, मुगली, गुड़ा अंजनिया, सुरजपुरा, मधुपुरी, घुघरा, अमगवा ब्लॉक मोहगांव के पीपरदर्रा, खर्राछापर माल ब्लॉक निवास के मोहगांव, ग्वारा ब्लॉक घुघरी के डूंडी, सिमरिया में स्थापित समस्त पेयजल स्त्रोतों हैंडपंप, कुआं ट्यूबवेल में जर्मेक्स डालकर क्लोरिनेशन किया गया। साथ ही ग्रामीणों को पानी को उबालकर, छानकर, शुद्ध पानी पीने की समझाइश दी गई।

संपादकीय

जान की दुश्मन उड़ान

गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। एयर इंडिया का करीब 11 साल पुराना बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान लंदन के लिए टेकऑफ करने के थोड़े समय बाद ही भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया। सैकड़ों लोगों की जान लेने वाली यह घटना सिर्फ हादसा नहीं है, बल्कि ऐसा सबक है जो भारत समेत पूरी दुनिया को एविएशन सुरक्षा के प्रति सचेत करता है।

अभी तक दुनियाभर में यह माना जाता रहा है कि हवाई सफर सबसे सुरक्षित होता है। वहीं, एविएशन सेफ्टी रिपोर्ट्स के आंकड़े बताते हैं कि विमान हादसों में सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान होती हैं। 2023 में दुनियाभर में 109 विमान हादसे हुए, जिनमें से 37 टेकऑफ के दौरान और 30 लैंडिंग के वक्त हुए। इन हादसों में 120 से ज्यादा लोगों की जान गई। विशेषज्ञों का मानना है कि टेकऑफ और लैंडिंग के समय विमान सबसे असुरक्षित स्थिति में होता है। अहमदाबाद हादसे की स्थिति भी यही संकेत देती है। ठीक टेकऑफ के वक्त ही विमान क्रैश हुआ। आंकड़ों की मानें तो वर्ष 2017 से 2023 तक के सात सालों में कुल 813 प्लेन क्रैश हुए हैं। इन हादसों में 1 हजार 473 से ज्यादा यात्रियों की मौत हो चुकी है। भारत में भी इस अवधि में 14 विमान हादसे हुए। अब अहमदाबाद की यह ताजा घटना देश की एविएशन प्रणाली को कठघरे में खड़ा कर रही है। हालांकि, इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का दावा है कि औसतन 12.6 लाख उड़ानों में एक हादसा होता है। लेकिन सच तो यह है कि जब कोई बड़ा विमान हादसा सामने आता है, तब यह आंकड़े भी भरोसा नहीं दे पाते। अहमदाबाद का हादसा भी वैसा ही झटका है, जो इस तथाकथित सुरक्षा की परिभाषा पर सवाल उठाता है। दुनिया का पहला विमान हादसा 15 जून 1785 को फ्रांस में हुआ था, जब जीन फ्रैंकोआ पिलैत्रे डी टॉजियरे की एयर बैलून दुर्घटना में मौत हो गई थी। पावर्ड एयरक्राफ्ट का पहला क्रैश 17 सितंबर 1908 को अमेरिका के वर्जिनिया में हुआ था, जिसमें एक यात्री की जान गई और पायलट घायल हो गया था। आज, 21वीं सदी में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के बावजूद हादसे नहीं थम रहे। कारण कुछ भी हो, तकनीकी खराबी, मौसम या पायलट की गलती, नतीजा हमेशा त्रासदी के रूप में ही सामने आया है।

जब भी कोई विमान हादसा होता है संबंधित जाँच विभाग दुर्घटना के कारणों की जाँच में जुट जाते हैं। हादसे के जाँच होना तो लाजमी है, परंतु जब-जब विमान हादसे होते हैं और हादसों की जाँच की रिपोर्ट आती है, तो क्या वास्तव में इन रिपोर्टों से सबक लिए जाते हैं कि भविष्य में ऐसे हादसे न हों? क्या विश्व भर के नागरिक उड्डयन मंत्रालय व उससे संबंधित विभाग और एयरलाइंस इन रिपोर्टों को गंभीरता से लेते हैं? इस विमान हादसे ने दुनिया भर के हवाई यात्रियों और विमानन विशेषज्ञों के मन में एक बार फिर से कई तरह के सवाल उठा दिए हैं। क्या हवाई यात्रा प्रदान करने वाली एयरलाइन कंपनियाँ यात्री सुरक्षा के साथ समझौता तो नहीं कर रहे? क्या विमान कंपनियों और एयरलाइंस पर निगाह रखने वाले नागरिक उड्डयन मंत्रालय व उसके अधीन विभाग यात्री सुरक्षा और विमानों के रख-रखाव में ढील तो नहीं बरत रहे? यदि इनमें से किसी भी एक सवाल का उत्तर 'हाँ' है तो यह एक गंभीर विषय है जिसे हर देश के नागरिक उड्डयन मंत्रालय को गंभीरता से ही लेना चाहिए।

गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

भारत एक ओर जहां लगातार तेज ग्रोथ करते हुए बीते दिनों जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बना, तो वहीं उपलब्धियों का सिलसिला जारी है और दुनिया इसका लोहा मान रही है। अब एक और खुश करने वाली रिपोर्ट आई है, जो विश्व बैंक ने जारी की है, जिसमें भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी की रोशनी है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ़ गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है।

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को बढ़ाया है।

डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे ने अंतिम जन तक लाभों की पारदर्शिता और तेज वितरण सुनिश्चित किया है। इससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी पर पार पाने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और उनका बेहतर क्रियान्वयन किया है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। पूरे भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें प्रमुख राज्यों ने गरीबी में कमी लाने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पांच बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे। इन पांच राज्यों ने ही 2022-23 तक गरीबी कम करने में दो-तिहाई का योगदान दिया है।

विश्व बैंक ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए भारत से गरीबी उन्मूलन की योजनाओं एवं सोच से प्रेरणा लेने की बात कही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 45 प्रतिशत आबादी गरीबी में है। भारत की गरीबी दर 5.3 प्रतिशत और पाकिस्तान की 42.4 प्रतिशत है। इसका सबसे बड़ा कारण पाक अपना सारा ध्यान आतंकवाद एवं आतंकवादियों के पोषण पर देता है, गरीबी दूर करना उसकी योजनाओं एवं नीतियों में दूर-दूर तक नहीं है। इसीलिये भारत ने वैश्विक मंचों पर पाक पर यह आरोप भी लगाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय सहायता का दुरुपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है। भारत ने विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे पाक को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा करें, क्योंकि इसका उपयोग आम लोगों के कल्याण के बजाय सैन्य खर्च और आतंकवादी गतिविधियों में हो रहा है। हाल के पाहलगाम हमले के बाद भारत ने इस मुद्दे को और जोरदार तरीके से उठाया, जिसमें उसने पाक के सैन्य बजट में 18 प्रतिशत वृद्धि और सामाजिक कल्याण पर कम खर्च को उजागर किया। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। पाक में यही स्थितियां देखने को मिल रही है।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। गरीबी-अमीरी के बीच के बढ़ते फासले को कम करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं।

भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। अब तक यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा बनी रही है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए थी। एक बड़ा प्रश्न था कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया था। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। अब तक जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते थे, वे सत्ता प्राप्त कर सकते थे। लेकिन अब मोदी सरकार गरीबी उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयत्न कर रही है। मोदी सरकार की तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने गरीब वर्ग को लाभान्वित किया है। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान, समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

मेघालय हनीमून हॉरर, विश्वास और पवित्र रिश्ते का कत्ल..

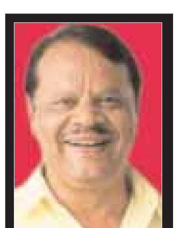

चैतन्य भट्ट

इंदौर निवासी व्यवसायी राजा रघुवंशी के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में हुए नृशंस हत्याकांड ने देश के जनमानस को झकझोर कर रख दिया है। हत्या की प्रमुख आरोपी राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम बताई जा रही है जिसने अपने तथाकथित प्रेमी राज कुशवाहा और उसके तीन दोस्तों के साथ मिलकर इस हत्या को अंज़ाम दिया। समूचे घटनाक्रम की परतें एक एक कर खुल रही हैं मगर जो भी अब तक सामने आया है, अविश्वसनीय है। भरोसा नहीं होता कि विवाह जैसे पवित्र और विश्वास भरे रिश्ते का गला इतनी निर्ममता से घोंटा जा सकता है।इस जघन्य हत्याकांड और क्या हुआ कैसे हुआ पर इतना परोसा जा रहा है कि कुछ कहने की जरूरत नहीं है। रोज नए खुलासे हो रहे हैं। ढूंढ ढूंढ कर हत्याकांड से प्रभावित परिवारों के संबंधियों के इंटरव्यू हो रहे हैं। मृतक राजा रघुवंशी परिवार के पुरोहित की गणना कह रही है कि षडयंत्र में और भी लोग शामिल हैं। कोई उनसे यह नहीं पूछ रहा कि गणना की यह प्रतिभा जब कहां गई थी जब वे विवाह का मुहूर्त निकाल रहे थे ? टीआरपी, व्यूज और लाइक्स की ललक जो न कराए सो कम है। यह सब क्यों हुआ के मर्म में जाने की जरूरत किसी को महसूस नहीं हो रही। जबकि यही वह मर्म है जिस पर ध्यान देकर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सकती है।

ख़बरें हैं कि सोनम पहले से ही राज कुशवाहा के साथ रिलेशनशिप में थी। उसने अपने परिवारजनों को इसके बारे में बताया भी था। मगर परिवारजनों ने इस संबंध का विरोध किया। सोनम और राज में आयु और जाति का फर्क तो था ही, जितेन्द्र की सामाजिक और आर्थिक हैसियत भी सोनम के परिवार के आगे कहीं नहीं टिकती थी। वह उनके पारिवारिक व्यवसाय में कर्मचारी की हैसियत से ही तो शामिल था। समाज क्या कहेगा ? का प्रश्न थोथा भले कितना भी हो, अभी भी शास्वत है। सोनम के परिवार ने इसे प्राथमिकता दी और जल्द से जल्द उसके समाज में ही विवाह की कोशिशों में जुट गए। कहा जाता है कि सोनम ने विरोध किया, यहां तक कहा कि अंजाम अच्छा नहीं होगा। मगर कोई सुनने तैयार नहीं हुआ। आनन फानम शादी तय हुई और सोनम ब्याह कर राजा रघुवंशी के परिवार में शामिल हो गई। बेटी की इच्छा के सम्मान के बजाय थोथे सामाजिक सम्मान को प्राथमिकता देकर सोनम के मातृ पक्ष ने तात्कालिक हल तो ढूंढ लिया मगर आज की परिस्थितियां देखकर उन्हें यकीनन पछतावा हो रहा होगा। सौदा महंगा पड़ा। दबाव में बना रिश्ता यूं भी ज्यादा नहीं टिकता। जिस सामाजिक प्रतिष्ठा की खातिर उन्होंने यह कदम उठाया था उससे लाख गुनी बदनामी अब झेलनी पड़ रही है। और दाग ऐसा है कि ताउम्र नहीं धुलेगा।

बेटियों को समान अधिकार का सरकारी नारा अपेक्षित सामाजिक बदलाव के बिना नारा ही बना रहने वाला है। उन्हें आर्थिक और सांस्कारिक समेत अन्य सभी पहलुओं पर आत्मनिर्भर बनाना आज की जरूरत है जिसके लिए उन्हें अच्छी परवरिश, शिक्षा दिया जाना चाहिए। उनमें निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना चाहिए। मगर सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि उनके निर्णय का सम्मान भी किया जाना चाहिए। अगर कोई निर्णय गलत लग रहा है तो सही राह दिखाना परिवार का दायित्व है। मगर थोथी सामाजिक प्रतिष्ठा के दबाव में उन्हें अपना निर्णय बदलने के लिए मजबूर करना पंछी को उड़ना सिखाकर उसे पिंजरे में बंद रहने पर मजबूर करने जैसा है। समाज के कई वर्गों ने इस बदलाव को स्वीकार किया है मगर कुछ अभी भी वही पुरानी लीक पीटने पर उतारू हैं। इस जघन्य हत्याकांड ने प्रमाणित कर दिया है कि परिणाम कितने भयावह हो सकते हैं।

बढ़ते अपराधों के ए अध्यात्मवादी भौतिकता को दोष देते हैं। कम्युनिज्म पूंजीवाद पर दोष मढ़ता है। राजनीति में एक पार्टी दूसरी को दोषी मानती है। समाज तेजी से बदल रहा है, और समलैंगिकता, लिव-इन रिलेशन, गर्भपात अब कानूनन अपराध नहीं रहे। सिर्फ कानून के सहारे अपराध को खत्म करना संभव नहीं है, इसके लिए व्यापक सामाजिक विमर्श जरूरी है। बदलते समय और दिन प्रतिदिन उदार होतीं सामाजिक मान्यताओं के साथ परिवारों की आपसी समझ भी बदलना जरूरी है। अगर सोनम के माता-पिता ने उसकी प्रेम और विवाह संबंधी प्राथमिकताओं को मान लिया होता तो यह सब नहीं घटता और निरपराध राजा रघुवंशी की जान बच जाती। थोथी सामाजिक मान्यताओं के दबाव के चलते उन्होंने बेटी पर दबाव बनाया। जो हुआ वह उससे कई गुना भयावह साबित हुआ जिसका दंश रघुवंशी समेत अपराध में शामिल अन्य लोगों के परिवार ताउम्र महसूस करेंगे।

मेघालय पूर्वोत्तर भारत का बेहद खूबसूरत और शांत राज्य है। पड़ौसी मणिपुर की तरह जनजातियां इसका भी मूल आधार हैं मगर मणिपुर में पसरी जातीय अशांति और हिंसा मेघालय को छू भी नहीं सकी है। पर्यटन इसकी अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। इस पूरे घटनाक्रम ने इस राज्य की साख पर कई सवाल खड़े कर दिए थे। मेघालय पुलिस बधाई की पात्र है जिसने तत्परता से इस घिनौने हत्याकांड की परतें खोलीं और साबित किया कि इससे मेघालय और उसके नागरिकों का कोई लेना-देना नहीं है।

अपराध कैसी भी योजना बनाकर किया जाए, छुपता नहीं है। इकबाल अजीम का शेर है ¯ कातिल ने किस सफाई से धोई है आस्तीन, उस को खबर नहीं कि लहू बोल उठेगा। इस समूचे घटनाक्रम ने इस अखंड सत्य पर एक बार फिर मोहर लगा दी है।

आतंकवाद और पाकिस्तान- चीन से दो टूक बात करने का समय आ गया

संतोष कुमार पाठक

भारत और चीन के रिश्तों के लिहाज से यह सप्ताह बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद भारत की बहादुर सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भी बात करना जरूरी है। भारत के सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल 59 नेताओं और पूर्व राजनयिकों ने 33 देशों की यात्रा से वापस लौटने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

भारत के इस प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया भर में पाकिस्तान को बेनकाब करने की कोशिश की। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान और आतंकवाद, एक दूसरे के पर्यायवाची बन चुके हैं। हाल के दिनों में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से लेकर पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी सहित कई नेता यह स्वीकार कर चुके हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह देता रहा है। अमेरिका की यात्रा पर गए बिलावल भुट्टो जरदारी का एक और बयान काफी चर्चा में है जिसमें आतंकवाद का ठीकरा उन्होंने अमेरिका पर ही फोड़ दिया है।

पाकिस्तान, अमेरिका और आतंकवाद इन तीनों के आपसी संबंधों की कहानी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बस अमेरिका की भूमिका पर फिर से मुहर लगाने का काम कर दिया था। ख्वाजा आसिफ के शब्दों पर गौर कीजिएगा। उन्होंने कहा था कि, हम करीब तीन दशक से अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए यह गंदा काम (आतंकवाद का समर्थन) कर रहे हैं। यह एक गलती थी और हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी, इसीलिए आप मुझसे यह कह रही हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और 9/11 के बाद की जंग में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।

जहां तक अमेरिका की बात है, वहां के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से उसकी पोल लगातार खुल रही है। पाकिस्तान पर एक के बाद एक अमेरिका जिस तरह की मेहरबानी कर रहा है,वह भी पूरी दुनिया देख रही है। लॉस एंजिल्स में जो कुछ हुआ उसके बाद अमेरिकी जनता को भी अहसास होने लगा है कि उन्होंने कितनी बड़ी गलती कर दी है। भारतीय बाजार के बल पर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाले चीन से अब यह तो पूछा ही जाना चाहिए कि वह पाकिस्तान के रास्ते पर क्यों चलना चाहता है? पाकिस्तान तो आतंकवाद को पालते-पालते एक असफल देश बन चुका है लेकिन चीन जैसे बड़े देश की आखिर क्या मजबूरी है कि उसे आतंकवादियों का साथ देना पड़ रहा है। भारत और चीन के बीच आपस में विवाद है, यह एक कड़वी सच्चाई है लेकिन दुनिया के दो प्रभावशाली और बड़े देश होने के नाते इसे सुलझाने के कई तरीके हो सकते हैं। बातचीत से अगर ये मामले सुलझ जाए तो इससे बेहतर कुछ और नहीं हो सकता लेकिन क्या चीन की सेना इतनी कमजोर हो चुकी है कि अब उसे भी भारत को परेशान करने के लिए पाकिस्तान जैसे नाकाम देश और आतंकवादियों का सहारा लेने की जरूरत पड़ रही है ?

वक्त आ गया है कि भारत को अब दो टूक शब्दों में चीन से इन सवालों का जवाब मांगना ही चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं ही यह कह चुके हैं कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की यह नीति सिर्फ पाकिस्तान के साथ ही नहीं अपनानी चाहिए बल्कि हर उस देश के साथ अपनानी चाहिए जो किसी भी सूरत में आतंकवादियों का बचाव करता है। भारत को यह कठोर संदेश भारत यात्रा पर आने वाले चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग के जरिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग तक भेजना ही चाहिए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।

पिता-पुत्र का रिश्ता बेजोड़ एवं विलक्षण है

भारतीय संस्कृति में पिता का स्थान आकाश से भी ऊंचा माना गया है, पिता की धर्म है, पिता ही संबल है, पिता ही ताकत है। पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संवेदनाओं के पुंज हैं। इसके महत्व को दर्शाने और पिता व पिता तुल्य व्यक्तियों के योगदान को सम्मान देने के लिए हर साल जून महीने के तीसरे रविवार को अंतर्राष्ट्रीय पिता दिवस यानी फादर्स डे मनाया जाता है। इस साल 15 जून 2025 को भारत समेत विश्वभर में यह दिवस मनाया जायेगा। फादर्स डे 2025 का आधिकारिक थीम 'पिता: लचीलेपन का पोषण और भविष्य को आकार देना' है। यह थीम हमारे जीवन में पिताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालती है, जो बच्चों में सकारात्मक भावनाओं और सामाजिक विकास को बढ़ावा देते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों में अलग-अलग दिन और विविध परंपराओं के कारण उत्साह एवं उमंग से यह दिवस मनाया जाता है। यह एक ऐसा दिन है जिसे अपने पिता के सम्मान के लिए मनाया जाता है, साथ ही पितृत्व, पैतृक बंधन और समाज में पिताओं के प्रभाव को भी याद किया जाता है। हिन्दू परंपरा के मुताबिक पितृ दिवस भाद्रपद महीने की सर्वपितृ अमावस्या के दिन होता है। पिता एक ऐसा शब्द जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। एक ऐसा पवित्र रिश्ता जिसकी तुलना किसी और रिश्ते से नहीं हो सकती। पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी पिता की जगह नहीं ले सकता। पिता अपनी संतान के सच्चे शुभचिंतक एवं हितैषी होते हैं।

सोनेरा डोड जब नन्ही-सी थी, तभी उनकी मां का देहांत हो गया। पिता विलियम स्मार्ट ने सोनेरो के जीवन में मां की कमी नहीं महसूस होने दी और उसे मां का भी प्यार दिया। एक दिन यूं ही सोनेरा के दिल में ख्याल आया कि आखिर एक दिन पिता के नाम क्यों नहीं हो सकता? इस तरह 19 जून 1910 को पहली बार फादर्स डे मनाया गया। 1924 में अमेरिकी राष्ट्रपति कैल्विन कोली ने फादर्स डे पर अपनी सहमति दी। फिर 1966 में राष्ट्रपति लिंडन जानसन ने जून के तीसरे रविवार को फादर्स डे मनाने की आधिकारिक घोषणा की। पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि के बारे में सोचते हैं। बावजूद बच्चों द्वारा पिता की लगातार उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना की स्थितियों बढ़ती जा रही है, जिन पर नियंत्रण के लिये इस दिवस की विशेष उपयोगिता एवं प्रासंगिकता है। मानवीय रिश्तों में दुनिया में सबसे बड़ा स्थान मां को दिया जाता है, लेकिन एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। पिता नीम के पेड़ जैसा होता है उसके पत्ते भले ही कड़वे होते हैं पर वो छाया ठंडी देता है। पिता और बच्चों का रिश्ता इस दुनिया में सबसे अलग होता है। एक तरफ पिता बच्चों को डांटते हैं, तो दूसरी तरह बच्चों से बेहद प्रेम भी करते हैं। पिता अपने बेटे की चोट पर व्यथित तो होता है लेकिन उसे बेटे के सामने मजबूत बने रहना है। ताकि बेटा उसे देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो।

भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों में पिता को देवतुल्य माना गया है। हमारे ग्रन्थों में माता-पिता और गुरु तीनों को ही देवता माना गया है। इनकी सेवा और भक्ति में कसर रह जाए तो फिर ईश्वर की प्राप्ति संभव नहीं। और अगर हमने इनकी सेवा पूरे मन से की तो भगवान स्वयं कच्चे धागे से बंधे भक्त के पीछे-पीछे चल पड़ते हैं। इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, परन्तु सभी का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि वे अपने पिता के योगदान को न भूलें और उनको अकेलेपन की कमी को महसूस न होने दें। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज के पिता समाज-परिवार से कटे रहते हैं और सामान्यत: इस बात से सर्वाधिक दु:खी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमियत न समझे जाने के कारण हमारे पिता दु:खी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। पिता को इस दु:ख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है। उन्हीं पिता के सम्मान में पितृ दिवस मनाया जाता है। आधुनिक समाज में पिता-पुत्र के संबंधों की संस्कृति को जीवंत बनाने की अपेक्षा है।

हर पिता अपने पुत्र की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करता है। वरुण जल का देवता होता है। जैसे जल वस्त्र आदि के मैल को दूर करता है, वैसे ही पिता पुत्र की मानसिक कलुषता को दूर कर सद्संस्कारों का बीजारोपण करता है एवं उसके व्यक्तित्व को नव्य और स्वच्छ रूप प्रदान करता है। चन्द्रमा सबको शांति और अह्लाद प्रदान करता है, वैसे ही पिता की प्रेरणाएं पुत्र को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही पिता शिव शंकर की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं। पय का अर्थ है-दूध। जैसे माता का दूध पुष्टि प्रदान करता है, वैसे ही पिता पुत्र के आत्मिक बल को पुष्ट करते हैं। मेरे लिये मेरे पिता स्व. श्री रामस्वरूपजी गर्ग देवतुल्य एवं गहन आध्यात्मिक-धार्मिक जीवट वाले व्यक्तित्व थे। उनकी जैसी सादगी, उनकी जैसी सरलता, उनकी जैसा समर्पण, उनकी जैसी धार्मिकता, उनकी जैसी पारिवारिक नेतृत्वशीलता और उनकी जैसी संवेदनशीलता को जीना दुर्लभ है। उन्होंने परिवार एवं समाज को समृद्धशाली और शक्तिशाली बनाने की दृष्टि से उल्लेखनीय कार्य किया। मेरे लिये तो वे आज भी दिव्य ऊर्जा के केन्द्र हैं। मेरे पिता मेरे आदर्श हैं, मेरे पिता संघर्ष की आंधियों में हौंसलों की उड़ान रहे तो आत्मविश्वास की दीवार रहे।

पिता आंसुओं और मुस्कान का एक समुच्चय है, जो बेटे के दुख में रोता तो सुख में हंसता है। उसे आसमान छूता देख अपने को कद्दावर मानता है तो राह भटकते देख अपनी किस्मत की बुरी लकीरों को कोसता है। पिता गंगोत्री की वह बूंद है जो गंगा सागर तक एक-एक तट, एक-एक घाट को पवित्र करने के लिए धोता रहता है। पिता वह आग है जो घड़े को पकाता है, लेकिन जलाता नहीं जरा भी। वह ऐसी चिंगारी है जो जरूरत के वक्त बेटे को शोले में तब्दील करता है। वह ऐसा सूरज है, जो सुबह पक्षियों के कलरव के साथ धरती पर हलचल शुरू करता है, दोपहर में तपता है और शाम को धीरे से चांद को लिए रास्ता छोड़ देता है। पिता वह पूनम का चांद है जो बच्चे के बचपने में रहता है, तो धीरे-धीरे घटता हुआ क्रमश: अमावस का हो जाता है। पिता समंदर के जैसा भी है, जिसकी सतह पर असंख्य लहरें खेलती हैं, तो जिसकी गहराई में खामोशी ही खामोशी है। वह चखने में भले खारा लगे, लेकिन जब बारिश बन खेतों में आता है तो मीठे से मीठा हो जाता है। बचपन में चॉकलेट, खिलौने दिलाने से लेकर युवावर्ग तक बाइक, कार, लैपटॉप और उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजने तक संतान की सभी माँगों को पिता ही पूरा करते रहते हैं लेकिन एक समय ऐसा आता है जब भागदौड़ भरी इस जिंदगी में बच्चों के पास अपने पिता के लिए समय नहीं मिल पाता है। इसी को ध्यान में रखकर पितृ दिवस मनाने की परंपरा का आरम्भ हुआ।

बी-2 बॉम्बर्स, फाइटर जेट, जमीनी सेना...

ईरान पर कैसे हमला करने वाले हैं अमेरिका-इजरायल

तेहरान/तेल अवीव/वॉशिंगटन

ईरान और इजरायल के बीच युद्ध की आशंका अब वास्तविक बन चुकी हैं। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता करीब करीब नाकाम हो चुकी हैं। जिसके बाद अमेरिका के सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने ईरान के खिलाफ सैन्य हमले को लेकर की तरह की योजनाएं पेश की हैं। इसके अलावा अमेरिका की तरफ से पुष्टि की गई है कि ईरान पर हमला करने के लिए इजरायल पूरी तरह से तैयार है। इजरायल के निशाने पर ईरान के न्यूक्लियर ठिकाने हैं। लेकिन ईरान के खिलाफ इस तरह के किसी भी ऑपरेशन से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। द वॉर जोन की रिपोर्ट में दावा किया है कि बातचीत के दौरान दोनों देशों ने अड़ियल रवैया अपनाया है। यूएस आर्मी जनरल माइकल एरिक कुरिल्ला ने अमेरिकी कांग्रेस को कहा है मैंने राष्ट्रपति ट्रंप और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ को विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, ईरान पर हमला करने के लिए तैयार है।

कुरिल्ला ने अमेरिकी संसद की कमेटी को जो बताया है उससे साफ हो गया है कि अगर ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को नहीं रोकता, तो अमेरिका और इजरायल हमला करेंगे। ईरान ने किसी भी हमले के खिलाफ विनाशक बदला लेने की कसम खाई है। डोनाल्ड ट्रंप ने परमाणु वार्ता पर बातचीत जारी रहने तक इजरायली प्रधानमंत्री पर हमला नहीं करने का प्रेशर बना रखा था, लेकिन पोलिटिको की नई रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति को घरेलू राजनीतिक सहयोगियों के एक गुट से ईरान पर इजराइली हमलों को स्वीकार करने और/या उसमें शामिल होने के लिए भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

टी25 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल डिफेंस फोर्स ने हमला करने की सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इजराइल के हारेत्ज़ अखबार ने कहा कि योजनाएं आगे बढ़ रही हैं, जबकि देश के चैनल 12 ने कहा है कि अब और ज्यादा सक्रिय तैयारियां चल रही हैं, जिसमें गोला-बारूद की तैनाती भी शामिल है। इजरायली मीडिया के मुताबिक सैन्य साजो-सामान को सीमावर्ती एयरबेस में तैनात किया जा रहा है और गुप्त ठिकानों की पहचान पहले ही की जा चुकी है। हालांकि पहले भी कई बार ऐसी खबरें आईं, लेकिन इस बार यह तैयारी पहले से ज्यादा संगठित और गंभीर मानी जा रही है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर भी घरेलू राजनीतिक दबाव है कि वे किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु बम हासिल करने से रोकें। राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से यह जरूर कहा है कि वे सैन्य विकल्प से बचना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने यह भी साफ किया है कि अगर ईरान नहीं रूकता तो दूसरे रास्ते अपनाए जाएंगे।

जबकि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने साफ शब्दों में कहा है कि अमेरिका कौन होता है यह तय करने वाला कि हमें संवर्धन करना चाहिए या नहीं। ईरान ने अमेरिकी प्रस्ताव को 100% अपने हितों के खिलाफ बताते हुए खारिज कर दिया है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि ईरान के कुछ परमाणु ठिकाने इतने गहरे भूमिगत हैं कि उनपर सिर्फ अत्यंत शक्तिशाली बमों से ही हमला किया जा सकता है। यही वजह है कि अमेरिका ने डिएगो गार्सिया द्वीप में अपने बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स और जीबीयू-57 जैसे महाविनाशक बम को तैनात किया है, जो विशेष रूप से गहराई में बने ठिकानों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

इसके साथ ही ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम को भी ध्वस्त करने के लिए अमेरिका ने तैयारियां कर रखी हैं। अमेरिकी पनडुब्बियां और एयरक्राफ्ट कैरियर पहले से ही इजरायल की सुरक्षा के लिए मौजूद हैं। लेकिन अगर हमला होता है तो ईरान का पलटवार भी विनाशक ही होगा। ईरान पहले ही चेतावनी दे चुका है कि अगर उसके परमाणु ठिकानों पर हमला हुआ तो वो ना सिर्फ इजरायल, बल्कि इजरायल के सहयोगी अमेरिका और मिडिल ईस्ट और लाल सागर में अमेरिकी जहाजों को निशाना बनाएगा। हूती विद्रोही और हिज्बुल्लाह जैसे गुट एक्टिव हैं। दूसरी तरफ अगर हमला होता है तो यह ईरान को एक पूर्ण परमाणु हथियार कार्यक्रम शुरू करने के लिए भी मजबूर कर सकता है। यह चेतावनी इंटेल प्रमुख ग्रॉसी भी दे चुके हैं। चीन और रूस की ईरान से नजदीकी को देखते हुए संघर्ष में इन महाशक्तियों का परोक्ष हस्तक्षेप भी संभव है, जिससे यह एक बड़े जियो-पॉलिटिकल टकराव को जन्म दे सकता है। इसलिए अब सवाल यह नहीं है कि हमला होगा या नहीं, बल्कि यह है कि अगर वार्ता नाकाम हो चुका है तो दुनिया कितनी तेजी से एक और विनाशक युद्ध की तरफ बढ़ चुकी है।

पिछले साल इजरायली डिफेंस फोर्स ने ईरान पर बिना किसी रोक-टोक के सटीक हमले करने की क्षमता का प्रदर्शन किया था। लेकिन टीडब्ल्यूजेड के मुताबिक इजरायली बलों को ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी गहराई से दबी हुई साइटों को बेअसर करने में काफी मुश्किल चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। टीडब्ल्यूजेड के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने द जेरूसलम पोस्ट को कहा है कि सदस्य देश क्या करने का फैसला करते हैं, यह उनका विशेषाधिकार है। मैं इजरायल सरकार को सलाह नहीं देता। वे तय करेंगे कि क्या सबसे अच्छा है, लेकिन ईरान का परमाणु कार्यक्रम काफी ज्यादा गहरा है। टीडब्ल्यूजेड ने कहा है कि अमेरिकी सेना ने यूक्रेन को मूल रूप से दिए जाने वाले काउंटर-ड्रोन क्षमताओं को मध्य पूर्व में अमेरिकी बलों को सौंप दिया था।

ऑस्ट्रेलिया: सिडनी में दो शव मिलने पर जांच शुरू

सिडनी, (वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया की पुलिस ने सिडनी के उत्तरी उपनगरों में एक घर में दो लोगों के शव मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) पुलिस ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि एनएसडब्ल्यू प्रांत में सेंट्रल सिडनी से लगभग 12 किलोमीटर उत्तर में फॉरेस्टविले स्थित घर में बुधवार को कल्याण जांच करने के लिए आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे जहां एक इमारत में एक पुरुष और एक महिला के शव मिले। बयान में कहा गया कि शवों की अभी तक पहचान नहीं हो पायी है। पुलिस ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है।

अंगोला में बारिश से दो बच्चों की मौत

लुआंडा (वार्ता)। अंगोला के उत्तरी प्रांत उइगे में शुष्क मौसम में असामान्य भारी बारिश के कारण तीन दिनों में कम से कम दो बच्चों की मौत हो गई और दो हजार परिवारों को बिजली कटौती का सामना करना पड़ा है।अंगोला प्रेस एजेंसी (एनजीओपी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। नागरिक सुरक्षा और अग्निशमन सेवा के उप प्रांतीय कमांडर एंटोनियो सिमाओ ने कहा कि ये मौतें डंबा और उइगे शहरों में हुईं। जहां तेज हवाओं और ओलों के साथ हुई अप्रत्याशित बारिश ने लोगों को चौंका दिया। उन्होंने बताया कि यह शुष्क मौसम के लिए एक असामान्य घटना है। उन्होंने कहा कि मंगलवार से प्रांत में कम से कम दो हजार परिवार बारिश के कारण बिजली के बिना रह रहे हैं। एएनजीओपी ने बताया कि बारिश ने उइगे जनरल अस्पताल, स्कूल के बुनियादी ढांचे और सड़क के किनारे खड़े वाहनों को भी नष्ट कर दिया।

इजरायल ईरान में सैन्य अभियान के लिए पूरी तरह तैयार

यरूशलम (वार्ता)। इजरायल ने अमेरिका के अधिकारियों को सूचित किया है कि वह ईरान में सैन्य अभियान शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सीबीएस न्यूज प्रसारक ने गुरुवार को सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वॉशिंगटन को आशंका है कि ईरान अमेरिका के कुछ सैन्य ठिकानों पर खासकर पड़ोसी इराक में जवाबी हमला कर सकता है। इसी वजह से अमेरिका ने बुधवार को अपने कुछ नागरिकों को क्षेत्र छोड़ने की सलाह दी। इजरायली अधिकारियों ने कथित तौर पर ऑपरेशन की संभावित शुरुआत के बारे में जानकारी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एक्सियोस समाचार पोर्टल ने मंगलवार को इजरायली और अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत में कहा कि वह ईरान के साथ परमाणु समझौते के समापन की संभावना में विश्वास करते हैं और अभी सैन्य कार्रवाई के पक्ष में नहीं हैं।

आप ने भाजपा पर झुग्गियां तोड़ने का आरोप लगाया

नयी दिल्ली, (वार्ता)

आम आदमी पार्टी ने कहा कि चुनाव के दौरान जहां झुग्गी वहां मकान की बात करने वाली भाजपा की जब से दिल्ली में सरकार बनी है वह एक-एक कर बड़ी-बड़ी झुग्गियों को तोड़ रही है।आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आज कहा कि अपने वादे के मुताबिक भाजपा सरकार पहले इन गरीबों को 'जहां झुग्गी-वहां मकान' दे, उसके बाद इनके घरों पर बुल्डोजर चलाए। उन्होंने कहा कि जब से दिल्ली में भाजपा की सरकार आई है, एक-एक कर बड़ी-बड़ी झुग्गियों को बुल्डोजर से साफ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बवाना के रोहिणी सेक्टर 22 में एक झुग्गी झोपड़ी क्लस्टर था। एक माह पहले सुबह करीब 11 बजे उस झुग्गी में आग लग जाती है। सरकार ने दो दिन बाद वहां बुलडोजर बुलवाया और सारी झुग्गियों को साफ करके वहां रह रहे सभी झुग्गीवालों को भगा दिया इसलिए यह शक होता है कि पता नहीं झुग्गी में आग किसने लगवाई थी, किसने षड़यंत्र किया था। इसी तरह मद्रासी कैंप को उजाड़ दिया गया। 40-50 साल पहले तमिलनाडु से लोग आकर बसे थे। सरकार ने मद्रासी कैंप की लगभग 800 झुग्गियों को उजाड़ दिया।उन्होंने कहा कि सरकार की इस ज्यादती के खिलाफ आम आदमी पार्टी दिल्ली के अंदर बड़ा आंदोलन खड़ा करेगी। सभी झुग्गीवालों को एक करेंगे और 29 जून जंतर मंतर पर जाकर अपनी आवाज उठाएंगे।

लास एंजिलेस में पुलिस, प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें जारी

लॉस एंजिलेस,(वार्ता)। अमेरिका के लॉस एंजिलेस में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जारी हिंसक झड़पों के बीच पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के एक समूह की घेराबंदी कर उनमें से कुछ को गिरफ्तार कर लिया है। अंत में भीड़ को इस चेतावनी के बाद छोड़ दिया गया कि अगर वे वापस आये तो उन्हें हिरासत में ले लिया जायेगा। संवाद एजेंसी रिया नोवोस्ती के एक संवाददाता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जब पुलिस प्रदर्शनकारियों को घेर रही थी, तब कई पत्रकार भी वहां मौजूद थे। उन्होंने बताया कि स्थानीय समयानुसार रात 8:50 बजे तक एक हेलिकॉप्टर उस निषिद्ध क्षेत्र के ऊपर मंडराता रहा, जहां प्रदर्शनकारी कर्फ्यू के बावजूद रैली कर रहे थे। इससे पहले दिन में पुलिस ने कर्फ्यू क्षेत्र के बाहर सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के एक समूह के खिलाफ रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया, जिसके बाद प्रदर्शनकारी पीछे हट गये।

स्पेन में मिले अंतरिक्ष से गिरी रहस्यमय धातु से बने आभूषण

मैड्रिड

स्पेन में पुरातत्वविदों ने एक अभूतपूर्व खोज की है। ये खोज प्राचीन धातु कर्म (मेटल वर्क) के विकास की कहानी फिर से लिख सकती है। विलेना के प्रसिद्ध खजाने से शोधकर्ताओं ने उल्कापिंड के लोहे से बनी दो लोहे की कलाकृतियों की खोज की है। दावा किया जा रहा है कि ये मेटल पृथ्वी से संबंधित नहीं है। यह एक ऐसी दुर्लभ धातु है, जो अंतरिक्ष से गिरने वाले चट्टानों के माध्यम से पृथ्वी पर आई थी। यानी ये आभूषण जैसी वस्तु जो खोज में मिली है, ये अंतरिक्ष से आई धातु से बनी हुई है।

विलेना का खजाना 3,000 साल से भी अधिक पुराना है। इसमें एक कंगन और एक सजावटी आभूषण एक्सपर्ट ने खोजा है। दोनों वस्तुएं एक अलौकिक सामग्री से बनी हैं, ये अलौकिक सामग्री उल्कापिंड से गिरने वाला लोहा है। यह आश्चर्यजनक खोज आइबेरिया में लौह युग की ज्ञात शुरुआत से पहले की है। इससे शुरुआती मानव जीवन के समय आकाशीय धातुओं के इस्तेमाल का पता चलता है। विलेना का खजाना साल 1963 में स्पेन के एलिकांटे प्रांत के विलेना शहर के पास खोजा गया था। यह इबेरियन प्रायद्वीप पर कांस्य युग की सोने की कलाकृतियों की सबसे महत्वपूर्ण खोजों में से एक है। इस खजानों में सोना चढ़ाया हुआ तलवार की मूठ वाला पोमेल और लोहे से बना एक खुला कंगन अपनी विशिष्ट संरचना की वजह से विशिष्ट हैं।

राष्ट्रीय पुरातत्व संग्रहालय, दिरियाह गेट डेवलपमेंट अथॉरिटी और स्पैनिश नेशनल रिसर्च काउंसिल के विशेषज्ञों के एक नए अध्ययन से पता चलता है कि लोहे की वस्तुएं पृथ्वी से जुड़े लोहे के बजाय उल्कापिंड मूल के लोहे से बनाई गई थीं, जो करीब दस लाख साल पहले की थीं। स्पेन के राष्ट्रीय पुरातत्व संग्रहालय के पूर्व संरक्षण प्रमुख सल्वाडोर रोविरा-लोरेन्स के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग करके कलाकृतियों का परीक्षण किया गया है।

शोधकर्ताओं ने पाया है कि लोहा निकल से भरपूर था, जो उल्कापिंड की उत्पत्ति का एक विशिष्ट मार्कर है। पृथ्वी से खनन किए गए लोहे के विपरीत, यह अंतरिक्ष से गिरता है। ये वस्तु इंसानी इस्तेमाल में आने वाली अंतरिक्ष धातु के शुरुआती ज्ञात उदाहरणों में से है। इससे पता चलता है कि उस दौर में किस तरह से धातुओं का इस्तेमाल होता है।

खजाने की ये कलाकृतियां 1400 और 1200 ईसा पूर्व के बीच की हैं, जो आइबेरिया में करीब 850 ईसा पूर्व में शुरू हुए लौह युग से 500 साल पहले की हैं। यह खोज स्थापित समय-सीमा को चुनौती देती है और बताती है कि प्राचीन आइबेरियाई लोगों ने न केवल उल्कापिंड के लोहे का सामना किया, बल्कि इसके मूल्य को भी पहचाना और कलाकृतियों और गहनों को आकार देने के तरीके विकसित किए।

अमरनाथ यात्रा में तीर्थयात्रियों के लिए करीब 125 लंगर लगाए जाएंगे

जम्मू (वार्ता)

केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आगामी तीन जुलाई से शुरू होने वाली वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा में प्रदेश के प्रवेश द्वार लखनपुर से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र गुफा मंदिर तक करीब 125 लंगर लगाए जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि लखनपुर से बाबा बर्फानी के मंदिर तक करीब 125 लंगर लगाए जाएंगे, जिसमें पहलगाम और बालटाल मार्ग भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि लंगर सामग्री और शेड लगाने के लिए ढांचागत उपकरण ले जाने वाले ट्रक 15 जून से जम्मू-कश्मीर पहुंचना शुरू हो जाएंगे।

उन्होंने कहा, लंगर लगाने की प्रक्रिया इस महीने के अंत तक पूरी हो जाएगी। इस वर्ष तीन जुलाई से शुरू होने वाली 38 दिवसीय यात्रा रक्षाबंधन के दिन नौ अगस्त को समाप्त होगी। पहला जत्था दो जुलाई को जम्मू से रवाना होगा।

अधिकारियों ने बताया कि यात्रा मार्गों के अलावा अमरनाथ श्राइन बोर्ड द्वारा लंगर संगठनों को अनुमति दिए जाने के बाद लखनपुर से श्रीनगर और पहलगाम तथा बालटाल तक 50 से अधिक लंगर लगाए जाएंगे।उन्होंने बताया कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के लंगर संगठन गुफा मंदिर के रास्ते में सामुदायिक रसोई स्थापित करेंगे।

उन्होंने बताया कि कुल 25 लंगर बालटाल और दोमेल में, 13 लंगर पवित्र गुफा में, आठ शेषनाग में, पांच पिस्सूटॉप में, 12 पंचतरणी में, सात चंदनवाड़ी में, नौ नुनवान में और पांच जोजीबल में आयोजित किए जाएंगे।उन्होंने बताया कि जम्मू आधार शिविर यात्री निवास भगवती नगर में पांच लंगर और जम्मू-पठानकोट तथा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्गों पर करीब 50 लंगर लगाए जाएंगे।

श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने लंगर संगठनों के लिए भोजन मेनू को भी अंतिम रूप दिया है और उन्हें तैलीय वस्तुओं से बचने के लिए कहा है। श्राइन बोर्ड ने तीर्थयात्रियों को पौष्टिक और स्वस्थ भोजन खाने के लिए भी प्रोत्साहित किया है।श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा अनंतनाग जिले के पहलगाम में स्थित है और हिंदुओं का एक प्रमुख तीर्थ स्थल है।

यह समुद्र तल से करीब 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित है।जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को यात्रा मार्ग के रखरखाव, उन्नयन और चौड़ीकरण का भी निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं की सुरक्षित और परेशानी मुक्त तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा उठाए गए कदमों का मूल्यांकन किया।श्री सिन्हा ने पवित्र गुफा में प्रथम पूजा भी की जो वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत थी। उपराज्यपाल ने बाबा बर्फानी के सभी भक्तों से पवित्र यात्रा के लिए बड़ी संख्या में आने का आग्रह किया और देश एवं प्रदेश की प्रगति के लिए प्रार्थना की।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'निकिता रॉय' का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा की आने वाली फिल्म 'निकिता रॉय' का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

ट्रेलर में सोनाक्षी शैतान, भूत-प्रेत यानी सुपरनेचुरल ताकतों का सामना करती हुई दिखीं। फिल्म में परेश रावल भी एक अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं।

सोनाक्षी सिन्हा फिल्म 'निकिता रॉय' में एक जासूस की भूमिका में दिख रही हैं। निकिता का मकसद एक गुरु (परेश रावल) का पर्दाफाश करना है, जो लोगों को भूत-प्रेतों से छुटकारा दिलाने का दावा करता है।। फिल्म में अर्जुन रामपाल भी हैं, जो निकिता को गाइड करते हैं।

सोनाक्षी सिन्हा की सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म 'निकिता रॉय' की रिलीज डेट भी ट्रेलर के साथ साझा की गई है। यह फिल्म 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म का निर्देशन सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा कर रहे हैं।फिल्म को निक्की खेमचंद भगनानी ने प्रोड्यूस किया है। सोनाक्षी ने सोशल मीडिया पर ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, %एक ऐसी दुनिया में आइए, जहां हकीकत धुंधली और अज्ञात हावी हो जाता है। रोमांच और दिमाग घुमा देने वाले रहस्य के लिए तैयार हो जाइए।निकिता रॉय% को 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

केसरी चैप्टर 2 का हिस्सा बनना एक अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक यात्रा रही है : अनन्या पांडे

अनन्या पांडे का कहना है कि फिल्म केसरी चैप्टर 2 का हिस्सा बनना उनके लिये एक अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक यात्रा रही है। अक्षय कुमार, आर. माधवन और अनन्या पांडे जैसे सितारों से सजी फिल्म केसरी चैप्टर 2 ,13 जून से जियोहॉटस्टार पर विशेष रूप से स्ट्रीम होगी।यह फिल्म जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस फिल्म की कहानी वकील सी शंकरन नायर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्होंने ताकतवर ब्रिटिश साम्राज्य को अदालत में घसीटा था। वह इस सच्चाई को उजागर करना चाहते थे कि यह हत्याकांड एक जानबूझकर किया गया नरसंहार था।इस फिल्म में अक्षय कुमार ने सी.शंकरन का किरदार निभाया है,जो जलियांवाला बाग हत्याकांड की सच्चाई को उजागर करने के लिए ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ता है। वहीं, आर माधवन वकील नेविल मैककिनले की भूमिका में हैं जबकि अनन्या पांडे ने वकील दिलरीत गिल का किरदार निभाया है। अनन्या पांडे ने कहा, केसरी चैप्टर 2 का हिस्सा बनना एक अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक यात्रा रही है। मेरा किरदार भारी अन्याय के सामने आशा और दृढ़ संकल्प की किरण के रूप में खड़ा है। यह फिल्म दुखद जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद सच्चाई के लिए अथक लड़ाई का सार प्रस्तुत करती है। यह एक ऐसी कहानी है जो आज भी गहराई से गूंजती है, जो हमें साहस और सामूहिक प्रतिरोध की शक्ति की याद दिलाती है। मुझे खुशी है कि यह मार्मिक कहानी 13 जून से पूरे भारत में दर्शकों के लिए जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

दूसरी बार 'आयरनमैन' रेस में उतरने की तैयारी कर रही है सैयामी खेर

बॉलीवुड अभिनेत्री और एथलीट सैयामी खेर दूसरी बार 'आयरनमैन' रेस में उतरने की तैयारी कर रही हैं। सैयामी खेर इन दिनों जबरदस्त मेहनत कर रही हैं क्योंकि वह आयरनमैन 70.3 ट्रायथलॉन के लिए कमर कस चुकी हैं। खेलों के प्रति अपनी दीवानगी के लिए पहचानी जाने वाली सैयामी हमेशा से ही अभिनय और फिटनेस दोनों को बैलेंस करती रही हैं, लेकिन इस बार उनका ट्रेनिंग लेवल सबको हैरान कर रहा है।वह आए दिन अपने सोशल मीडिया पर ट्रेनिंग की झलकियाँ शेयर कर रही हैं, जिनसे साफ पता चलता है कि वो कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। उनकी ट्रेनिंग में शामिल है ट्रेडमिल पर 10.03 किमी की दौड़ (7:00 प्रति किमी की रफ्तार से) जिसे उन्होंने 1:10:10 में पूरा किया, फिर मुंबई में 40.43 किमी साइकलिंग (1:34:52 में, 25.6 किमी/घंटा की एवरेज स्पीड से), और उसके बाद 1,500 मीटर की स्विमिंग (37:50 में, 100 मीटर प्रति 2:31 की रफ्तार से)। ये थकाऊ तीनों अभ्यासों का मिला-जुला सेशन आयरनमैन 70.3 के लिए एक मजबूत तैयारी को दर्शाता है। सैयामी ने कहा कि वह अपनी स्पीड, ताकत और सहनशक्ति को और बढ़ाना चाहती हैं। यही सोच चैंपियंस को खास बनाती है और लाखों लोगों को प्रेरित करती है। अपनी तैयारी के बारे में सैयामी ने कहा, एक कलाकार के तौर पर भी काफी फिजिकल और इमोशनल मेहनत लगती है।

कृति खरबंदा ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरे किये 16 साल

जानीमानी अभिनेत्री कृति खरबंदा ने फिल्म इंडस्ट्री में 16 साल पूरे कर लिये हैं। भारतीय सिनेमा में 16 साल पूरे करते हुए, कृति आज एक ऐसी बहुमुखी और लोकप्रिय अभिनेत्री के रूप में खड़ी हैं जिन्होंने बिना किसी गॉडफादर या मेंटर के यह मुकाम हासिल किया। दक्षिण भारतीय सिनेमा से शुरू हुई उनकी यह यात्रा दृढ़ निश्चय, संघर्ष और अपने हुनर पर अटूट विश्वास की मिसाल है। ऑडिशन के लंबे सफर से लेकर कन्नड़, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में लीड रोल्स तक, कृति ने बार-बार यह साबित किया है कि असली प्रतिभा और मेहनत किसी भी कनेक्शन से ज्यादा असरदार होती है। कृति की फिल्मोग्राफी उतनी ही विविधतापूर्ण है जितनी उनकी अभिनय क्षमता। चाहे गुगली में भावनात्मक प्रदर्शन हो, रूस्तम में द फाइटर में उनकी सादगी और स्क्रीन प्रेजेन्स, हाउसफुल 4 में उनका सहज कॉमिक टाइमिंग या शादी में ज़रूर आना में आरती शुक्ला के रूप में उनका दमदार और दिल छू लेने वाला अभिनय। कृति हर बार खुद को नए तरीके से प्रस्तुत करती हैं। रोमांस, एक्शन, कॉमेडी हर जॉनर में सहजता से ढल जाना उनकी खासियत है। इस खास मील के पत्थर को और भी खास बनाते हुए, कृति अब राणा नायडू 2 से अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। इस बार वे एक गहरे और जटिल किरदार में नज़र आएंगी, एक ऐसा रूप जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है।

मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा ने किया प्रोफेशनल मीट का आयोजन

मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक विश्व की सबसे बड़ी शक्ति के रूप में स्थापित होगा- नरेन्द्र शिवाजी पटैल

पहले 90 प्रतिशत रक्षा सामान आयात करते थे आज 70 प्रतिशत रक्षा उपकरण देश में बना रहे हैं- नरेन्द्र शिवाजी पटैल

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के आहवान पर जिला संगठन द्वारा प्रोफेसनल मीट का आयोजन स्थानीय सरस होटल में किया गया प्रोफेसनल मीट म.प्र.सरकार के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल के मुख्य आतिथ्य में भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक की अध्यक्षता में, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल, विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, महेन्द्र नागेश, पूर्व जिलाध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, वरिष्ठ नेता डॉ.अनंत दुबे, राजकुमार जैन की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुई। मीट को संबोधित करते हुए श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक विश्व की सबसे बड़ी शक्ति के रूप में स्थापित होगा। प्रधानमंत्री जी ने देश की राजनीति से भ्रष्टाचार और परिवारवाद को समाप्त करने का कार्य कर रहे हैं। मोदी जी का नेतृत्व भारत को हर क्षेत्र में वैश्विक रूप से पहचान और सम्मान दिला रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दुनिया का विश्वास जीतने का कार्य किया और राजनीति में नई संस्कृति विकसित की है। वे आत्मनिर्भर व विकसित भारत के संकल्प को पूरा कर रहे हैं। प्रदेश शासन के मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने अर्थव्यवस्था को गति देने का कार्य किया। वर्ष 2014 से पहले बैंकों का एनपीए 42 प्रतिशत था, आज सिर्फ 2.6 प्रतिशत रह गया है। वर्ष 2014 से पहले 90 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात करते थे, आज 70 प्रतिशत रक्षा उपकरण देश में बना रहे हैं। अब पाकिस्तान के अंदर घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियान सफलतम पूरे कर रहे हैं आजादी के बाद वर्षों तक देश में शासन करने वाली पार्टी की नीतियों और कार्यों से जम्मू-कश्मीर से करीब पांच लाख हिंदू पलायन कर गए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशवासियों में राष्ट्रवाद की भावना जागृत की, सेनाओं को सशक्त किया, इसका परिणाम यह है कि अलगाववादी बातें करने वाले लोग भी आज तिरंगे के नीचे खड़े होकर वंदे मातरम् का गायन करने लगे हैं। पहले भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार और परिवारवाद चरम पर था। प्रधानमंत्री जी ने राजनीति से भ्रष्टाचार और परिवारवाद को समाप्त कर रहे हैं। कांग्रेस कहती थी कि राम काल्पनिक हैं, उनके अस्तित्व को

नकारती थी। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के लिए 500 वर्षों तक संघर्ष चला। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी, इसके बाद अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर तैयार हो गया है और रामलला अयोध्या में विराजमान हैं। श्री मोदी जी ने देश की जनता में आशा जगाई और उसी का परिणाम है कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और आमजन में 2047 तक विकसित भारत बनने की उम्मीद जगी है। पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी देश की राजनीति से भ्रष्टाचार और परिवारवाद को समाप्त करने के लिए कार्य कर रहे हैं। भारत की राजनीति को भ्रष्टाचार और परिवारवाद मुक्त बना रहे हैं। 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जब देश की बागडोर संभाली और सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के कार्यों के साथ देश को हर क्षेत्र में आगे ले जाने का कार्य किया, और दुनिया का विश्वास जीतने का काम किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए आप सभी लोगों को अपने कार्यों के साथ देश व समाज के लिए आगे आना होगा, तभी यह संकल्प पूरा होगा। आप सभी समाज के अभिन्न अंग है आप समाज की सेवा के लिए सक्रिय राजनीति में आए हैं। प्रधानमंत्री जी किस प्रकार से देश को आर्थिक रूप से सशक्त बना रहे हैं, यह केंद्र सरकार की योजनाओं और नीतियों से स्पष्ट रूप से पता चलता है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत अब नया भारत बनकर तेजी से उभरा है। प्रोफेशनल मीट के अंत में प्रबुद्धजनो जनो से सुझाव कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम संयोजक महंत प्रीतमपुरी द्वारा उपस्थित प्रबुद्धजन डॉ.आर.के.नीखरा, डॉ.आशीष उपाध्याय, डॉ.हंसराज सिंह, डॉ.आलोक काशिव, चौधरी वीरेन्द्र पटैल, डॉ. प्रकाश जैन, पी.के.जैन, एड.रमेश नेमा, सतीश नेमा, लालसाहब जाट, सुनील कोठारी, अजय जैन, भारती कौरव, एस.के.चतुर्वेदी, रामगोपाल वर्मा, राकेश सोनी, गोपाल कुशवाहा, अशोक वर्मा, महेश नेमा आदि लोगो ने उपस्थित अतिथ्यों से संवाद किया एवं मोदी सरकार के 11 वर्षो के कार्यकाल पर अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त की साथ ही सरकार की कार्यपद्धति को लेकर सुझाव लिये गए एवं इन सुझावो को सरकार की कार्ययोजना में शामिल कराने हेतु आगे प्रेसित किये गए। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा ने बताया कि प्रोफेशनल मीट का संचालन राजकुमार जैन व आभार महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी द्वारा किया गया इस दौरान प्रोफेशनल मीट में इंजीनियर, डाक्टर, एडवोकेट, शिक्षाविद, प्रोफेसर, साहित्यकार, शिक्षक, उद्योगपति, ग्रेनमर्चेन्ट- व्यापारी- मेडिकल एशोसिएशन, पूर्व सैनिक, कर्मचारी संघ, पेंशनर समाज एवं विभिन्न संगठनो के प्रबुद्धजन सहित भाजपा पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

कृषि लोन जागरुकता अभियान के अंतर्गत ग्राम बिलौरी में शिविर सम्पन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)

कृषि लोन जागरुकता अभियान के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक किन्द्रहों द्वारा ग्राम बिलौरी में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य कृषि योजनाओं को किसानों तक पहुंचाना, नए प्रकरण के आवेदन प्राप्त करना एवं किसानों के बीच पहुचकर उनकी समस्याओं को सुनना था। शिविर में लीड बैंक मैनेजर नरेंद्र सोनी ने आचार्य विद्या सागर, बकरी पालन योजना के साथ कृषि प्रधान सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। किन्द्रहों शाखा प्रबंधक योगेन्द्र मीना ने किसान क्रेडिट कार्ड को समय पर नवीनीकरण करने के फायदे, ट्रैक्टर लोन, हार्वेस्टर लोन आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई। शिविर में ग्राम बिलौरी सरपंच महेंद्र पटेल, एफऔ एस राजा, ग्रामीणजन की मौजूदगी रही।

इंस्पायर अवार्ड मानक की कार्यशाला संपन्न

दमोह। महात्मा ज्योतिबा फुले शासकीय सांदीपनि विद्यालय दमोह में सत्र 2023-24 एवं 24-25 में चयनित 65 प्रतिभागी के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विषयों के विशेष विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया ताकि वह विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर सकें। इस सबंध में महात्मा ज्योतिबा फुले शासकीय सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य आर पी कुर्मी ने बताया जिला स्तरीय इंस्पायर अवार्ड मानक विज्ञान मेले का आयोजन 25 एवं 26 जून को सागर में किया जायेगा। पूर्व विद्यार्थियों के मॉडल गुणवत्तापूर्ण बनाने व इस पर मानक अवार्ड योजना के संदर्भ में विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। कार्यशाला में जिले के विभिन्न विकास खंडों से प्रतिभागी विद्यार्थी व उनके मार्गदर्शी शिक्षक उपस्थित रहे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर महाविद्यालय में हुआ आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

स्थानीय महाराणा प्रताप शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र इकाई एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर महाविद्यालय में व्याख्यान माला का आयोजन प्राचार्य डॉक्टर पी एस कौरव के मार्गदर्शन में एवं हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉक्टर जवाहरलाल शुक्ला के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. नीलेश शर्मा कम्प्यूटर विभाग, डॉ अर्चना शर्मा वनस्पति विभाग रहें, मुख्य वक्ताओं द्वारा बाल श्रम निषेध पर संविधान के नियमों एवं धाराओं के माध्यम से विद्यार्थियों को जानकारी उपलब्ध कराई इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रोफेसर पिंटूदास क्रीड़ाअधिकारी प्रो भूपेंद्र सिंह राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व छात्र रोहित दुबे, एवं महाविद्यालय के एम. ए. हिंदी साहित्य के विद्यार्थी धनवती जाटव, कुसुम, खुशबू साहू, शिवानी मेहरा, प्रतिभा राजपूत, चेष्टा भार्गव, ऋषभ कौरव, अमरदीप कौरव, राज सिंह ठाकुर, सुरेंद्र अहिरवार, इंद्रपाल, संध्या धानक, शिवानी लोधी, पलक गुर्जर, अर्चना मेहरा, सरिता मेहरा, आदि उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर दर्शन सिंह किरार के द्वारा किया गया ।

पेयजल स्त्रोतों के आसपास साफ सफाई

दमोह (स्वतंत्र मत)

एसडीएम हटा राकेश सिंह मरकाम द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत हटा क्षेत्र में पेयजल स्त्रोंतो के आसापास साफसफाईए क्लोरीनेशन का कार्य किया जा रहा हैं। इस सबंध में उन्होंने बताया पीएचई विभाग के द्वारा हटा उपखंड के अंतर्गत सभी ग्रामों के जल स्त्रोंतो यथा हेण्डपंपए बोरबेलए नल.जल योजनाओं एवं कुआ. बावड़ियों में क्लोरीनेशन का कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने ग्राम वासियों से आग्रह करते हुए कहा पेयजल स्त्रोंतो के

आसपास साफ सफाई एवं स्वच्छता रखी जाए।

गर्भवती पत्नी को चेकअप के लिए ले गया पति, नर्स ने इलाज से किया मना

शिकायत को लेकर नर्स ने बस में पति को पीटा, वीडियो वायरल,रनेह उपस्वास्थ्य केंद्र का मामला

हटा। सोमवार की शाम करीब चार बजे महेन्द्र सिंह लोधी निवासी मुहरा टपरियन जिला पन्ना अपनी पत्नि सपना लोधी को उपस्वास्थ्य केंद्र रनेह लेकर पहुंचा। उपस्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित नर्स नीलम यादव किसी काम से कहीं जा रही थी इसलिए उन्होंने एक दिन बाद आकर चैकअप कराने की सलाह दी लेकिन पत्नि की पीड़ा को देख पति ने तुरंत इलाज करने का आग्रह किया एवं इलाज ना करने पर शिकायत करने की धमकी दी। शिकायत की धमकी सुन नर्स आग बबूला हो गई और गाली गलौच करने लगी। यह देख पीड़ित पति अपनी पत्नि को लेकर बस से अपने गांव जाने चला गया लेकिन नर्स का गुस्सा कम नहीं हुआ। उन्होंने संबंधित बस से संपर्क कर बस को रुकवाया और पीड़ित की मारपीट शुरू दी। मारपीट का एक वीडियो किसी यात्री ने बना लिया। वीडियो में नर्स बस में बैठे एक यात्री के साथ मारपीट कर गाली गलौज करती देखी जा रही है, इतना ही नहीं बस के स्टाप ने भी यात्री के साथ मारपीट की। इस पूरे घटनाक्रम के बाद रनेह पुलिस को सूचना दी। रनेह पुलिस पीड़ित को थाना लेकर गई और गुंडागर्दी की सामान्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में एक दिन बाद पेश किया। न्यायालय से जमानत के बाद पीड़ित ने समस्त साक्ष्यों के साथ पुलिस अधीक्षक को एक लिखित शिकायती पत्र सौंपा जिसमें पूरी घटना के बाद पुलिस की बदसलूकी एवं रुपए मांगने एवं रुपए ना देने पर गंभीर मामलों में फंसाने का लेख किया गया है। इस संबंध में नर्स नीलम यादव का कहना है कि उक्त व्यक्ति स्वास्थ्य केंद्र पर शराब के नशे में उत्पाद मचा रहा था जिसकी शिकायत थाना में दर्ज कराई है। इस संबंध में रनेह थाना प्रभारी चंदन सिंह का कहना है कि नर्स की शिकायत पर एक व्यक्ति को पकड़ा था।

निर्माणधीन ओवर ब्रिजों में ना हो यातायात बाधित : पवन पटेल

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

रेलवे क्रॉसिंग पर लगातार जाम से निजात दिलाने के लिए सरकार ने शहरों एवं ग्राम में स्थित रेलवे लाइनों के ऊपर ओवर ब्रिजो के निर्माण की आधारशिला रखी है। रेलवे क्रॉसिंगो पर रहगीरों को यात्रा में अधिक समय खराब ना हो। रेलवे क्रॉसिंग पर मध्य प्रदेश सेतु निगम के माध्यम से निर्माण हो रहे ओवर ब्रिज निर्माण कार्यों के दौरान यात्रिओ हो रही समस्याओं के समाधान के लिए भाजपा नेता पवन पटेल ने क्षेत्रीय सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव, सेतु निगम के अधिकारी एवं कलेक्टर नरसिंहपुर,नर्मदापुरम को पत्र लिखकर ईमेल के माध्यम से अवगत कराया है कि जिले में स्थित रेलवे लाइनों पर मध्य प्रदेश सेतु निगम के माध्यम से ओवर ब्रिजो का निर्माण किया जा रहा है। जो इस प्रकार है।1. गाडरवारा चीचली रेलवे लाइन क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज का काम धीमी गति से चल रहा है एवं गुणवत्ता अनुसार नहीं है। विगत 5 वर्षों से निर्माणधीन है। कार्य में तेजी लाई जाए।2. इसी प्रकार मानकवाड़ा रेलवे क्रॉसिंग लाइन के ऊपर निर्मित ओवरब्रिज की सर्विस रोड पर मिट्टी डली हुई है। असमय वर्षा होने पर आने जाने में राहगीरों असुविधा ना हो। रोड पर एम सैंड गिट्टी डलवाए। 3. सालेचौका रेलवे क्रॉसिंग ओवर ब्रिज निर्माण में भी आने जाने में यात्रियों को परेशानी ना हो। 4. नर्मदापुरम जिले में नगर बनखेड़ी रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माण अधीन ओवर ब्रिज। बारिश के पूर्व संबंधित नरसिंहपुर एवं नर्मदापुरम जिले में मध्य प्रदेश सेतु निगम में निर्माण करने वाले ठेकेदारों को निर्देशित किया जाए। बारिश में आने जाने में यात्रियों को परेशानी ना हो।आवागमन सुचारू हो।

मजदूरी करके अपने परिवार का भरण- पोषण करने वाली श्रीमती सोनी बनी आत्मनिर्भर

आजीविका मिशन के माध्यम से सिलाई कार्य को बढ़ाया

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए कई योजनायें संचालित कर रही है। इन योजनाओं से जुड़कर एवं लाभ पाकर जिले की कई महिलायें सशक्त होकर सफलता की नई इबारत लिख रही हैं। शासन की यह योजनायें महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रही है। महिलायें आजीविका मिशन से जुड़कर न केवल स्वयं सशक्त हो रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्तर भी ऊंचा उठा रही हैं। इन्हीं महिलाओं में जिले की सांईखेड़ा विकासखंड के ग्राम जमाड़ा के शक्ति स्वसहायता समूह की श्रीमती सुशीला सोनी है, जिन्होंने स्वसहायता समूह के माध्यम से अपनी सिलाई के कार्य को आगे बढ़ाया और सफलता की नई इबारत लिखी। आज श्रीमती सोनी करीब 10 से 12 हजार रुपये की मासिक आय अर्जित कर रही हैं। समूह से जुड़ने के पश्चात उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है तथा परिवार की मासिक आय में पहले से काफी बढ़ोत्तरी हुई है। वे बहुत खुश हैं और कहती हैं कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। यह सब उनके द्वारा संचालित स्वसहायता समूह के माध्यम से हो पा रहा है। ग्राम जमाड़ा की श्रीमती सुशीला सोनी आजीविका

मिशन से जुड़ने के पहले की कहानी बताती हैं कि उनकी 3 बेटी और एक बेटा है। उनके पति श्री दीनदयाल सोनी मजदूरी करके परिवार का भरण- पोषण करते थे। मजदूरी से जो पैसा मिलता था उससे उन्हें और उनके परिवार का जीवन यापन होता था। इतनी कम आय से उनकी गरीबी कम नहीं हुई और आवश्यकतायें बढ़ने लगी। आय न होने के कारण आर्थिक स्थिति खराब होने लगी। पहले उनके पति ही मजदूरी करते थे, अब वे स्वयं भी मजदूरी करने लगी। इससे कुछ राहत तो मिली लेकिन उनके पास कोई स्थायी आय का साधन उपलब्ध नहीं था। मजदूरी रोज- रोज भी नहीं मिल पाती थी। इसी दौरान उन्हें स्वसहायता समूह के महत्व की जानकारी प्राप्त हुई। ग्राम जमाड़ा में वर्ष 2018 में आजीविका मिशन के द्वारा शक्ति स्वसहायता समूह के गठन का कार्य किया जा रहा था। उन्हें जानकारी प्राप्त होते ही महिलाओं ने संगठित होकर शक्ति स्वसहायता समूह का गठन किया। समूह द्वारा सर्वप्रथम आजीविका मिशन से प्राप्त चक्रीय राशि में से 15 हजार रुपये का छोटा ऋण लिया। इसके उपरांत उन्होंने बचत राशि से 30 हजार रुपये लिये, जिसके द्वारा उन्होंने अपनी कपड़ा सिलाई के कार्य को आगे बढ़ाया। सिलाई कार्य से अब उन्हें हर माह लगभग 10 से 12 हजार रुपये की आय होने लगी। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया और मजदूरी का काम बंद कर अपना स्थायी स्वरोजगार प्राप्त हुआ। वे कहती हैं कि समूह से जुड़ने के बाद उनकी सबसे बड़ी बेटी की शादी धूमधाम से की और बाकी दो बेटियां और एक बालक पढ़ाई कर रहे हैं। समूह से जुड़कर जीवन में आए बदलाव के लिए वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यादव का हृदय से आभार व्यक्त कर उन्हें धन्यवाद देती हैं। साथ ही स्वसहायता समूह के कार्यों की प्रशंसा भी करती हैं।

औद्योगिक इकाईयां फायर एनओसी के नियमों का सख्ती से करें पालन

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड और जिला स्तरीय निर्यात समिति की बैठक आयोजित

औद्योगिक क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का किया जाएगा विकास और विस्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने औद्योगिक इकाईयों और फैक्ट्रियों के संगठन के पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों से कहा कि वे शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए फैक्ट्रियों और कारखानों में तय मानकों के मुताबिक फायर एनओसी के नियमों का सख्ती से पालन करें। कलेक्टर ने दो-टूक लहजे में कहा कि जिन औद्योगिक इकाईयों के पास अस्थायी फायर एनओसी नहीं है, उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने यह बात गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड और जिला स्तरीय निर्यात समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, वनमंडलाधिकारी गौरव शर्मा और जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत भी मौजूद रहे। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि बीते दिनों औद्योगिक क्षेत्र लमतरा की औद्योगिक इकाई मे हुई आगजनी की घटना के मद्देनजर ऐहतियातन जिले की सभी फैक्ट्रियों और कारखानों में फायर सुरक्षा की जांच हेतु एसडीएम कटनी की अध्यक्षता में टीम गठित की गई है। कलेक्टर ने पहले भी औद्योगिक इकाईयों में हुई आगजनी की घटना के बाद एमपीआईडीसी सहित अन्य विभागों द्वारा की गई कार्यवाहियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी औद्योगिक इकाईयों को फायर सुरक्षा के नियमों, उपकरणों आदि की जानकारी देने के लिए निगमायुक्त को एक सप्ताह के भीतर सभी औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधियों की कार्यशाला आयोजित कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निगमायुक्त को निर्देशित किया कि सभी कारखानों और फैक्ट्रियों से फायर एनओसी का प्रतिवेदन भी लें। उद्योग संगठन के प्रतिनिधियों ने औद्योगिक क्षेत्र लमतरा मे पार्किंग व्यवस्था, सुलभ शौचालय व सामुदायिक भवन की आवश्यकता बताई। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्र में पानी, बिजली, सड़क एवं नालियों की मूलभूत जरूरतों को विकसित करने में संबंधित ठेकेदार द्वारा रूचि नहीं लिए जाने की जानकारी दिए जाने पर कलेक्टर ने कहा कि कार्य नहीं करने वाले ठेकेदार के विरूद्ध ब्लैक लिस्टेड करने की कार्यवाही करते हुए नियमानुसार निगमायुक्त की मदद से ठेकेदार को परिवर्तित करने की प्रक्रिया शुरू करें। बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों में चोरियों की बढ़ती घटनाओं पर चर्चा के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने कहा कि आप सब ऐसे चिन्हित स्थलों में सीसीटीवी कैमरे भी लगवायें। पुलिस द्वारा भी यहां की पेट्रोलिंग कर गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाएगी। कलेक्टर ने औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों से कहा कि कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी मद से सभी लोग मिलकर खुद का फायर ब्रिगेड खरीदने की पहल करें। इसके लिए आपस में सलाह मशविरा कर प्रभावी और सार्थक पहल की जाय। उद्योगपतियों से प्राप्त सुझाव के आधार पर कलेक्टर ने सभी कबाड़ियों का आधार सत्यापन करवाने निगमायुक्त को निर्देशित किया। बैठक में इसके अलावा जिला पंजीयक कार्यालय के सामने अमकुही रोड पर अस्त-व्यस्त ट्रैफिक व्यवस्था को दुरूस्त करने का भी सुझाव मिला। जिस पर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने जल्द ही इस समस्या का निराकरण करने आश्वस्त किया। औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि जिले में अधिकांश फैक्ट्रियों और कारखानों के भवन पुराने हैं। इसलिए उनको फायर सुरक्षा के मानकों के हिसाब से मॉडिफाई करने की जरूरत है। जिस पर कलेक्टर ने निगमायुक्त को निर्देशित किया कि वे कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ इंजीनियरों और फायर सुरक्षा के विशेषज्ञ प्रबंधकों द्वारा लोगों को सशुल्क सुविधायें उपलब्ध कराने की व्यवस्था करें। साथ ही इन विशेषज्ञों को कार्यशाला में भी आमंत्रित करें। बैठक में बताया गया कि एक जिला एक उत्पाद का जिला स्तरीय एक्शन प्लान अनुमोदित होकर निर्यात समिति द्वारा ऑनलाईन कर दिया गया है। कलेक्टर ने बैठक में विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री डीएम चौकीकर को आद्योगिक क्षेत्र लमतरा, बरगवां आदि क्षेत्रों में बिजली से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में औद्योगिक संगठनों ने कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन की टीम द्वारा लमतरा औद्योगिक क्षेत्र में लगी आग को बुझाने हेतु किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन की त्वरित कार्यवाही से ही आग को नियंत्रित कर बुझाया जा सका। बैठक में सभी संगठनों ने राज्य शासन द्वारा आयातित तुअर दाल से मंडी टैक्स हटाये जाने के फैसले के प्रति मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार जताया। सभी ने कहा कि कटनी के दाल मिलर्स की अर्से से लंबित मंडी टैक्स में राहत की मांग को राज्य शासन ने स्वीकार कर उद्योग हित में निर्णय लिया है। इससे मिलर्स मे हर्ष व्याप्त है। बैठक में एसडीएम कटनी प्रदीप कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग दिनेश मर्सकोले, सचिव मध्यप्रदेश लघु उद्योग संघ सुधीर कुमार मिश्रा, जिला उद्योग संगठन के अध्यक्ष मनीष गेई, अध्यक्ष मध्यप्रदेश रिफैक्ट्रीज एसोसिएशन अरविंद गुगालिया सहित सहायक प्रबंधक राजेश पटेल, रंजीत सिंह गौतम, नगर निगम आयुक्त नीलेश दुबे सहित औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी व प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

किसानों को अब तक हुआ 361 करोड़ का भुगतान

कलेक्टर भुगतान और परिवहन की कर रहे हैं नियमित समीक्षा

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में समर्थन मूल्य पर इस वर्ष 1 लाख 39 हजार 381 मीट्रिक टन रिकॉर्ड गेहूँ समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है। जबकि बीते साल इसी अवधि में 1 लाख 18 हजार 35 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया था। इस प्रकार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में पिछले साल की तुलना में 118 फीसदी से अधिक गेहूँ की खरीदी हुई है। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने अधिकारियों को सभी किसानों को शत-प्रतिशत भुगतान करानें और उपार्जित गेहूँ का तत्काल परिवहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

किसानों को हुआ 361 करोड़ का भुगतान- कलेक्टर द्वारा उपार्जित गेहूँ का किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित कराने की जा रही निरंतर समीक्षा की वजह से अब तक 361.44 करोड़ रूपये का किसानों को भुगतान किया जा चुका है। शेष लंबित राशि का भी भुगतान किसानों को जल्दी ही सुनिश्चित कराने के निर्देश कलेक्टर ने दिए हैं। कलेक्टर ने समिति स्तरीय और गोदाम स्तरीय उपार्जन केन्द्रों में लंबित गेहूँ के परिवहन कार्य में तेजी लाने अधिकारियों को निर्देशित किया है। जिले में इस वर्ष 2425 रूपये प्रति क्विंटल और 175 रूपये बोनस राशि को मिलाकर किसानों से 2600 रूपये प्रति क्विंटल के मान से गेहूँ की खरीदी की गई। जबकि पिछले साल 2400 रूपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन किया गया था।

गेहूँ उपार्जन में बहोरीबंद रहा अव्वल- गेहूँ खरीदी के मामले में बहोरीबंद तहसील अग्रणी रहा। यहां इस वर्ष 5115 कृषकों से 34 हजार 523 मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जित किया गया। गेहूँ उपार्जन के मामले में ढीमरखेड़ा तहसील दूसरे स्थान पर रहा। जहां 4767 किसानों से 28 हजार 787 मीट्रिक टन गेहूँ खरीदा गया। वहीं तीसरे स्थान पर जिले की विजयराघवगढ़ तहसील रही। जहां 2884 किसानों ने 20 हजार 699 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की। इसी प्रकार स्लीमनाबाद तहसील गेहूँ खरीदी के मामले में जिले में चौथे स्थान पर रहा। जहां 2002 किसानों ने 15 हजार 14 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की है। इसके अलावा रीठी तहसील जिले में पांचवे स्थान पर रहा। जहां के 1819 किसानों ने 11 हजार 148 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की। वहीं कटनी ग्रामीण एवं कटनी नगर संयुक्त रूप से छठवें स्थान पर रहा। जहां 1500 किसानों ने 10 हजार 792 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की। जबकि बड़वारा तहसील सातवें पायदान पर रही। जहां इस वर्ष 1520 किसानों ने 9 हजार 239 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की। जबकि बरही तहसील के 1554 किसानों ने 9 हजार 178 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री किया है। इस प्रकार बरही गेहूँ उपार्जन के मामले में जिले में अंतिम पायदान पर रहा।

बेतवा एक्सप्रेस में चोरी का आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। चलती ट्रेनों, प्लेटफार्म और आउटर इलाकों में हो रही चोरी और लूट की घटनाएं हो रही हैं। बदमाश बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। इस मामले में जीआरपी लगाम नहीं लग पा रही। हालांकि चोरी के एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। जीआरपी टीम ने बेतवा एक्सप्रेस में हुई लाखों की चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जीआरपी थाना प्रभारी एलपी कश्यप ने बताया कि राजेश कुमार पिता स्व. हनुमान प्रसाद निवासी ट्रैफिक चौक कर्वी, चित्रकूट उत्तर प्रदेश ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 15 जनवरी को वे पत्नी और परिवार के साथ ट्रेन नंबर 18204 बेतवा एक्सप्रेस के कोच नंबर बी-6 की बर्थ नंबर 17, 18, 19, 20 में यात्रा कर रहे थे। वे चित्रकूट धाम कर्वी से रायपुर जा रहे थे। इस दौरान जब ट्रेन अमदरा स्टेशन के पास पहुंची, तभी अज्ञात बदमाश ने पत्नी का लेडीज हैंडबैग चोरी कर लिया। उस बैग में एक मोबाइल, 14 हजार रुपए नकद, एक सोने की चेन, एक सोने का मंगलसूत्र और चार सोने की अंगूठियां थीं। चोरी गए सामान की कीमत लगभग 2 लाख रुपए थी। प्रकरण में जीआरपी ने मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। जांच के दौरान 9 जून को टीम ने आरोपी अजय कोल निवासी टिसिगिरी थाना अमदरा मैहर को चिन्हित कर गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से चोरी गया बैग और उसमें रखे गए सभी जेवरात एक सोने का मंगलसूत्र, एक सोने की चेन और चार सोने की अंगूठियां बरामद कर लिए गए। आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

हेमू कालाणी वार्ड में 46 लाख रुपए की लागत से होने वाले चार विकास कार्यों का भूमिपूजन संपन्न

सुगम आवागमन के साथ उपलब्ध होगी बेहतर होगी जल निकासी की व्यवस्था

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर विकास की दिशा में एक ओर महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए नागरिकों को सुगम यातायात की सुविधा सहित स्वच्छता के लिए बेहतर जल निकासी व्यवस्था हेतु बुधवार को महापौर प्रीति संजीव सूरी ने हेमू कालाणी वार्ड के नागरिकों को लगभग 46 लाख रुपए के चार विकास कार्यों की सौगात दी। इस दौरान महापौर ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, निगम पार्षदों, एवं गणमान्य नागरिकों के साथ मिलकर विकास कार्यों का भूमिपूजन कर वार्डवासियों को विकास कार्यों की शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम में मेयर इन काउंसिल सदस्य सर्व सुभाष साहू, डॉ. रमेश सोनी, उमेन्द्र ओमी अहिरवार, विनोद लाला यादव सहित पूर्व भाजपा अध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी, अश्वनी पांडेय, मंडल अध्यक्ष सौरभ अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

आगे भी जारी रहेगा विकास कार्य का सिलसिला-महापौर- महापौर प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि नागरिकों के सुगम आवागमन हेतु राय कालोनी में 27.18 लाख रुपए की लागत से विभिन्न मार्गों के डामरीकरण कार्य के साथ ही जलभराव की समस्या के निराकरण हेतु लगभग 19 लाख रुपए से वार्ड के तीन स्थलों में नाली निर्माण कराकर ड्रेनेज सिस्टम को और भी बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे है। नगर में विकास कार्यों का सिलसिला अनवरत जारी है। शासन के सहयोग और आप सभी के आशीर्वाद से नगर विकास की यह यात्रा आगे भी निरंतर जारी रहने की बात महापौर ने कही।

गुणवत्ता पर रखें नजर- महापौर ने कहा कि विकास कार्य गुणवत्ता पूर्ण हो तथा इसका लाभ आप सभी को लंबी अवधि तक प्राप्त हो इस हेतु निर्माण कार्य के दौरान आप भी कार्य की गुणवत्ता पर नजर रखे और कही भी शिकायत मिलने पर नगर निगम कार्यालय को अवश्य सूचित करें।

महापौर ने अपना वादा किया पूरा - विदित हो कि महापौर प्रीति संजीव सूरी द्वारा क्षेत्रीय पार्षद के साथ वार्ड की राय कालोनी एवं विभिन्न स्थलों के निरीक्षण के दौरान राय कालोनी में सड़क निर्माण एवं वार्ड के विभिन्न स्थलों की जल निकासी की समस्या से रूबरू होते हुए शीघ्र ही इस समस्या के निराकरण किए जाने का वादा क्षेत्रीय जनों से किया था। जिसका बुधवार को महापौर ने भूमिपूजन कर नागरिकों से किया अपना वादा पूरा कर दिया। सुगम यातायात और जल निकासी की इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए वार्डवासियों द्वारा महापौर एवं वार्ड पार्षद माखीजा का पुष्पमाला से स्वागत किया जाकर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान महापौर प्रीति संजीव सूरी द्वारा कुंदन दास स्कूल के सामने ग्राउण्ड में कराये गए पेवर ब्लॉक फ्लोरिंग कार्य का लोकार्पण भी किया।

यातायात एवं जल निकासी की व्यवस्था होगी सुगम-पार्षद-वार्ड पार्षद एवं एमआईसी सदस्य सुमन राजू माखीजा ने बताया कि राय कालोनी के विभिन्न मार्गों में डामरीकरण होने से कालोनी के नागरिकों को जहां एक ओर सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। वहीं दूसरी ओर माधव नगर में अतिवर्षा के दौरान क्षेत्रीय नागरिकों को जो जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ता था।

इनकी रही मौजूदगी- भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक सर्व हीरा पोपटानी, अजीत रिझवानी, अनमोल मंगवानी, घनश्याम आहूजा, पुष्पा नारंग, मीना राजवानी, ओमप्रकाश मगवानी अशोक रंगवानी, दीपक रस्तानी, अंजू जैसवानी, ज्योति नागवानी, प्रताप राय, यू.पी.सिंह, किशोर गुप्ता, एस.पी. गुमास्ता, सुभाष सिंह, प्रियंक सहित मातृ शक्ति प्राची अगवानी, रानी दुबे,

पुलिस अभिरक्षा से फरार आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी के आदेशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस स्लीमनाबाद के दिशा निर्देशन मे थाना बाकल के पुलिस की अभिरक्षा से 05 जून को फरार आरोपी दौलत चौधरी पिता प्रहलाद चौधरी नि. कुम्हारी थाना कुम्हारी जिला दमोह को टीम बनाकर बनाकर त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्परता से जांच शुरू की और विभिन्न संभावित स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। सायबर सेल की मदद से तकनीकी और मानवीय स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी के आधार पर थाना बाकल पुलिस टीम ने द्वारका गुजरात पहुची, जहां आरोपी की तलाश स्थानीय मजदूरो के ठेकेदारो से की गई जहां आरोपी दौलत चौधरी पुनः भागने के ईरादे से द्वारका के तटीय स्थान ओका मे जाकर छिप गया था व ट्रेन से गुजरात से बाहर जाने की तैयार कर रहा था जो आरोपी रेवले स्टेशन पहुचा, जहां दिल्ली जाने वाली ट्रेन निकल चुकी थी। आरोपी थककर रेलवे स्टेशन में सो रहा था। तभी थाना बाकल पुलिस टीम ने अपनी सूझबूझ से स्थानीय बस स्टैण्ड, द्वारका रेलवे स्टेशन मे आधी रात मे तलासी ली गई । जहां कोने मे आरोपी दौलत चौधरी सोते मिला, जिससे नाम पूछने पर आरोपी ने अपना दौलत चौधरी नि. कुम्हारी का बताने से आरोपी को अभिरक्षा मे लेकर थाना आई। जहां आरोपी से घटना की मंशा के बारे मे पूछताछ की जा रही है। एवं घटना मे संलिप्त मददगारो की पूछताछ की जा रही है। जो जानकारी प्राप्त होने बाद आरोपी के विरूद्ध विधिवत कार्यवाही की जावेगी।

आचार्य कृपलानी वार्ड में डायमंड स्कूल के पास 13.26 लाख की लागत से होने वाले विकास कार्य का भूमिपूजन संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर के चहुंमुखी विकास को दृष्टिगत रखते हुए नगर के प्रत्येक वार्डो में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य कराए जा रहे है। हमारा यही प्रयास है कि प्रत्येक वार्ड के नागरिकों को सुगम आवागमन हेतु पक्की सड़कों के साथ ही बेहतर से बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होए उक्त उद्गार गुरूवार को महापौर प्रीति संजीव सूरी ने आचार्य कृपलानी वार्ड में 13.26 लाख रूपये की लागत से कराए जानें वाले विकास कार्यों के भूमिपूजन के दौरान व्यक्त किए। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य सर्व सुभाष शिब्बू साहू, सुरेन्द्र गुप्ता, डॉ. रमेश सोनी, सुमन राजू माखीजा, क्षेत्रीय पार्षद ईश्वर बहरानी इशू भैया, वंदना राजकिशोर यादव, उमेन्द्र ओमी अहिरवार, पूर्व पार्षद कमलेश चौधरी, राजू माखीजा सहित माधवनगर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही। महापौर ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि विकास कार्य अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है तथा नगर निगम द्वारा नगर में निरंतर विकास कार्य कराए भी जा रहे है। वार्ड में गोवर्धन दास कुकरेजा के भवन से डायमंड स्कूल तक के मार्ग का डामरीकरण होने से क्षेत्रीय नागरिकों सहित डायमंड स्कूल आने-जाने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। आपने निर्माण एजेंसी के ठेकेदार एवं क्षेत्रीय उपयंत्री को निर्धारित मानक के अनुरूप ही विकास कार्य करने के निर्देश दिए। ताकि नागरिकों को लंबे समय तक उनकी सुविधा प्राप्त हो सके। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष डायमंड स्कूल प्रकाशचंद्र टहलरमानी, सिंधु सेवा मंडल अध्यक्ष ईश्वरदास पोपटानी, सचिव पृथ्वीराज वीरवानी, राम रख्यानी, किशन नारंग, रूपचंद बहरानी, प्रकाश चंद वाधवानी, हरीश आहूजा, गोविंद कुकरेजा, हरीश आहूजा, खियल चावला सहित अन्य नागरिकों व क्षेत्रीय उपयंत्री जायेन्द्र प्रताप सिंह बघेल की मौजूदगी रही।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जन आधारित पारदर्शी शासन की प्रतीक बनी: कविता पाटीदार

कटनी (स्वतंत्रमत)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जन-आधारित और पारदर्शी शासन की प्रतीक है, जिसने बीते 11 वर्षों में आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी है। इसी कारण हम विकसित भारत और अमृतकाल को जमीन पर उतरते हुए देख रहे हैं। यह विचार भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 2047 विकसित भारत के संकल्प से सिद्धि के गौरवशाली 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर राज्यसभा सांसद तथा भाजपा प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते व्यक्त किये। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दीपक सोनी टण्डन, जिला प्रभारी संजय साहू, विधायक संदीप जायसवाल, महापौर प्रीति सूरी, निगमाध्यक्ष मनीष पाठक, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रामरतन पायल, पीताम्बर टोपनानी, जिला महामंत्री सुनील उपाध्याय, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी आशुतोष शुक्ला मंचासीन थे। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री एवं सांसद कविता पाटीदार ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत ने गरीब और जन कल्याण के अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार रिफॉर्म, परफार्म और ट्रांसफार्म की अवधारणा को चरितार्थ कर रही है। वर्ष 2014 से पहले देश तुष्टिकरण और विभाजन की राजनीति में डूबा था, लेकिन मोदी के नेतृत्व में अब पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस की संस्कृति स्थापित हुई है। अब न्यू नॉर्मल, न्यू ऑर्डर बन चुका है। आज देश की जनता भी कह रही है कि मोदी हैं तो मुमकिन है। आम आदमी की सोच बन गई है कि मोदी समस्याओं का समाधान करेंगे। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रहित में अनुच्छेद 370 को हटाना, तीन तलाक को खत्म करन, नया वक्फ कानून और सीएए लागू करना तथा विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण जैसे साहसिक और ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में अब निर्णायकता और आक्रामकता एक न्यू नॉर्मल बन गई है। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक छवि को दुनिया भर में स्थापित किया है। पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने एससी-एसटी-ओबीसी समेत समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। महिलाओं को नेतृत्व में लाने के लिए उन्हें सेना, शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के हर क्षेत्र में अवसर दिए गए हैं। देश नक्सलवाद के खात्मे की ओर बहुत तेजी से बढ़ रहा है। केंद्र सरकार ने एससी-एसटी-ओबीसी समेत समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। आर्थिक अनुशासन लाने के लिए मोदी सरकार ने योजनाबद्ध ढंग से फैसले लिए। आर्थिक दूरदर्शिता का परिणाम यह है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत अब चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। जिला अध्यक्ष दीपक टण्डन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार में लखपति दीदी योजना और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। समाज के वे वर्ग, जिन्हें पहले केवल नजरअंदाज किया जाता था, उन्हें केंद्र में लाकर भरोसा दिया गया है। विधायक संदीप जायसवाल ने कहा कि एससी, एसटी, ओबीसी और महिलाएं, इन सभी की मुख्यधारा में भागीदारी सुनिश्चित की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ अनुच्छेद-370 को हटाकर असंभव दिखने वाले काम को संभव कर दिखाया। महापौर प्रीति सूरी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश का दुनिया मे सम्मान बढ़ा तो वहीं ऑपरेशन सिंदूर के जरिये दुश्मनों को कड़ा संदेश दिया गया कि जो देश की तरफ आंख उठा कर देखेगा उसको उसी भाषा मे समझाया जाएगा। निगमाध्यक्ष मनीष पाठक ने कहा 11 साल में आज भारत देश की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। यह गौरव का पल है। पत्रकार वार्ता को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य द्वय रामरतन पायल तथा पीताम्बर टोपनानी ने भी सम्बोधित करते हुए 11 वर्ष की उपलब्धियों को बताया इससे पहले एक डाक्यूमेंट्री के माध्यम से प्रमुख उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। संचालन जिला मीडिया प्रभारी आशुतोष शुक्ला व आभार जिला महामंत्री सुनील उपाध्याय ने

पैट कमिंस का कहर, अफ्रीका की पारी 138 पर सिमटी, ऑस्ट्रेलिया को बड़ी बढ़त

लॉर्ड्स।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल मैच ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन टॉस जीतकर साउथ अफ्रीका ने पहले गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 212 रन पर ऑल आउट कर दिया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने भी गेंदबाजी में दम दिखाया और साउथ अफ्रीका की धज्जियां उड़ा दी। ऑस्ट्रेलिया के गजब कमबैक में उनके कप्तान पैट कमिंस ने अहम भूमिका निभाई। साउथ अफ्रीका 138 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के पास अब 74 रन की बढ़त है।

पैट कमिंस ने लिए 6 विकेट

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की पहली पारी में गजब गेंदबाजी की और पंजा खोलते हुए 6 विकेट ले लिए। कमिंस ने 18.1 ओवर में सिर्फ 28 रन दिए और 6 खिलाड़ियों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। पैट कमिंस ने वियान मुल्डर, टेम्बा बावुमा, डेविड बेडिंघम, काइल वेरेनिन, मार्को यानसन और कागिसो रबाडा का शिकार किया। खेल के दूसरे दिन 6 में से 5 विकेट पैट कमिंस ने लिए।

कमिंस के 300 टेस्ट विकेट भी हुए पूरे

इस शानदार परफॉर्मेंस के साथ पैट कमिंस ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट भी पूरे कर लिए हैं। वह टेस्ट में 300 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया की तरफ से आठवें गेंदबाज बन गए हैं। बता दें कि पैट कमिंस ने 2011 में टेस्ट में डेब्यू किया था उसके बाद 6 साल तक वह ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम से दूर रहे थे। कमिंस ने अपने करियर का दूसरा टेस्ट फिर 2017 में खेला था।

साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज हुए पूरी तरह से फ्लॉप

साउथ अफ्रीका की बल्लेबाजी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिनप के फाइनल की पहली पारी में पूरी तरह से फ्लॉप हो गई। टॉप ऑर्डर पूरी तरह से फ्लॉप रहा। साउथ अफ्रीका ने डिफेंसिव अप्रोच अपनाई, जिससे वह दबाव में आ गए। अफ्रीका के लिए सर्वाधिक 45 रन डेविड बेडिंघम ने बनाए। इसके अलावा कप्तान टेम्बा बावुमा ने भी 36 रन की पारी खेली।

खिलाड़ियों को तराशने के लिए टेनिस बाल क्रिकेट है अहम : वेंकटेश

दिल्ली, (वार्ता)। पूर्व भारतीय तेज़ गेंदबाज़ और लेजेंजजी टी10 लीग के चेयरमैन वेंकटेश प्रसाद ने टेनिस बॉल क्रिकेट की अहम भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह प्रारूप भविष्य के सितारों को तराशने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। टेनिस बॉल क्रिकेट लीग लेजेंजजी टी10 का शुभारंभ दो जून को हुआ था। टेनिस बॉल क्रिकेट को लेकर वेंकटेश प्रसाद ने बताया कि कैसे दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ियों ने अपने शुरुआती दिनों में टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर अपनी तकनीक निखारी। उन्होने कहा टेनिस बॉल क्रिकेट खिलाड़ियों को तराशने में बड़ी भूमिका निभाता है। दुनिया के कई टॉप खिलाड़ियों ने इसी प्रारूप में कट, पुल जैसे शॉट्स और तेज़ रिफ्लेक्स जैसी स्किल्स सीखी हैं, बल्कि मैं खुद भी टेनिस बॉल क्रिकेट खेलकर बड़ा हुआ हूं, और मुझे पता है कि ज़मीन स्तर पर कितना जबरदस्त टैलेंट छुपा हुआ है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश से टूट के बिखर गए हरभजन सिंह, दिया इमोशनल बयान

नई दिल्ली।

अहमदाबाद में आज बहुत ही दुखद हादसा हुआ। लंदन गेटविक के लिए उड़ा एयर इंडिया का विमान कुछ ही मिनटों में क्रैश कर गया। प्लेन में 242 पैसेंजर मौजूद थे। इस घटना से पूरा देश हिल गया। वहीं अब इस पूरे मामले पर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। हरभजन सिंह ने कहा, मुझे यह जानकर गहरा सदमा और दुख हुआ है कि अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं जो इस अकथनीय दर्द और क्षति से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में, शब्द अपर्याप्त लगते हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि प्रभावित लोगों को शक्ति, साहस और समर्थन मिलेगा। इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है।

इरफान पठान ने भी दी प्रतिक्रिया

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सिर्फ हरभजन सिंह ही नहीं बल्कि इरफान पठान समेत अन्य भारतीय क्रिकेटर्स ने भी एक्स पर ट्वीट किया है। इरफान पठान ने ट्वीट करते हुए एक्स पर लिखा, आज अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे से गहरा दुख हुआ है। यात्रियों, क्रूमेंबर और उनके परिवारों के लिए प्रार्थनाएं।

हॉकी में भारत को अर्जेंटीना से मिली नजदीकी हार

एम्स्टेलवीन (वार्ता)। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 में शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद भारतीय टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ 3-4 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। नीदरलैंड के वैगनर हॉकी स्टेडियम में भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह (12', 33') ने दो गोल किए, जबकि अभिषेक (42') ने तीसरा गोल किया। अर्जेंटीना के लिए बुधवार रात को मटियास रे (3'), लुकास मार्टिनेज (17'), सैंटियागो तराज़ोना (34') और लुसियो मेंडेज़ (46') ने गोल किए।

रोमानिया ने साइप्रस को 2-0 से हराया

बुखारेस्ट (वार्ता)। रोमानिया ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर के ग्रुप एच में बुखारेस्ट के नेशनल एरिना में साइप्रस पर 2-0 से जीत हासिल की। पहले हाफ में फ्लोरिन तानसे और डेनिस मैन के गोल ने रोमानिया की जीत को आसान बना दिया। वह ग्रुप में शीर्ष स्थान के लिए दावेदारी में बना हुआ है। तानसे ने 43वें मिनट में मैन द्वारा शुरू किए गए तेज जवाबी हमले के बाद स्कोरिंग खोली। हाफटाइम से ठीक पहले, मैन ने डेनिस ड्रैगस के साथ एक शांत फिनिश के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया।

रोहित-विराट और अश्विन के बिना गौतम गंभीर ने टीम इंडिया में फूंकी जान

नई दिल्ली।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अपनी टीम से अपने 'कम्फर्ट जोन' (सहज स्थिति) से बाहर निकलने और संन्यास ले चुके स्टार खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा तथा आर अश्विन की अनुपस्थिति में इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज को 'यादगार' बनाने को कहा। भारत 2007 के बाद इंग्लैंड में अपनी पहली सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा। दोनों टीम के बीच पांच मैच की टेस्ट सीरीज 20 जून को लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी।

गंभीर ने अपने प्लेयर्स का यूं बढ़ाया हौसला

गंभीर ने 'बीसीसीआई.टीवी' से अश्विन, रोहित और कोहली के हाल ही में संन्यास का जिक्र करते हुए कहा, 'इस दौरे को देखने के दो तरीके हैं। एक तो यह कि हम अपने तीन सबसे अनुभवी खिलाड़ियों के बिना हैं या हमें देश के लिए कुछ खास करने का यह अभूतपूर्व अवसर मिला है।' भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि वह शुभमन गिल की अगुवाई वाली मौजूदा टीम में कुछ खास हासिल करने के लिए 'जुनून और प्रतिबद्धता' महसूस कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'जब मैं इस समूह को देखता हूं तो मुझे कुछ खास करने की भूख, जुनून और प्रतिबद्धता दिखती है। अगर हम त्याग करते हैं, अगर हम अपनी सहज स्थिति से बाहर आते हैं, अगर हम हर दिन नहीं बल्कि हर सत्र, हर घंटे और हर गेंद पर चुनौती पेश करना शुरू करते हैं तो मुझे लगता है कि हम इसे एक यादगार दौरा बना सकते हैं।'

शुभमन गिल ने भी की टीम से बात

कप्तान शुभमन गिल ने अपने साथियों से खुद को थोड़ा दबाव में रखने का आग्रह किया जिससे कि श्रृंखला शुरू होने पर वे परिस्थितियों से प्रभावित नहीं हों।गिल ने कहा, 'आइए प्रत्येक नेट सत्र को सार्थक बनाएं। आइए खुद को थोड़ा दबाव में रखें। जब हम मैदान पर उतरते हैं तो इसका मतलब सिर्फ मैदान पर जाकर टिके रहना नहीं होता, आइए हम अपने खेल का पता लगाएं, जब हम पर दबाव डाला जाएगा तो हम कैसे खेलेंगे – चाहे वह गेंदबाज हो या बल्लेबाज।'

विंबलडन पुरस्कार राशि बढ़ी

लंदन, (वार्ता)। *इस साल विंबलडन में कुल पुरस्कार राशि सात फीसदी इजाफे के साथ बढ़कर रिकॉर्ड 53.5 मिलियन पाउंड हो जाएगी। 2024 में 50 मिलियन पाउंड की पुरस्कार राशि 2015 में प्रस्तावित 27 मिलियन पाउंड से दोगुनी है। बीबीसी की एक खबर के अनुसार, कार्लोस अल्काराज़ और बारबोरा क्रेजिकोवा ने पिछले साल क्रमश: पुरुष और महिला एकल खिताब जीतने के लिए 2.7 मिलियन पाउंड जीते थे जबकि इस साल के विजेताओं को तीन मिलियन पाउंड मिलेंगे, जो 11 प्रतिशत ज्यादा होंगे।*

कुलदीप हांडू डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल के सदस्य नियुक्त

जम्मू (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के एकमात्र द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कुलदीप हांडू को डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल का सदस्य बनाया गया है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कुलदीप हांडू को डोपिंग रोधी नियम, 2021 के तहत दो साल की अवधि या राष्ट्रीय डोपिंग रोधी अधिनियम 2022 के लागू होने तक, जो भी पहले हो, डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल (एडीडीपी) के खेल सदस्य के रूप में मंजूरी दी गई है। हांडू ने कहा, नाडा के एडीडीपी पैनल का सदस्य बनना मेरे लिए सम्मान की बात है और मुझे इसका सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा नौकरी के अलावा मैं खिलाड़ियों को वाडा के नियमों से अवगत कराने की पूरी कोशिश करूंगा और यह अवसर देने के लिए मैं युवा मामले और खेल मंत्रालय और नाडा का आभार व्यक्त करता हूं। पूर्व अंतर्राष्ट्रीय वुशु खिलाड़ी हांडू वर्तमान में भारतीय वुशु टीम के राष्ट्रीय मुख्य कोच हैं। जम्मू-कश्मीर में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर कार्यरत हांडू विभाग में खेल अधिकारी के पद पर तैनात हैं।

रूसी जिमनास्ट अंतरराष्ट्रीय खेलों में वापसी करेंगे

मॉस्को, (वार्ता)। रूसी जिमनास्ट और जज तटस्थ प्रतिभागियों के रूप में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वापसी करेंगे। स्थानीय मीडिया ने रूसी जिमनास्टिक महासंघ का हवाला देते हुए यह रिपोर्ट दी है। बुधवार को तास समाचार एजेंसी के जरिये महासंघ के एक बयान के अनुसार, रूसी एथलीट और जज अंतरराष्ट्रीय जिमनास्टिक प्रतियोगिताओं में भागीदारी कर सकेंगे। उन्होने कहा कि रूसी एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय खेलों में पूर्ण रूप से भागीदारी फिर से शुरू करने के लिए प्रयास जारी हैं।

शक्कर में नरमी, तेल में गिरावट, दाल-चावल सामान्य

इंदौर (वार्ता)।

शक्कर 4120 से 4140 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 250 से 285 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 4100 से 6100 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 180 से 270 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4800 से 5000, पैकिंग में 5400 से 5500 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों निमाड़ी 6300 से 6400 सोयाबीन 4100 से 4200 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल इंदौर 1340 से 1360, सोयाबीन रिफाइंड 1130 से 1135, साल्वेंट 1070 से 1075, पाम तेल 1180 से 1185 रुपये प्रति 10 किलो।

सियागंज किराना बाजार में शकर में नरमी रही। खाद्य तेलों में गिरावट हुई। आज पाम तेल सस्ता बिका। तिलहन में लिवाली घटी बताई गई। दलहन मिश्रित रंगत लिए रहे। आज चना कांटा बढ़कर तो मूंग सस्ती होकर बिकी। दालों में मांग रही, वहीं चावल में उठाव बताया गया। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में नरमी रही। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा गोला दिसावर के साथ मजबूत बना रहा। खोपरा बूरा में उठाव बढ़ा बताया गया। हल्दी में ग्राहकी सुधार लिए रही। खाद्य तेलों में आज पाम तेल मांग घटने से सस्ता बिका। तिलहन में पूछपरख सुस्त बताई गई।

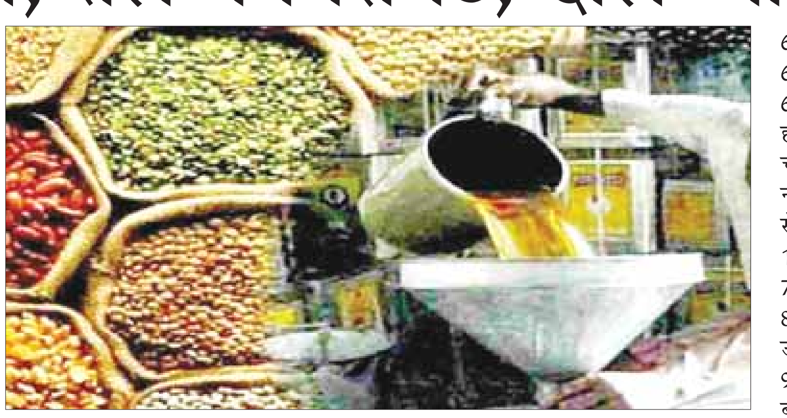

इससे सोयाबीन के भाव कम हुए। आवक कम होने से सरसों में भाव मजबूत रहे। संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में मांग से मिश्रित रंगत दर्ज की गई। आज चना कांटा ऊंचा तथा मूंग नीची बिकी। दालों में उठाव रहा। चावल में काउंटर सेल? रही। आने वाले दिनों में लिवाली सुधार के आसार हैं।

चना कांटा 5700 से 5750, चना विशाल 5450 से 5550, चना काबली डालर 8500 से 9000, चना काबली रशियन 5600 से 5800, चना काबली बिटकी 5300 से 5400, मसूर 6050 से 6100, तुअर निमाड़ी 6200 से 6400, तुअर (महाराष्ट्र सफेद) 6600 से 6700, तुअर, (महाराष्ट्र लाल) 6600 से 6900, तुअर (कर्नाटक) 6800 से 6900, मूंग 6300 से 6500, मूंग हल्की 6000 से 6200, उड़द 6400 से 7400, हल्की 3000 से 5000 रुपये प्रति क्विंटल। चना दाल 7000 से 7800, तुअर दाल सवा नंबर 8600 से 8800, तुअर दाल फूल 9100 से 9200, तुअर दाल बोल्ड 10000 से 10600, आयातित तुअर दाल 7400 से 7500, मसूर दाल 7700 से 8000, मूंग दाल 8100 से 8700, मूंग मोगर 9400 से 9900, उड़द दाल 8500 से 8900, उड़द मोगर 9800 से 10200 रुपये प्रति क्विंटल। बासमती 12000 से 13000, तिबार 9000 से 10000, दुबार 8000 से 8500, मिनी दुबार 7000 से 7500, मोगरा 4000 से 6500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 8000 से 8500, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 4000 से 4500, परमल 3400 से 3500, हंसा सैला 3500 से 3700, हंसा सफेद 2900 से 3100, पोहा 4500 से 5100 रुपये प्रति क्विंटल। रवा 1660, मैदा 1560, आटा 1530, दलिया 1800, चना बेसन 3950 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

सोना-चांदी में उछाल

इंदौर (वार्ता)।

स्थानीय सर्राफा बाजार में सोना तथा चांदी में तेजी हुई। आज चांदी सिक्का स्थिर रहा। विदेशी बाजार में सोना 3383 डालर व चांदी 3625 सेंट प्रति औंस बिकी। उल्लेखनीय है कि सोना- चांदी के भाव में देर रात तक फेरबदल होता रहता है। सोना 97600 रुपये प्रति 10 ग्राम। चांदी 103000 रुपये प्रति किलोग्राम। चांदी सिक्का 1150 रुपये प्रति नग।

सेम्बकॉर्प को भारत में पहली राउंड-द-क्लॉक परियोजना हासिल

सिंगापुर (वार्ता)। सेम्बकॉर्प इंडस्ट्रीज (सेम्बकॉर्प) को उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अक्षय ऊर्जा सहायक कंपनी सेम्बकॉर्प ग्रीन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड (एसजीआईपीएल) के माध्यम से सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) से पहली 50 मेगावाट की राउंड-द-क्लॉक परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह बिल्ड-ओन-ऑपरेट परियोजना अंतरराज्यीय ट्रांसमिशन सिस्टम से जुड़ी अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से राउंड-द-क्लॉक (आरटीसी) बिजली के लिए एसईसीआई की 1.2 गीगावाट निविदा का हिस्सा है। सेम्बकॉर्प अनुबंधित क्षमता को पूरा करने के लिए सौर, पवन और बैटरी ऊर्जा भंडारण समाधान (बीईएसएस) सहित लगभग 300 मेगावाट स्थापित क्षमता को एकीकृत करेगा। इस परियोजना के साथ, सेम्बकॉर्प भारत में अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमताओं को बढ़ाएगा, जिससे इसकी सकल अक्षय ऊर्जा क्षमता 6.5 गीगावाट से अधिक हो जाएगी। वैश्विक स्तर पर, सेम्बकॉर्प का कुल नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो 18 गीगावॉट तक पहुंच गया है, जिसमें अधिग्रहण भी शामिल है। एसईसीआई के साथ 25-वर्षीय बिजली खरीद समझौते के साथ परियोजना के पूरा होने पर यह एसईसीआई को बीईएसएस द्वारा समर्थित आरटीसी नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति करेगा।

एनएसई को सेबी से मासिक बिजली वायदा अनुबंध शुरू करने की मंजूरी मिली

मुंबई (वार्ता)।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने कहा कि उसे मासिक बिजली वायदा अनुबंध शुरू करने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से विनियामक अनुमोदन प्राप्त हो गया है। यह देश के बिजली बाजारों में गहरी पैठ और बिजली अधिनियम 2003 के तहत शुरू किए गए दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों का समर्थन करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। एनएसई द्वारा मासिक बिजली वायदा शुरू करने का उद्देश्य बाजार सहभागियों को बिजली की कीमतों में उतार-चढ़ाव के खिलाफ प्रभावी 'हेजिंग' उपकरण प्रदान करना, बिजली क्षेत्र में अधिक सटीक मूल्य संकेतों को सक्षम करना और बिजली मूल्य श्रृंखला-उत्पादन, संचरण, वितरण और खुदरा में पूंजी निवेश को प्रोत्साहित करना है। एनएसई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार चौहान ने कहा, यह मंजूरी व्यापक बिजली 'डेरिवेटिव' पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एनएसई के दृष्टिकोण की शुरुआत मात्र है। विनियामक अनुमोदन के अधीन धीरे-धीरे अंतर के लिए अनुबंध (सीएफडी) और त्रैमासिक एवं वार्षिक अनुबंध जैसे अन्य लंबी अवधि के बिजली 'डेरिवेटिव' शुरू करने की योजनाएँ जारी हैं। एनएसई देश में बिजली एक्सचेंज स्थापित करने वाला पहला स्टॉक एक्सचेंज था, जिसने 2008 में पावर एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड (पीएक्सआईएल) की शुरुआत की।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर आज अमेरिकी क्रूड 0.90 प्रतिशत गिरकर 67.54 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ 69.08 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

इजरायल-ईरान तनाव से बाजार में कोहराम

मुंबई (वार्ता)।

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से विश्व बाजार में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा भारी बिकवाली से आज शेयर बाजार में कोहराम मैच गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 823.16 अंक अर्थात 1.00 प्रतिशत का गोता लगाकर 81,691.98 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 253.20 अंक यानी 1.01 प्रतिशत लुढ़ककर 24888.20 अंक पर आ गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 1.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 45,827.04 अंक और स्मॉलकैप 1.38 अंक लुढ़ककर 53,531.47 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान बीएसई में कुल 4151 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2729 में बिकवाली जबकि 1282 लिवाली वहीं 140 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2969 कंपनियों के शेयरों में से 2112 में गिरावट जबकि 783 में तेजी रही वहीं 74 में टिकाव रहा। बीएसई के 21 समूहों में जबरदस्त बिकवाली हुई। इससे कमोडिटीज 1.22, सीडी 1.67, ऊर्जा 1.76, एफएमसीजी 1.24, वित्तीय सेवाएं 1.01, हेल्थकेयर 0.11, इंडस्ट्रियल्स 1.98, आईटी 1.04, दूरसंचार 0.93, यूटिलिटीज 2.18, ऑटो 1.71, बैंकिंग 0.82, कैपिटल गुड्स 1.95, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.02, धातु 1.63, तेल एवं गैस 2.10, पावर 2.19, रियल्टी 2.07, टेक 0.97, सर्विसेज 1.50 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.93 प्रतिशत गिर गए।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इससे ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.13, जर्मनी का डैक्स 1.00, जापान का निक्केई 0.65 और हांगकांग का हैंगसेंग 1.36 प्रतिशत लुढ़क गया वहीं चीन के शंघाई कंपोजिट 0.01 प्रतिशत बढ़ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 57 अंक बढ़कर 82,571.67 अंक पर खुला और लिवाली के दम पर 82,661.04 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली शुरू होने से यह लगातार गिरता हुआ 81,523.16 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 82,515.14 अंक के मुकाबले 1.00 प्रतिशत टूटकर 81,691.98 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी 23 अंक की बढ़त के साथ 25,164.45 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 25,196.20 अंक के उच्चतम जबकि 24,825.90 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 25,141.40 अंक की तुलना में 1.01 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24,888.20 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली कंपनियों में टाटा मोटर्स 2.89, टाइटन 2.52, इटरनल 2.28, पावरग्रिड 2.25, टाटा स्टील 2.24, एलटी 2.20, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.09, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.76, एक्सिस बैंक 1.53, इन्फ़ोसिस 1.43, एनटीपीसी 1.36, अल्ट्रासिम्को 1.32, नेस्ले इंडिया 1.29, आईटीसी 1.21 और एसबीआई 1.14 प्रतिशत शामिल रही। साथ ही एचसीएल टेक 1.13, टीसीएस 1.10, कोटक बैंक 0.87, भारती एयरटेल 0.82, अदानी पोर्ट्स 0.80, इंडसइंड बैंक 0.76, बजाज फाइनेंस 0.64, रिलायंस 0.63, मारुति 0.56, एचडीएफसी बैंक 0.39, आईसीआईसीआई बैंक 0.39 और सन फार्मा के शेयर 0.26 प्रतिशत उतर गए।

ऊर्जादाता बनेंगे मध्यप्रदेश के किसान : डॉ. यादव

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से होगा किसानों का आर्थिक सशक्तिकरण

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के किसान अब ऊर्जादाता बनेंगे। सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से प्रदेश के किसानों और छोटे निवेशकों को लाभ होगा। योजना का लाभ लेकर किसान बिजली उत्पादक बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि नेट जीरो का लक्ष्य पाने में मध्यप्रदेश के किसान बड़ी भूमिका निभाएंगे। ऊर्जा समिट में एक ही मंच पर निवेशक, किसान, विशेषज्ञ और नीति-निर्माताओं ने उपस्थित होकर समृद्धि के नये द्वार पर दस्तक दी है। प्रदेश में अब तक 80 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं, जिससे 16 हजार से अधिक कृषि पम्पों को सौर उर्जा से उर्जीकृत किया जा चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार कृषकों को आत्मनिर्भर बनाने, उनकी आय में बढ़ोतरी एवं आर्थिक विकास के लिये संकल्पित है। मध्यप्रदेश अब देश की सोलर कैपिटल ऊर्जाधानी बनने के मार्ग पर अग्रसर हैं। प्रदेश के रीवा, नीमच और ओंकारेश्वर सौर ऊर्जा का सशक्त हस्ताक्षर बन रहे हैं। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा प्रदेश के लिए वरदान है। अब हमारी सरकार छोटे निवेशकों और किसान भाइयों को भी बिजली उत्पादन का अवसर मुहैया कराने जा रही है। अब हमारे अन्नदाता, ऊर्जादाता बनने के पथ पर अग्रसर होंगे।

सरकार 25 साल तक बिजली खरीदने का समझौता करेगी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से छोटे निवेशकों के साथ किसानों को भी लाभ मिलेगा। इस योजना से वोकल फॉर लोकल के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर उद्यमियों को निवेश एवं रोजगार के अवसर मिलेंगे। निवेशकों के साथ सरकार 25 साल तक बिजली खरीदने का समझौता करेगी। निवेशकों को नीतिगत प्रोत्साहन के साथ सस्ती ज़मीन और तय बिजली रेट मिलेगा। उन्होंने बताया कि च्च्सूर्य मित्र कृषि फीडर योजनाज्ज से

किसानों को भी अत्यधिक फायदा होगा। योजना से किसानों को दिन में भी सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जा सकेगी।

अन्नदाताओं का आर्थिक सशक्तिकरण होगा। किसानों को रात में बिजली का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। दिन में 8 घंटे तक लगातार बिजली मिलेगी। किसान बिना रुकावट सिंचाई कर सकेंगे।

कुसुम-सी योजना का विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना, प्रधानमंत्री कुसुम-सी योजना का विस्तार है। इस योजना में हर गाँव के पास जो कृषि फीडर (जहाँ से किसानों को बिजली मिलती है) है, उसको सौर ऊर्जा से चलाने की तैयारी हो रही है। किसानों को आवश्यक बिजली की आपूर्ति सौर ऊर्जा से हो इसके लिए सम्पूर्ण फीडर और विद्युत सब-स्टेशन का सोलराइज़ेशन किया जाएगा। सरकार ने अलग से लगभग 8 हजार कृषि फीडर्स लगाए हैं, जिन पर करीब 35 लाख कृषि पम्प जुड़े हुए हैं। अब जल्द ही इन सभी फीडर्स पर सोलर पॉवर प्लांट लगाए जाएंगे।

मध्यप्रदेश मना रहा उद्योग और रोजगार वर्ष

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में फरवरी माह में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफल आयोजन किया गया। इसमें 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। इससे 21.40 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे जो प्रदेश के युवाओं के साथ अन्य लोगों को भी आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि मंदसौर और नरसिंहपुर में कृषि उद्योग समागम हुआ, इंदौर में ढ्ढञ्ज कॉन्क्लेव हुआ। उज्जैन में स्पिरिचुअल एंड वेलनेस समिट- 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, इसमें 1900 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले। प्रदेश के हर वर्ग को रोजगार से जोड़ने के साथ ही निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिये औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन के लिए 18 उद्योग फ्रैन्डली नीतियां जारी की गईं।

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार क्लीन और ग्रीन एनर्जी के विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में नवकरणीय ऊर्जा समिट का भी आयोजन किया गया, जिसमें निवेशकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2012 में प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा की क्षमता 500 मेगावाट से भी कम थी। हमने अलग से विभाग का गठन करके सौर, पवन, बायोमास और लघु जल ऊर्जा की क्षमता को बढ़ाने के लिए नीतियां बनाई हैं। उन्होंने कहा कि नीतियों और विभिन्न प्रोत्साहन के फलस्वरूप पिछले 12 वर्षों में राज्य की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता में 15 गुना वृद्धि हुई है। सौर ऊर्जा में 48त्न और पवन ऊर्जा में 19त्न वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। वर्तमान में राज्य में 9 हजार 300 मेगावाट से अधिक नवकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित हो चुकी है।

लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ रहा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश हार्ट ऑफ इंडिया है और अब नवकरणीय ऊर्जा के उत्पादन में रोल मॉडल बनकर हमने लंग्स ऑफ इंडिया बनने का विजन रखा है। हम न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता रखते हैं। हम सिर्फ आज पर नहीं, बल्कि भविष्य पर भी ध्यान दे रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में हम 20 हजार मेगावाट से ज्यादा नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करें। वर्ष 2030 तक प्रदेश की 50त्न ऊर्जा नवकरणीय स्रोतों से प्राप्त करने की हमारी योजना है। इसके लिए ऊर्जा वितरण और संरक्षण में कुशलता पाने के लिए हमने स्मार्ट ग्रिड और माइक्रो ग्रिड तकनीकों पर भी काम शुरू किया है। सोलर पार्क, पवन ऊर्जा पार्क, फ्लोटिंग सोलर और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना कृषि और व्यवसाय को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी। हमारे किसान इस योजना से आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त होंगे।

हटा नगर की किराना दुकानों का औचक निरीक्षण

दमोह। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत एफएसएसएआई के राष्ट्रव्यापी फोर्टीफाइड खाद्य तेल गुणवत्ता सर्वे अभियान के तहत बाजार में उपलब्ध फोर्टीफाइड खाद्य तेल की गुणवत्ता जांच हेतु खाद्य सुरक्षा जांच दल ने हटा नगर में किराना दुकानों का औचक निरीक्षण किया है। देशव्यापी फोर्टीफाइड खाद्य तेल विशेष जांच अभियान के तहत हटा नगर में चंडी जी वार्ड स्थित मेसर्स राजकुमार सुहाने, सुहाने ट्रेडिंग कंपनी एवं राय चौराहा स्थित सोना एंटरप्राइजेज का औचक निरीक्षण किया गया है। परिसर में संग्रहित कंपनी पैक्ड प्रेस्टीज ब्रांड फोर्टीफाइड रिफाइंड सोयाबीन तेल के नमूने जांच हेतु लिए गए है। इसी तरह बड़ा बाजार स्थित मनोज सुपर मार्ट से किंग्स ब्रांड रिफाइंड सोयाबीन तेल के नमूनें जांच हेतु लिए गए हैं। इसी तारतम्य में एमएलबी स्कूल के सामने स्थित मां कर्मा किराना से सिम्पली फ्रेश ब्रांड रिफाइंड सोयाबीन तेल के नमूने जांच हेतु लिए गए हैं। इन कंपनी पैक्ड फोर्टीफाइड खाद्य तेल के नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

आज जबेरा तथा कल तेंदूखेड़ा में आयोजित होगा युवा संगम कार्यक्रम

दमोह। जिले में क्वेस कार्पो अहमदाबाद द्वारा जिला दमोह में टाटा मोटर्स अहमदाबादध्पुणे के लिए आज 13 जून को प्रात: 11 बजे से शासकीय स्नातक महाविद्यालय जबेरा में तथा 14 जून को प्रात: 11 बजे से अमर वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय स्नातक महाविद्यालय तेंदूखेड़ा में युवा संगम कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिले के सभी इच्छुक युवाओं से आग्रह करते हुए कहा गया हैं अंकसूची, आधार कार्ड, पासबुक, समग्र आईण्डी एवं रिज्यूम के साथ रोजगार मेले में सम्मिलित होकर आयोजन को सफल बनाये।

श्रवण संस्कृति संस्कार शिविर का विभिन्न स्थानों पर आयोजन जारी

दमोह।

दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर दमोह नगर में गति पर है। 31 मंदिरों के 13 केंद्रों पर अध्ययन कर रहे आबाल वृद्ध जन 15 जून को आयोजित परीक्षा में भी भाग लेंगे। यहां पर विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास के लिए दर्शन, धर्म, साहित्य, भक्ति, सिद्धांत, कला जैसे नृत्य, चित्रकला, मंडला आर्ट, अभिनय आदि सिखाया जा रहा है। शिविर में देश के विभिन्न प्रांतों से आए विद्वान् यहां अध्ययन करा रहे हैं। सभी कक्षाओं में निशुल्क साहित्य कॉपी पेन आदि का वितरण हुआ है। निशुल्क स्वल्पाहार एवं विभिन्न।

मनोवैज्ञानिक गतिविधियां चल रही है। जिससे पाठकों का मन तंदरुस्त हो रहा है। शिविर के सभी केंद्रों का समापन मानस भवन में 15 जून की रात्रि को संपन्न होगा। अध्ययन का मुख्य केंद्र सिंघई मंदिर के साथ वसुंधरानगर मंदिर, नेमीनगर मंदिर, जबलपुर नाका मंदिर बड़ा मंदिर, भाई जी मंदिर में यह कार्य चल रहा है। दमोह ग्रामीण में हटा, जबेरा, तेंदूखेड़ा, अभाना, बनवार आदि में यह ज्ञान यज्ञ चल रहा है। शिविर प्रभारी डॉ प्रदीप के निर्देशन एवं अरविंद इटोरिया की अध्यक्षता में 13 केंद्रों पर लगन और उत्साह से स्वाध्याय का आनंद लिया जा रहा है।

17 वाहन चालकों पर की गई चालानी कार्रवाही

दमोह। जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत पुलिस यातायात विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही कर रहा हैं। इस सबंध में यातायात टीआई दलबीर सिंह मार्को ने बताया बटियागढ़ मार्ग एवं हटा नाका पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 17 वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया 6 ओवर स्पीड, 1 सील्ट बेल्ट, 10 हेलमेट ना पहनने वाले वाहन चालकों पर 9500 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई हैं। उन्होंने आमजनों से यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया। साथ ही कहा यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

81 युवाओं को नियुक्ति पत्र किए गए वितरित

माधवराव सप्रे शासकीय महाविद्यालय पथरिया में प्लेसमेंट ड्राइव सम्पन्न

दमोह।

युवा संगम कार्यक्रम अंतर्गत माधवराव सप्रे शासकीय महाविद्यालय पथरिया में क्वेस कॉर्प की ओर से टाटा मोटर्स के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 181 युवाओं ने ऑफलाइन पंजीयन करवाया। साथ ही 81 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर एसडीएम पथरिया निकेत चौरसिया ने कहा युवा संगम कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को रोजगार और कौशल विकास के अवसर प्रदान करना हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को अपने कौशल को निखारने और रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी। जिला रोजगार

अधिकारी एलपी लड़िया एवं आईटीआई प्राचार्य अभिषेक तिवारी ने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा टाटा मोटर्स की टीम का आभार जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमें विश्वास है कि यह कार्यक्रम युवाओं के लिए एक नए अवसर की शुरुआत करेगा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में टाटा मोटर से आए नईम कुरैशी, एचआर क्वेस कार्पो तुषार नायले एवं वंदना राजपाल ने कम्पनी की विस्तृत जानकारी और मिलने वाली सुविधाओ के वारे में विस्तार से बताया। संस्था प्राचार्य विनय कुमार वर्मा, डॉ. जगदीश अहिरवार, टीपीओ सोनू सोनी, मुकेश तिवारी कैरियर काउंसलर एवं संस्था का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार जन आधारित और पारदर्शी शासन की प्रतीक है : राहुल सिंह

प्रधानमंत्री के संकल्प से सिद्धि के गौरवशाली 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता आयोजित

दमोह।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से सिद्धि के गौरवशाली 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला भाजपा कार्यालय दमोह में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दमोह सांसद राहुल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार जन आधारित और पारदर्शी शासन की प्रतीक हैए जिसने बीते 11 वर्षों में आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी है। इसी कारण हम विकसित भारत और अमृतकाल को जमीन पुर उतरते हुए देख रहे हैं। पिछले 11 वर्षों में भारत ने गरीब और जन कल्याण के अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार रिफॉर्म, परफार्म और ट्रांसफार्म की अवधारणा को चरितार्थ कर रही है। आम आदमी की सोच बन गई है कि मोदी जी समस्याओं का समाधान करेंगे। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रहित में अनुच्छेद 370 को हटाना, तीन तलाक को खत्म करना, नया वक्फ कानून और सीएए लागू करना तथा विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण जैसे साहसिक और ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में अब निर्णायकता और आक्रामकता एक न्यू नॉर्मल बन गई है। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक छवि को दुनिया भर में स्थापित किया है। पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने एससी, एसटी, ओबीसी समेत समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी है। महिलाओं को नेतृत्व में लाने के लिए उन्हें सेना, शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के हर क्षेत्र में अवसर दिए गए हैं।

पत्रकारों से चर्चा करने हुए राज्य मंत्री धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने सबका साथ सबका विकास के संकल्प के साथ अनुच्छेद 370

को हटाकर असंभव दिखने वाले काम को संभव कर दिखाया। हमारी सरकार हमेशा ही साहसिक और ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। नया वक्फ कानून और सीएए लागू करना तथा विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने हर चुनौती का निर्णायक जवाब दिया और चुनौतियों को अवसर में बदलने का कार्य किया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों ने गरीबी हटाओ को नारा दिया दिया था लेकिन गरीबी को हटाने के लिए कोई कार्य नहीं किया। प्रधानमंत्री ने गरीबी हटाने को मिशन के रूप में लिया भारत में पिछले 11 वर्षों में 27 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर आए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को देश की मुख्यधारा में लाया गया है। इसी तरह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ने भी उन्हें आर्थिक सुरक्षा के दायरे में लाकर सशक्त किया है। 100 प्रतिशत विद्युतीकरण की दिशा में सौभाग्य योजना, उज्ज्वला योजना और उजाला योजना के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

भाजपा के जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि यह सरकार भविष्य को ध्यान में रखकर, देश को आगे की दिशा में ले जाने की सोच के साथ कार्य कर रही है। इसलिए आज हम विकसित भारत की बात करते हैं। इस अमृत काल और बीते 11 वर्षों ने विकसित भारत की नींव रखी है। इस नींव को मजबूत करने के लिए जो भी आवश्यक निर्णय थे वे सभी लिए गए हैं। आज भारत का आम नागरिक कहता है कि श्मोदी हैं तो मुमकिन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति यह धारणा बन चुकी है कि वे समस्याओं का समाधान करेंगे। यह आम नागरिक की सोच बन गई है। पत्रकार वार्ता में संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के जिला प्रभारी भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय सेन, जिला महामंत्री गोपाल पटैल, जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र सिंह परिहार, जिला सह मीडिया प्रभारी महेंद्र जैन मंचासीन रहे।

जिले में कुल 171 ग्राम शिविर आयोजन हेतु सम्मिलित किए गए

दमोह। भारत सरकार जनजातिय कार्य मंत्रालय द्वारा जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान 15 जून से 30 जून तक आयोजन किया जायेगा। इस सबंध में डिप्टी कलेक्टर बृजेश सिंह ने बताया धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत दमोह जिले अंतर्गत जनपद पंचायत बटियागढ़ के 4 ग्राम, दमोह के 10 ग्राम, हटा के 5 ग्राम, जबेरा के 16 ग्राम, पटेरा के 6 ग्राम, पथरिया के 1 ग्राम, तेंदूखेड़ा के 129 ग्राम इस प्रकार दमोह जिले में कुल 171 ग्राम शिविर आयोजन हेतु सम्मिलित किए गए हैं। उन्होंने बताया अभियान अंतर्गत गांव कलस्टर स्तर पर शिविरों के माध्यम से आधार कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पीएम किसान, जनधन खातों के वितरण के साथ ही शिविर के माध्यम में सिकिल सेल रोग और उसके परीक्षण के बारे में जागरूक किया जायेगा। इस सबंध में डिप्टी कलेक्टर बृजेश कुमार सिंह ने आगे बताया 15 जून से 30 जून तक आयोजित होने वाले कैम्पों के माध्यम से सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। जनजाति समुदायों के आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजनाए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, जाति प्रमाण पत्र आदि सेवाओं से वंचित लोगों को शत प्रतिशत लाभ दिया जाएगा। अभियान के संचालन और आम लोगों के बीच जागरूकता हेतु सबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया हैं।

रक्तदान शिविर का आयोजन कल

दमोह।

भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा दमोह द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर कल 14 जून को जिला चिकित्सालय दमोह में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। भारतीय रेडक्रास सोसायटी सभी से आग्रह करती है कि इस रक्तदान शिविर में सम्मिलित होकर अपनी सहभागिता प्रदान करें। रक्तदान करके आप कई जिंदगियों को बचा सकते हैं और समाज में एक अच्छा संदेश दे सकते हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान मध्यप्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण पहल : डॉ. यादव

नदियाँ हो रही हैं पुनर्जीवित, जल संरक्षण में शासन और समाज की सहभागिता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल संरक्षण की दिशा में जल गंगा संवर्धन अभियान मध्यप्रदेश सरकार की महत्त्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में यह अभियान 30 मार्च से 30 जून तक संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य नदियों, जल स्त्रोतों और वेटलैण्ड्स का संरक्षण व पुनर्जीवन है। शासन और समाज के समन्वित प्रयासों से इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। खण्डवा जिले में आम नागरिकों और प्रशासन के सहयोग से नर्मदा की सहायक घोड़ा पछाड़ नदी को पुनर्जीवित किया गया है। अंधाधुंध भू-जल दोहन के कारण यह नदी और आसपास की कई छोटी नदियाँ सूख चुकी थीं, जिससे खेती-किसानी प्रभावित हो रही थी। रिज टू वैली

सिद्धांत पर आधारित जल संरचनाओं के निर्माण से लगभग 33 किलोमीटर क्षेत्र में जल संचय किया गया। परिणामस्वरूप घोड़ा पछाड़ नदी में फिर से जल प्रवाह शुरू हो गया है, जिससे वर्ष भर इन नदियों के प्रवहमान रहने की संभावनाएं बनी हैं।

जल शोधन संयंत्रों की स्थापना - मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा नर्मदा, चंबल, क्षिप्रा, बेतवा, सोन, टोंस, ताप्ती, कान्ह, माही, सिंध, और बेनगंगा सहित प्रमुख नदियों का सर्वेक्षण किया गया। अध्ययन में पाया गया कि 158 नालों से प्रतिदिन लगभग 450 मिलियन लीटर घरेलू अपशिष्ट जल सीधे इन नदियों में बहाया जा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए नगरीय विकास विभाग द्वारा 869 मिलियन लीटर प्रतिदिन क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स की स्थापना की जा रही है।

वेटलैण्ड संरक्षण में मध्यप्रदेश की अग्रणी भूमिका - वर्ष 2002 में जहां मध्यप्रदेश में केवल एक रामसर साइट थी, वहीं आज यह संख्या बढ़कर पाँच हो चुकी है। साथ ही इंदौर को देश का पहला वेटलैण्ड सिटी घोषित किया जाना राज्य के लिए गौरव की बात है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के पालन में राज्य वेटलैण्ड प्राधिकरण ने 2.25 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाले 13,565 वेटलैण्ड्स का भौतिक सत्यापन और सीमांकन समय-सीमा में पूर्ण किया है। इंदौर नगर निगम एवं एप्को ने मिलकर शहर के 330 पारंपरिक कुएं और बावड़ियों का संरक्षण कार्य किया है। यह पहल शहर की जल-परंपरा को पुनर्जीवित करने में सहायक सिद्ध हो रही है।

प्रकृति के संरक्षण के लिये साझा जिम्मेदारी - प्रकृति में पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने के लिए समाज की सहभागिता आवश्यक है। नदियाँ, पेड़, पहाड़ और मानव -सब एक-दूसरे पर आश्रित हैं। जल गंगा अभियान इसी पारस्परिक जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहा है, जिससे जल, जीवन और प्रकृति की यह अमूल्य विरासत आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रहे।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में भवन कमांक MIG II C 36 श्री रामकिशोर मिश्रा पिता श्री सियाराम मिश्रा के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 25.01.1994 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री रामकिशोर मिश्रा पिता श्री सियाराम मिश्रा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 30.07.2004 के माध्यम से श्रीमती रामदुलारी तिवारी पति स्व.श्री जयप्रकाश तिवारी एवं श्री मनोज कुमार तिवारी पिता स्व. श्री जयप्रकाश तिवारी को विक्रय किया है। अतः श्रीमती रामदुलारी तिवारी पति स्व.श्री जयप्रकाश तिवारी एवं श्री मनोज कुमार तिवारी पिता स्व. श्री जयप्रकाश तिवारी द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित हाथीताल कालोनी जबलपुर स्थित भवन क्र. एल-04 श्री हेमन्त चौहान पिता श्री जादव जी चौहान के नाम आवंटित है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 11.09.1997 को निष्पादित हो चुका है। आवंटी द्वारा उक्त भवन का पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 28.05.2015 के द्वारा श्री रामफेर श्रीवास पिता श्री अहरवादीन श्रीवास को विक्रय किया गया था। श्री रामफेर श्रीवास पिता श्री अहरवादीन श्रीवास की मृत्यु दिनांक 07.08.2024 को हो गयी है। स्व.श्री रामफेर श्रीवास की पत्नी श्रीमती सरस्वती देवी पति स्व. श्री रामफेर श्रीवास के द्वारा उक्त संपत्ति आपने नाम करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र संलग्न दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किये हैं, प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति का लीज हस्तांतरण/नामांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण बावत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

हितकारिणी डेंटल कॉलेज में संवादात्मक सत्र का आयोजन

इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तत्वावधान में हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विश्व तंबाकू निषेध दिवस को लेकर हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल द्वारा 12 जून को इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तत्वाधान में एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सीबी त्रिपाठी, उपाध्यक्ष (एनएमओ) ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा निबंध प्रतियोगिता एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन पूर्व में किया गया था। चयनित विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। उन्होंनें अपने व्यापक अनुभव और सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति गहरी समझ के साथ प्रतिभागियों को न केवल शिक्षित किया, बल्कि तंबाकू के खिलाफ दृढ़ संकल्प लेने के लिए भी प्रेरित किया। उनकी प्रेरणादायक बातों को सभी ने सराहा, जिससे यह कार्यक्रम अत्यंत सफल सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के अंत में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने मप्र को नशा मुक्त राज्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

इनकी रही उपस्थिति

यह समारोह संस्था की सामाजिक उत्तरदायित्व और जन स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह प्रयास समाज में तंबाकू के विरुद्ध एक सशक्त संदेश देने की दिशा में एक सराहनीय कदम रहा। हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के निदेशक डॉ. राजेश धीरावाणी एवं अधिष्ठाता डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. लोकेश सिंह राजपूत (राष्ट्रपति, आईडीए जबलपुर), डॉ.अंशुल गुलाटी (सचिव, आईडीए), डॉ. सुमित असरानी (सीडीई रिप्रेजेंटेटिव, आईडीए) तथा हितकारिणी डेंटल कॉलेज से पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग के डॉ. अविनाश बोस एवं डॉ.नेहा राय का योगदान रहा।

रात की सफाई में घोर भ्रष्टाचारः पार्षद संतोष दुबे

सामान्य सभा की बैठक में गर्माया मुद्दा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कांग्रेस पार्षद संतोष दुबे (पंडा) ने नगर निगम के पंडित भवानी प्रसाद तिवारी सभाकक्ष में आयोजित हुई सामान्य सभा की बैठक में शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए एक बड़ा खुलासा किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि रात्रिकालीन स्वच्छता कार्यों में भारी अनियमितताएं और भ्रष्टाचार हो रहा है, जिससे न सिर्फ नगर की सफाई व्यवस्था चरमरा रही है, बल्कि निगम का आर्थिक नुकसान भी हो रहा है।

90 फीसदी कर्मचारी रहते हैं गायब- पार्षद दुबे ने सदन में कहा कि नगर निगम द्वारा रात के समय मुख्य रूप से बाजार क्षेत्रों में सफाई के लिए लगभग 300 सफाई कर्मचारी और 50 कचरा ढोने वाली गाड़ियां तैनात की जाती हैं। लेकिन हकीकत यह है कि इनमें से लगभग 90 प्रतिशत कर्मचारी रात में ड्यूटी पर आते ही नहीं हैं और न ही अधिकतर गाड़ियां मौके पर सक्रिय रहती हैं।

पार्षद श्री दुबे ने बताया कि जब रात में काम नहीं होता, तो सुबह की शिफ्ट के कर्मचारियों को रात का भी कार्यभार संभालना पड़ता है। इसका नतीजा यह होता है कि कॉलोनियों, गली-मोहल्लों की सफाई में भारी देरी होती है, जिससे नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है और स्वच्छता अभियान की वास्तविकता पर भी सवाल उठते हैं।

फर्जी हाजिरी की हो निष्पक्ष जांच- उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा मामला एक सुनियोजित गबन और भ्रष्टाचार का है। सफाई कर्मचारियों और गाड़ियों की फर्जी हाजिरी लगाकर करोड़ों रुपए की बंदरबांट हो रही है। उन्होंने सदन के माध्यम से इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही। बहरहाल अब देखना यह है कि नगर निगम प्रशासन इस गंभीर आरोप पर क्या कदम उठाता है और क्या वास्तव में शहर की रात की सफाई व्यवस्था में सुधार हो पाता है या नहीं।

शिविर में 200 लोगों को मिला स्वास्थ्य लाभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा महिला प्रकोष्ठ द्वारा कान्यकुब्ज भवन चेरीताल में आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 200 लोगों की नि:शुल्क पैथॉलॉजिकल जांच के साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा समुचित उपचार किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से डॉ अक्षय तिवारी द्वारा बताया गया की उत्तम स्वास्थ्य के लिए हमें बीमारी से पूर्व ही समय समय पर विविध जांच कराते रहना चाहिए। गायनेकोलॉजिस्ट एवं कैंसर विशेषज्ञ डॉ स्नेहा टी मेठवानी ने उपस्थित महिलाओं से स्त्रीजनित बीमारियों और सर्वाइकल कैंसर के संबंध में विविध जानकारियां साझा की। शिविर की संयोजिका व महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉण्आशा पांडे तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नमिता तिवारी ने बताया कि इस शिविर का सभी समुदायों ने लाभ उठाया। स्थानीय लोगों की मांग पर पुन: सर्वरोग निदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। संस्था द्वारा शिविर में सम्मिलित चिकित्सकों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर दिलीप दुबे, केके शुक्ला, डॉ एचपी तिवारी, सतीश अवस्थी, सुशील शुक्ला, गिरीश अवस्थी, विनोद पांडे, कपिल दुबे, मुन्नालाल दुबे, सरोज शुक्ला, डॉ श्रद्धा तिवारी, अलका मिश्रा, मीरा अग्निहोत्री आदि अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती नमिता तिवारी ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ आशा पांडे ने किया।

भारत स्काउट्स-गाइड्स की बैठक में अहम निर्णय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य मुख्यालय द्वारा 11 जून 2025 को राज्य मुख्य आयुक्त/वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री नीरज कुमार के अध्यक्षता में कार्य योजना समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य मुख्यालय के साथ-साथ तीनों मंडलों के पदाधिकारियों ने भाग लिया तथा वर्ष 2025-26 में आयोजित होने वाली गतिविधियों के सबंध में विस्तार से की गई। बैठक में जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मंडल द्वारा वर्ष 2024-25 में आयोजित गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट एवं सेंसस पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। राज्य मुख्य आयुक्त ने पश्चिम मध्य रेल पर स्काउट्स एवं गाइड्स की संख्या बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि कोटा एवं भोपाल मंडल के द्वारा क्रमशः कोटा एवं भोपाल कारखाने में भी यूनिटस संचालित करनें का हर संभव प्रयास किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कटनी, सतना, इटारसी, गंगापुर सीटी जैसे स्टेशनों पर स्काउट डेन होना चाहिए। उनके द्वारा इस बात पर जोर दिया गया कि अगर हम वृक्षारोपण करते है तो उसका ठीक से देख भाल भी किया जाए।

जांच शिविर का 130 कार्मिकों ने उठाया लाभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के रामपुर स्थित चिकित्सालय में गत दिवस एक निजी पैथॉलाजी लेब के सहयोग से आयोजित निशुल्क पैथॉलाजी जांच शिविर में विद्युत कंपनियों के 130 कार्मिक व उनके आश्रितों ने लाभ उठाया। पावर मैनेजमेंट कंपनी चिकित्सालय के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुनील वर्मा ने जानकारी दी कि पैथॉलाजी जांच शिविर में कम्पलीट ब्लड काउंट, थायरॉयड प्रोफ़ाइल, एचबीए 1 सी, कम्पलीट लिपिड प्रोफ़ाइल, लिवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन जैसे टेस्ट किए गए।

बच्चे जानेंगे प्रदेश का समृद्धिशाली इतिहास

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र पर्यटन बोर्ड द्वारा प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी पर्यटन क्विज प्रतियोगिता प्रदेश स्तर पर किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता दो चरणों में होगी। प्रथम चरण 1 अगस्त को जिला स्तर पर होगा। वहीं दूसरा चरण 26 सितंबर को राज्य स्तर पर होगा। प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी हिस्सा ले सकेंगे। पंजीयन 25 जून से प्रारंभ होंगे। इसकी अंतिम तिथि 18 जुलाई को शाम 5.30 बजे तक है। ज्ञात हो कि प्रदेश के समृद्धिशाली इतिहास, परम्पराओं, ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विविधताओं, कला, प्राकृतिक समृद्धि, महापुरुषों, पर्यटन महत्व की संभावनाओं आदि से विद्यार्थियों को अवगत कराने और पर्यटन के माध्यम से जागरूक करने के उद्देश्य से श्पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है।

युवाओं ने किया कबीर कला संवाद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। स्थानीय यूथ हॉस्टल रानीताल में नागरिक अधिकार मंच के तत्वावधान में निर्गुणी संत कबीर दास के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में कबीर कला संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नागरिक अधिकार मंच ने बैजनाथ कुशवाहा को नागरिक कला सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में शिव कुमार कबीर ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर चर्चा की। युवा साथी अभय ने कहा ने कहा की कबीर ने जात न पूछो साधू की पूछ लीजिये ज्ञान, मोल करो तलवार की पड़ी रहन दो म्यान, का जो संदेश दिया है उसका आशय यह है कि उनके जमाने में भी लोग ज्ञान को नहीं जाति को ज्यादा महत्व देते थे जो कि आज भी है। इसका अर्थ मूल्यों के आधार पर देश ने कोई विकास नहीं किया। कौशल कबीर ने कहा की आज इंसान का नैतिक मूल्यों में कोई विकास नहीं हुआ। बैजनाथ कुशवाहा ने नौजवानो को संबोधित करते हुए कहा कि कबीर संवाद में युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी उत्साह बढ़ाने वाली रही। आज कबीर के विचार बुद्धिजीवियों को नहीं बल्कि युवाओं को बताया आवश्यक है। कार्यक्रम में अजय सिंगोर, पूजा भुर्रक, कृष्णा चौधरी, कहकशां खानम कादरी, एंजलीना, शुभम चौधरी, अब्दुल रहीम, राजेश सिंह, घनश्याम चक्रवर्ती, ईशा चौधरी, जितेन्द्र झारिया आदि उपस्थित थे।

विमान दुर्घटना में मृत जनों के प्रति शोक व्यक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अहमदाबाद में हुए भीषण विमान दुर्घटना में मृत जनों के प्रति शोक व्यक्त करते हुए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के साथ ही यात्रियों के दुखद निधन का समाचार व्यथित करने वाला है। मृतकों के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए ईश्वर से कामना करता हूं परिवार जनों को इस गहन दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। ईश्वर से दुर्घटना में घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृत हुए लोगो को श्रद्धांजलि देते हुए परिवार जनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है और कहा कि प्रभु मृत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दे और घायल जन शीघ्र स्वस्थ हों।

अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताओं के प्रथम दौर के आयोजन के क्रम में 11 जून को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय सेठ गोविंद दास हिंदी पुस्तकालय एवं वाचनालय में प्रश्न पत्र के माध्यम से हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मंडल कार्यालय सहित फील्ड स्टॉफ के 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके बाद वैश्विक विषमताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था, विषय पर हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मंडल कार्यालय सहित फील्ड स्टॉफ के 21 कर्मचारियों ने भाग लिया।

ऑनलाइन सेवा पुस्तिकाओं का अनुमोदन हो

जबलपुर। मप्र जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रांतीय सचिव दिनेश गोंड ने बताया कि जबलपुर जिले में संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा कार्यालय में सेवा पुस्तिकाओं के अनुमोदन करने में हीला हवाली की जाती है, समंधित कार्यालयों के लिपिकों से मिलकर भ्रष्टाचार किया जाता है। एक एक सेवा पुस्तिका के अनुमोदनों में महीनो लग जाते हैं । सेवा पुस्तिका के ऑनलाइन अनुमोदनो में कभी इन्हें स्कैन संलग्नक कॉपी नहीं दिखती, तो कभी इन्हें टाइपिंग शॉर्ट हैंड का सार्टिफि केट तो कभी अन्य दस्तावेज दिखाई नहीं देते हैं। अनावश्यक आपत्ति लगाई जाती है। विभिन्न कार्यालयों के लिपिकों से साठ गांठ होने के चलते इनके द्वारा आपत्ति पर आपत्ति लगाई जाती है तत्पश्चात समंधित कार्यालय लिपिक और कोष लेखा कार्यालय के डीलिंग असिस्टेंट की इक्छा पूरी नहीं होने पर सेवा पुस्तिका अनुमोदित नहीं होती है । इसमें जिले ही नहीं पूरे संभाग के कर्मचारी सेवा पुस्तिका अनुमोदन के नाम पर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहे हैं ।

संघ ने कलेक्टर से संगठन मांग की है कि मामले को संज्ञान में लेते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए एवं सेवा पुस्तिका के अनुमोदन की समय सीमा निर्धारित की जाए।

फिरोजपुर केंट-हजूर साहिब नांदेड के बीच चलेगी नई ट्रेन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रेल मंत्रालय द्वारा यात्रियों की सुविधा में विस्तार करते हुए नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन की शुरुआत की जा रही है। गाड़ी संख्या 14622/14621 फिरोज़पुर छावनी जंक्शन-हज़ूर साहिब नांदेड-फिरोज़पुर छावनी जंक्शन साप्ताहिक एक्सप्रेस का संचालन 13 जून से प्रत्येक शुक्रवार को फिरोजपुर कैंट से तथा दिनांक 15 जून से प्रत्येक रविवार को हज़ूर साहिब नांदेड से शुरू किया जाएगा। यह गाड़ी फिरोजपुर छावनी जंक्शन स्टेशन से प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर 01.25 बजे प्रस्थान करेगी। मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए यह गाड़ी अगले दिन सुबह 06.15 बजे बीना, 07.10 बजे विदिशा, 08.05 बजे भोपाल, 09.55 बजे इटारसी स्टेशन पर ठहरते हुए तीसरे दिन रविवार को भोर 03.30 बजे हज़ूर साहिब नांदेड स्टेशन पहुंचेगी। यह गाड़ी प्रत्येक रविवार को सुबह 11.50 बजे हज़ूर साहिब नांदेड से प्रस्थान कर, अगले दिन भोर 04.35 बजे इटारसी, सुबह 06.25 बजे भोपाल, 07.18 बजे विदिशा, 09.30 बजे बीना स्टेशनों पर रुकते हुए तीसरे दिन मंगलवार को भोर 04.40 बजे।

इन स्टेशनों पर होगा ठहराव- फिरोजपुर छावनी जंक्शन पहुंचेगी। रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में फरीदकोट, कोट कपूरा जं., बठिंडा जं., मनसा, जाखल, धमतान साहिब, जींद, रोहतक, बहादुरगढ़, शकूरबस्ती, दिल्ली सफदरजंग, फरीदाबाद, मथुरा जं., आगरा कैंट, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, बीना, विदिशा, भोपाल, इटारसी जं., खंडवा, भुसावल जं., मनमाड जं., औरंगाबाद, जालना, सेलू, परभणी जं., पूर्णा जं. स्टेशनों पर रुकेगी।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2023-25, **RNI No. 64561/96.**